नं० ५५१६— घ

दुर्गाक्रमण रीतिः

पत्राणि ८७ (धर्मशास्त्र)

दुर्गाक्रमणी
रीति
नं. १०४६

नं० ५५१६-घ
दुर्गाक्रमण रीतिः (धर्मशास्त्रान्तर्गत युद्धविद्या राजनीतिः)
पत्राणि ८६

नं० २०४६-क
दुर्गाक्रमणरीतिः
८६ पत्राणि
धर्मशास्त्रान्तर्गत

5516
1-76
1-11
87

५७







दुर्गाक्रमणविद्या अर्थात किलेके आक्रमण
करनेकीरीति किलेके आक्रमण कर
नेमें प्रथम यह विचार करना चाहिये कि
इसके आक्रमणके वास्ते कितने मनुष्य
चाहिये परंतु इसमें कुछ संख्याका नियम
नहीं है सकर परके तदबीर और बुद्धिम
त्तासे मालूम होसक्ती है और यह बातें यो आ
गे लिखी हैं ४ इसबातोंके विचार करनेमें
दरयाफ्त होसक्ता है १ प्रथम विचार यदि
और कोई फौज मेरेउपर किलेकी बिना
आवेगी वा नहीं २
दूसरी बात यह है कि किलेके आसपास रह
नेवाले लोक मेरेसें मित्रता रखते हैं वा शत्रु
ता अगर जो शत्रुता रखते हैं तो वे लोक मे
रा कितना नुकसान कर सक्ते हैं उनको मे
रा नुकसान करनेको कितनी सामर्थ्य है
३ तीसरी बात यह है कि किलेके बीचकी
फौज रात्रि अथवा और किसी समय में चुप
चापसे लडनेके वास्ते बाहर आसक्ती है
वा न आसक्ते ४ चतुर्थ विचार किलेवा
लोंकी फौजका सामान और नोकरी कितनी है

ग्रौर ग्रफ्सं के पास उस का म ग्रौर नौकरी करने के वास्ते कितने ग्रादमी हैं

५ पंचम विचार कितना काम ग्रौर नौकरी अपनी फौज के वास्ते होवेगी

६ षष्ठ विचार लकडी ग्रौर छोटि २ नजी- क ग्रौर फ्रगामता सें मिल सकी हैं वा नहीं ग्रौ र मार ढ़ुकनेवाले बगारी मिल सकी हैं वा नहीं सप्तम विचार नोफ ग्रौर उसकी सामग्री मेरे पास वहुत है ग्रौर उसकी सामग्री मेरे पास वहुत है ग्रौर सफरमैना ग्रौर उसकी सामग्री मेरे पास वहुत है जब फौज मेरे पास है तो ग्रौर फौजकी वहुत लोड़ नहीं है ८ अष्टम विचार यदि किलेवाले के पास वहुत तोफ ग्रौर उसकी सामग्री वहुत होवे तो हमारे कों वहुत तोफ ग्रौर वहुत सफरमैना चाहिये यह वातें ग्रौर सहस्री किलेवालेका हाल माल जितना दरयाफ्त हो सके जितना इस सें प्रथा नगाणितज्ञ मालूम करसकता है कि किले के ग्राक्रमण के वास्ते किये ९ नवम विचार हरएक काम ग्रौर नौकरी हिसाव में न्यून गणना करनी चाहिये ग्रौर समझेज रूरहे कि कितने मनुष्य रोज रोज परिश्रवा के

उ॰

२ वास्तेचाहिये औरपरिखोंकी रक्षाकरनेवा
ले औरपरिखावनानेवालेमनुष्योंकिरख्या
करनेवालेकितनेमनुष्यचाहिये औरदोनो
तोपखाना औरसफरमैना औरउष्ट्रोंके आ
रामकीबदलीकेवास्ते कितनेमनुष्यचाहि
ये यदि आक्रमणकरनेवालीफौजमेंआठ
हिस्साजादेमनुष्यहोवें औरवेमानुष्यखोईहा
दएकोयोग्यहैं तवकामऔरनौकरीवहुत
सखतहोगी क्योंकि इसहिसावसहरएक
आदमीकेवास्ते आठचेटाखोईमेकामहै अ
र्थात्चौवीसघंटीनौकरीहै हरचोथेरोज॰
तोठीकहिसावसेनौकरीजादाहोवेगी क्यों
कि फौजमेंवहुतआदमीहै जोखोईमेनही
जातेहैं जैसारिसालाऔरवाजेवाले कमसे
नौकरइत्यादिकऔरभी जिसकेपासअधि॰
कद्योउा औरविमारीहै तवयहसंपूर्णगिण
करमालूमहोगा हरएकआदमीकाकाम
औरनौकरीहमरे २ रोजपरहोगी औरयहहै
असंतकठिन औरआश्रयवानकेवास्ते जि
तनेहररोज २ फौजकोजाएगेहै यहभीविचा
रकरनाचाहिये कंपूऔरफालतूनौकरीऔ
रचासलकडीआदिजमाकरनावहुतकाम

हेतुक्नें आदमियोंकेवास्ते जो आश्रयखोनके।
वास्ते नहीजाते औररिसालापरिखोंमेंनौक
रीनहीदेताहै पैदल वैरलेणदेणमेंक्रमसर्वकेऔर
विकटपहराकेवास्ते रिसालानौकरीदेगा
उक्केसाथ औरजोकिलेसेचुपचापनिकल
तेहै औररिसालावाले हल्केसमानकोज
माकरतेहै औरलेआवतेहै जेमेंअछीफा
डीजोहरसेआवतीहै फाडीकाभारवंधन।
करनेकेवास्ते औरतोपखानेकेआदमी अ
वनेतोपखानेमेंही लगायेजावेंगे यतने।
आदमीचाहियेजोसर्पणीकामकरसकें अ
कलवंदी औरकारीगिरीसीखेहै नेसन
जोतोपखानेमेचाहिये पलटनकीमदत
सवाय औरमदतचाहिये मिटिहरनेको
औरमोरचाखोदनेको औरखाईवनानेको
औररमिहनतकेवास्ते पहमिहनतवाजे २
वगतवकूतहोतीहै सरदारोकीव्याख्या॥
इसविषयमेंसरदारगणितज्ञहोवें जवव
कूतछोटेकिलेकाआक्रमणकरनाहोताहै
तवनवसरदारगणितजाणनेवालेचाहिये
औरतीनसूहरउपेहितहै जिन्होंमेदोदोसरदा
रप्रत्येकमेहोवें औरतीनअनायिकार्यध्यक्ष

३·
३ चाहिये यदिकामकेअधिकहोनेसे दिमदशा
यावारहलगे नवसरदारगणितजीशचा
हिये जोपकबराबरछेगोमाकाकिलाहेनतो
आवनमास्वकेआक्रमणकरनेकेसिद्धांत॰
केअनुसारगणकसरदार ४· चाहिये और
सफरमैनाकेसिपाहीजोदेनहीहोतेहै य
दिवहुतयष्वार्थ २ सिहितहोवें तवआक्रम
णकरनेमेसफरमैनाकाएकसपाहीऔर
पलटनकेतीनसेपाहियोंकेबराबरहोगा
यदिपसीकेतोहोसकरणचाहियेहरप॰
करकमकी परिखाकेकामयोसभसेसा
याराणहै औरवहसरलतासेऔरनियमता
सेंवहुतकामकरेंगे औरवगतवचजायगा
औरकमआदमीलगेंगेपरिखामे औरक
मआदमीमारेजावेंगे औरकमतिआदमी
जखमखावेंगे औरएकछहकेसरदारग
णककोंचाहिये छेआदमीकीमदतवाले
दामवेल अर्थातसूत्रलगायकरपोकेढि॰
केसाथखोदणवालेचिह्निकरतेहैउसका
नामदशवेल। लमाणऔरछ्ह्राकामले॰
णखोदणवालेकीमदतसे औरएक आ
वरकमे अर्थातखोतेमचोवीसआदमीचा॰

हिये आमवदलाणेकेवास्ते और एक तो-
फखानेकेमोरचेकीदिवालबनानेकेवास्तेछ
आदमीचाहियेएकतोफपीछे और फाउके
भारोंकेवास्ते और मतिकाआरंभकरंउवणाए
वास्तेउनकेत्यावणाणेवालेचाहिये एकचौ
थाहैसासफरमैनाकेसपाहियोंसे और योका
मआग्रैलिविंगेउसकेवास्ते पलटनकेकारी
गिरोंसेलेसकतेहै तोफकामेंचतियारकरणा
और लगाणाउसकेवास्तेचारनरखाणचाहि-
ये हरएककमबकेपीछे और एकसरउकीमा
रीमें लकडीकीकेंचीचाहिये ९लिवानके
वास्ते उसमेचारनरखाणचाहिये यहदोना
वातोंसे समझाजाताहै किलकडीकासती
र और तखनानरखोनोंकेवास्तेतियारमिल
ताहै इसमेंसतीर और तखताकेकपनेवा-
लेदोआसरीकसदोराजमेंतियारकरनेवा
लेचाहियेजिननेंसतीर और तखतेपकपं-
चमेंलगेंसाहिनदुगनकाटनेके और सफा
करनेके यहहैदरम्यानआकणकेवास्ते
और जिसकेआकमणमेदोहसेवातीनहै-
मेलगे और जिसमेंवीससरदारगणाकऔ
रपचीसतोफलगेंउसकेसाथचारमानसफ

३४ रमैनासेकमतीनहीहोणाचाहिये एककि
लावंदीकीपंक्तीआक्रमणकरणेकेवास्ते
मावनसाहबकेसिद्धांतसे आठघात आदमी
चाहिये औरफालतूसबुष्यसरंइ.खोदनेवा
लेचाहिये जबसफरमैनाकमहै तबपलट
नकेकारीगरोंसें आदमीचुणनेचाहिये औ
रवक्तजलदीसेंसफरमैनाकाकामसखला
नाचाहिये परंतुनहअसिलसफरमैनाबरा
बरनहीहै पढीतासेंमालूमहुवासफरमैना
केसपाही कवाइद औरपलटणकाकामकर,
सक्तेहै जैसाहमारेसपाहीकरतेहै औरउन
सेंपलटनकाकामहोसक्ताहै जबइनकाम
फरमैनाकाकामलोइनहीहै तोकिलेका
आक्रमणकरनेकोवाकिलेकारक्षणकर,
नेकोधापरिखावनाकोयादरयाल्लखानेके
वास्तेपुलबनानेकोवीनासकरनेकोसफ
रमैनाकोविनमिचवेकेमतहै औरवडाका
रणदेवक्तसफरमैनारखणेकायहहैकि
इनकीनोकरीमेंहमारेसपाहीयोंसेंजादेनु
कसानहोताहै यद्यपि सपाहिहमारेपलटन
सेंचुणेजातेहैं सफरमैनाकेकामकेवास्ते
तोभिसफरमैनाकेबराबरनहीहैं परंतु व

हवक़्तमददतदेसकेहैंकारीगरोंवगैर ह॰
काममेंयोजाटाअकलवंदीचाहिये जोर॰
लामिलासिपाहिमेंनहीहोतीहै दोशातसे
ढेशततकरयेसे आदमीफोजमेभुएनेचा॰
हिये औरउनकोंजादेतलव औरदिलासा
देणाचाहिये औरगणकेमहकमासेपुर
दकरनाचाहियेउनकीमददमददनसेंआक्रण
काकामजलदीठीकठीकसेंहोवेगा ॥
छोटेआक्रमणकेवास्तेगणकेमकमेमें
सामग्रीचाहियेयोआगेंलिखेंगे ॥

गैंटि वेलचा

कुहाडी १५० फालतूदस्ता २२···
दाटी २०० शत आरी वडी १५ आरी छोटि ५०
तेसे २० वर्मे २० गज १० रंदे ३० किलेलो
हेके ३०० छोटेकिलेदोसंहव ● मारतूल ३०
अर्थात उमोलनदंड ३० छुरी ३० छोटिकु
लाडी ५० सांगी १० मंगलीमिटिकुरणोवा
ली १ तरखाणोकेओजार संहव २ राजउ
थोंके ओजारसंहव २ वालकीथेली २···
फडीकेमारवंदकरनेकेवास्तेलोहेकोकडे ५०
तोफकामेंचवेदगनलेवा ४ गजचोडा २५
तोफविषे मारटरकामेंच ३ गजचोडा॰

३

५ और ३ तीनगजलंबा ५ एकसिह्मीखाने
5 कीगाड़ीऔरऔजारकोलेवगैरसबके
साथ दोगिणतीवडीसहितरस्साके दोभार
तीनंईचमोटेरस्साके दोभारडेढंईचमोटार
स्सेके मेंचकेवास्तेपेचऔरडिबी १५ दो
नरांजलेनडोरी १००० गज नवार १०००गज
वंदूकीनलिका १० गजकिरचकी किर
च १० गज गुणिया २ साल रांजका ४
लालटैनपेचवाला २ मोमवत्ती १५ सा
ण ३ सिल २ सूतडी सूईवगेरा तंबू २१
गोलतंबू २१ नकसा कागज किताव प्र
कारोंका कंपास फीडी पोड़ीयां १० लंबी
फुट १ जोडनेवाली टाटरोगनवाला जबय
हसामग्रीलेजायसकेहैं इसानैसपाहीकेब
लासेंसामुदवादरयावोनेरपर नवरसेंजादे
सामाणलेजाणेसेंफायदाहे इसवास्तेआक
णकाकाम औरजलदीसेंहोसकाहे मेंचऔर
संनीर और कांटा और गाडी हाथसेंलेआपस
केहैं नवकोईसरास्तेजाणावहिये छोटासा
मान वहुतलेजाणाचाहिये इसवास्ते इनकेले
जाणेवास्ते भारवगारीथोड़ेचाहिये औरवह
वहुतसाकामदेवेंगे इसतकवीरसें आदमी

ओर सामानगीरीकों वहुत से थोडे हैं जाहा
कोई नहीं है यव कोई आक्रमण करने मे इतने
नहीं मिल सकते हैं तव कमतीके साथयोकर
लेसकते हैं सो करणा चाहिये परंतु लेकिन
प्रयान गणकों ने इतला करणी चाहिये कम
ती आदमी और कमती सामग्री के सवव से।
सापतकते न हो सकेगा किला नापकडाजा।
यगा कं मूलगना आक्रमण करणा परिखा।
खोदणे के पहले आक्रमण जितना उपचा
पसें लग सकता है उसमे किले वाला हिराण।
होगा और नातियारी ओर ववंदोवस्ती होगा
जरूरत नैही है आक्रमण में नसामसकिलाजा
नगा घेर लेणी लेकिन काम लायक होणाचा
हिये पाने किला के वचाने वाला विलकुलवं
द होणा चाहिये तिसकों और मदत आदमी
जो सामग्री वाहर सें ना मिल सके यो उसके
वास्ते काम देवेगी तिसमे आक्रमण की फो
जके पास नहीं लउसका वडी जासके आक्र
मणमें दरया के दोणहाथ के कनारे थोडे
रोजखेला डुवाइहाइ सवव सें उसमण को
मदत नामिला आदमी और सामग्री में मगर
उस सवव में वदनोफ वाहर ले आया रोजरो।

उ॰

८ जेसेओरतिथिकंसंयुक्तगणहरसेंपरिखामेकिया
कंए शिरिफवाजेवगत कानूनकेअनुसार
लगायाजायगा एककिनारंतूकिलोकेन
मामगिरदगोलावलनेसेवाहर जेसेंगुणा
किताबमेंआक्रमणकरना ओरवचाणलि
खागयाहै मगरकंएलगायाजायगाजिस
जगापरहरएकविभाग टूकडाफौजकेअप
नाअपनाकामईमानेंसेकरसकेहैकोई आव
श्यकस्थानघोसापनपकडजायगा किले
वालेफौजसेयावाहरकेदुस्मणसे वहुत
संदेहप्राप्तकियाजायगाजिसनरहवहसभ
सेमजवूतहोगा ओरनेहींपकडाजायगा
वाजेवाजेवगतऊनामवहोगाकंएलगाण
किलेकेनजीक अनुकूलसेऊचानीचाज॰
मीनेमेंएसाकेहैफायदासाथ ओरवगैरऊ
गसानसे ओरकिसीजमीनमेंफौजरहरहे
गाजिसजगाहैपरअनुकूलहोगा ओरको
ईकामवास्ते ओरइसनियममेंपरिखायो॰
किलाकेसाथलडनेवास्तेलगायाजायगा
ओरयोपरिखावाहिरउसमणकेसाथलड
नेवालेलगायाजायगा अर्थात् पानेंनिरु
ढउंगीभिखओरनिरुढपरिखाभिगुवलगा

6

याजाएगा इनदोनोंपरिखोंमें औरअड्डाका
ममिलेगा अगरफौजकीजगाऔरमोरचा-
लगायाजाताजैसाजमीनकीसकलवसू-
जवसाथाननियममें सैनिकस्थितिके पे
ककितारतेइवारगीरदलगाणोंसेजादाका
महोगा अधिरविभाग अगारऔरविचार
केवालेंवदोवस्तऊवा तवमुनासवहोगा
आक्रमणकीफौजकाजदारइकउजित
नानजीकपरिखाकेउचितहोगा औरजि
तनावउफौजपकनरफकांयसकउनका
कंपलगाणाचाहिये जिसतरफकेसामनें
प्रथमणहोगा तांकेतिसकेतोफखाना
औरयुद्धसामग्रीस्थाननिहायतनिगाहमे
रहेगा औरफौजहस्मेसतियारऔरपासहो
गा आक्रमणकीनोकरीवास्ते गणककी
समग्रीकास्थानलगाणीचाहिये किलेके
तोफचलनेसेंपीछे औरवह औरउसकार
स्ताआवणेजाणेवास्तेसामग्रीके किलेवा
लेकीदृष्टिमेनहीरखणाचाहिये तवमुना
सवहैकि आक्रमणकेकंपमेंआवनेजाने
केरास्तेछोवणानेचाहियेजिततेछोटेवना
यसकेहे इसवास्तेकंपकीपिछलीतरफसें

३८

परिखाकोआवनेजावनेकोफोजवक़्तत
कलीफपावेगी वैगैरहनकोआक्रमणकी
नौकरी औरसभकंपूकेआवणजावण।
केरस्तेपरवक़्ततकोउमुलरखणेचाहिये
मालतापकजगाहैउसकेवंदकरणेमे १८००
संवतमेफायदालियागया
साथारणपथरकीदवालेसंयोउसमुलख
मेथा औरयोदिवालकिलेकेसमानातरा
लमेथि उसकेउचेकरनेको औरकोइज
गाजोउनेकोऔरकोइजगावंदकरनेको
औरकोइटूटिफूटिजगावंदकरनेको औ
रपकआवनेजावनेकापड़देकारस्तातमा
मकिलेकेगिरदिसमेवनगया औरकोइर
जगामेंयहदिवालकिलासेसिरफदोशत
वातीनशतकदमथी यद्यपि अगरचेपह
दिवालसिरिफपड़दाथा तोभीसंपूर्णका
रक्षकथा किलामेजिसपरआक्रमणल·
गाथा वाजेरवगतजिसजगाहपरवंदूककी
गोलीआपसकतीथी उसजगापरकिरचिच
कापड़दालगानेसे आवनेजावनेकारस्ता
खुला औररक्षितरहेगा गहिरारस्तापड़दा
वालीजमीनमकानदिवाल औरदोफड़ी

वऊतसेवकनकृत्रिमरूपसेंआपसमेंजोउ
जायगा औरउनसेआवनेजावनेकारस्ता
उहांसेंवणजायगा जोवकूतकामदेगा प्र
थमदिनआक्रमणकरनेसेंपरिखाखोदणे
तकजगाथोउथोउहरसेंखूपनरहसेदेखी
जायगी सरदारगणितज्ञयहकामकरेगा
जवयहकामकरनादे सरदारगणककोंत
वहसराफोजकेसेपाहीउसकीरक्षाकरेंगे
जवआक्रमणकीनजवीजकांवंदोवस्तत
यारकियागया जगामुकररकरणीचाहि
ये औरफोजऔरसामग्रीकेवास्ते औरर-
जितनाचिह्नऔरनिसानवास्तेआक्रमण।
केपरिखालगाणीचाहिये औरखूपखवर
दारिकरणीचाहिये औरवंदोवस्तकरणा-
चाहियेजैसेकिलेवालेकोंकोऊखवरा
नालगे औरप्रथमआक्रमणदिनसेआद
मीभेजणेचाहियेवास्तेलकडीकेऔरफा
ड़ीवास्तेमचकेऔरकांटाऔरसांग्रामिक
रंउपाने गेविश्रत् वनानापडलकडीपेसे।
नजीकलेआवणीचाहियेजैसेंकीछेके।
वगतभारवगारीसामग्रीकेस्थानकोपो।
लउनेकीजगाकेपीछेकामहोगा औरभा

रखगारीजोफौजकेसाथपहलेआपहैंसोल
गाणाचाहिये औरबलद खचर घोड़ा औरतो
फखाना औरहिसालेके घोड़ेयोंकेवास्तेखा
णाउसीजगहसेंमिलहै इसीसबबऔरस
बबसेंमालूमहोताहै किशीतकालमेंआ
क्रमणकाकामकठिनसेंसकाहै ॥
आक्रमणकानियमऔरफलकानक्शादरि
याफतकरनाकि कौणसाकिलाबंदी औ
रपरिखावनाना आक्रमणकेवास्ते नवउ
चितहैकिप्रथमनियमससमझलेणाचाहि
ये आक्रमणकाफलहै छिद्रवनाणाकि
लाकीदवालमे जिसमेंबलवालीफौज
जायसकै जबरदस्तीसे अगर शिरफएक
दिवालवाली किलाबंदीहै औरउसकाघे
रनकरनजरआताहै तबतोशिरफजरू
रतहोगा एकतोफखानेकी बेटरी दो
सौतवाचाँरशतगज किलासेहरलगाणी
औरउससेछेदकरणाकिलेकों जिसमेंफौ
जएकदमजायसकै अगर कोईपउदेका
रस्तानहीहै वेदरीकों नवपउदेकारस्ताव
नाचाहिये औरतोफऔरकोईगास्लेरातको
लेजाणीचाहिये वाजेरवगातमहकामए

यानहीहोतातबदिननिकलजाताहै तबपा
साहेतबतोफछुपायदेवोउगातकीफाडीके
साथ ॥ जितनाजलदीऔरजोरसेकिलेवा
लाअपणातोफचलाताहै ऐसाहुसकहोगा
हमारेकोंछिद्रकरणेमें ॥ अगरकिलेवाला
पाससेंतोफऔरबंदूकचलासक्ताहै तबऔर
मुस्कलहोगा तबजरूरतहोगापहलेतोतोफ
चलाणा औरबंदकरणा औरयहबंदकरणे
केवास्ते औरजादेतोफकीबेटरीलगाणी
चाहिये औरपउदाकारास्ताऔरनजीकबणा
णाचाहिये तबकिलामेंइतनाफौजहैजोबा
हिरआपसक्ताहैलडनेकों तबतोफकीबेटरी
एकदूसरेकेसाथजोडकरलगाणाचाहिये प
उदाकेरस्तेमें औरपउदाकारास्ताबनानाचा
हियेदूसरीफौजकेवास्ते जोतोफकीमदत
गिरीऔरनिगाहदबानीदेगा औरजैसाजोरहै
किलेवालाकावैसा औरमदतचाहियेपहले
टोवस्त्रऔरजादाजरूरतहै अगरकिलेकीदि
वालतोफचलनेमेंदूरहै तबवैदूरीऔरनजी
कलेजानाचाहिये औरपहलेकिलेकीदिवाल
भीतरकीतरफबऊतमजबूतबनायागयाहै
तबपउदाकारस्तादिवालतककरलेजाणाचा

हिये तो के खुला रस्ता होगा मेरी फोज को छि
द्र के पास जाणे को दौने २ मो २ चा जो किले के
बाहर बनाया गया है किला की मदत गिरी·
की वास्ते उसी तजवीज से वह पहिले पकड
ना चाहिये और सम आक्रमण मे पड़दा का
रस्ता और जमा करने की जगा उस फोज
के चलने और जमा करणे के वास्ते जो फो
ज तोफ की वेडी की खिवरदारी मदत गिरी
और निगावानी करती है इस नियम से मा·
लूम होता है कि जरूरत है पड़दे का रस्ता जो
टेढा बना और समानांतराल की परिखा
ऐसा बनाना जैसा तिर्छकं सघुहतणे से रक्षा
करणे वाला होगा देखो वह न आक्रमण के
मे दस्तूर है आक्रमण में समानांतराल में
तीन परिखा बणाणि प्रथम परिखा ८०० गा
ज किलो से दूसरी ३०० गज तीसरी ७ल्लाप
र अर्थात किले के पास परंतु यह है सि·
फ साम्मान्य नियम ठीक कायदा नही है
क्यों कि वडा किला है जिस में हजारों आद
मी वा छोटि फोज है और जिस का तोफ खा
ना खंदक आस पास हर से चलता है उस कि·
ले के पकड़ने के वास्ते सापत परिखा चाहेगा

८०० गजका १२०० गजहरकिलेसे औरउह
उससेंजदाहोगा जोऊपरलिखाहै औरअ
निश्चतहोगा इससेएसानजोकेजेसा ८००
गजहै नहीखडाहोसक्ता औरजेसाकिला
छोटाहै वेसाआक्रमणकाकामभीछोटा
होगा एकतोउनेकीवेहीतलक अगर
जोजगावडीहै औरउसमेंवडुतफोजहै
औरउसकीकिलावंदीठीकनहीहैकम
जोरहै तवउससे औरकिलाकेएकडने
मे औरजादामुस्कलहोगा जिसकीकिला
वंदीठीकहै औरमजबूतहै इसकेहोणे
मेवडुतकारणहै प्रथमकारण येसीज
गातमामआक्रमणकरणीमुस्कलहै क्यों
कि कंपूलगाणतोपकागोलाचलनेसे
वाहरकंपूवडाहोगा औरहरएकजगामे
कमजोरहोवेगा औरतमामाकिलेकीफो
जकिसीजगापरलडनेकेवास्तेआयस
कीहैवाहर ॥ दूसरी
किलावालेकेपासतनिजगाहोवेगी किउ
सकीतमामफोजसिरफवहजोनोकरी
परथीआक्रमकेसामनेसोआरामऔररा
हामेरहसकीहै तीसरा ॥

३·
१· अगरजगावडीहै जवरोवाजोआक्रमणके
सामणोऔरनजीकसथीहोवेगी औरसा
पतउन्होंकामोरचातिर्थक संधुहाणनही
होसक्ता औरअगरकोईकोणवानिर्गमवि
दुपस्आक्रमणमणजूरहोवे तवसायत
दुस्मनउसनिर्गमविंदुकेअंतरमेंवऊतस
मजबूतपरिावालगायसक्ताहै ॥ चौथा
हरवक्तजवदुस्मणवाहरआवताहैलउने
केवास्ते वहलआईफौजकीलआईहोतीहै
औरअगरउसमेंकोईगाफलहोगा तव
वऊतनुकसानहोगा ॥ पंचम
किलेवालावऊतसीसामग्रीऔरतोफवग
तवेवगनवाहरसेंअंदरल्यायसक्ताहै इस
वास्तेवऊतसागोसाहोगाजिसपरआक्रम
णनलगसकेगा ॥ षष्ठः
दुस्मणक्रमसेंपरिावाभीतरवनायसक्ता
औरछोटेछोटेपरिावावऊतकामदेयेगा
जवछोटेगोसेपरहै औरउसकीमदतदेण
वालाफौज वऊतमजबूतहै औरउनका
पासारचकमेहै औरजवआक्रमणकरणेवा
लेंनेंतगपरिावामेंआगेंवलनाहै औरज
वरअथःसंधुहाणवाऔरसंधुहाणमेहै

मालूमकियागयाथोडाछोटाकिलाबंदी
मदानपरकोईछोटिफौजकोबहुतफाय
दा औरजोशीदेताहै इससेसमझलेनेस·
काहैकिकोईजगाकैसा मजबूतहोवे जि
सकेसार्वकालिकस्थिरदुर्गकिलाबंदी
सेतलक उसकेतविमथनकाठीक·
ठीकआक्रमणकोदेता जैसेआवनसाह
बसेलिखागयाजबसेबदलीनहीहुवा औ
रयहसमझसेप्रगटवक्तहोगा आक्रमण
केतियमसमेदाखिलोंकों जबपीछेलिखा
गयाजोध्यानऔरआक्रमणउसकेऊपर
अमलकरतेहै तबमालूमकियाजाताहै
किजबकोईबडामजबूतकिलाआक्रमण·
करनाहै तबआक्रमणकरणेवालामज
बूतीसमझलेऔरकमबंदोबस्तउसकेवा
सेकिया औरजबमालूमकियागयातब·
जरूरतहै औरमदतउसकेवास्तेहरसेलेआ
वणा यहगलतीहोतिहैसाथतरसीमरात
से सरदारगणाककोंआवनसाहबकेनि·
यमकासकल औरपैमासपरठीकठीकच
लना इसीसबबसेबाजेबाजेबखतबहुतसे
जादाकाम औरतियारीछोटेकिलेकेआक्रम

३.
॥ णकरनेमेंलगायाजायगा परइसअव
स्थामेंएसीखराबीनहींमालूमहोसकी
नियमजिसकेअनुसारगोलानिर्माणकिया
जाता आक्रमणकरणेका वहकिलेका
गोलाजोबनाहुवादुगोराहैकुछपठपरजो ४
वा ५ फुटऊंचाहै वहनहींआक्रमणकर
णेलायक औरवहजिसकेआसपासपानी
खड़ाहोताहै औरउसपाणीकोनालेजापस
कताहैकायसके औरवहगोलाजिसपरआ
गेलेजानेकीपरिखाजाता औरयहनजर
आतादुसणकीकिलाबंदी ... ससे और
उसपार्श्वतोपकेहै जोबंदनहोसकता पस्वागो
लाभीआक्रमणकरणेलायकनहींहै और
पुनप्रवेशकोणभीआक्रमणकरणेलाय
कनहींहै किलेकाआक्रमणतोबहुतमु
स्कलहै जबउसकेसमनेजोमुदानहैकुप
हुहैया पथरकीजगाहैयाजमीनमेबहुत
वृक्षकीजढहैयागीलासे एसीजगामेपरि
खाआगेबढानामुस्कलहै औरयहऔर
मुस्कलहै जबजिमीएसाहोजैसेंपरिखासें
पाणीआपनहींनिकलेगा औरपरिखाज
बनीबेजातीऔरकिलाहुवाहै औरजबकि

लाकेबराबरसें परिखा नीचे है और जब परि
खा बनाना है तो गज़गाम में जिसका सुखे कि
ले के सामने से छोटा है कि सम परिखा को
बावत आक्रमण करने वालों का काम दे
री से और मुस्कल से होगा जब किलाबंदी
और परिखा विरुद्ध स्हार इ. कि याग गया जब
आसपास की जमीन पाणी से डुबाणे सक्ता
है जब किले के सामने एक लंबी राखा घान
जी कमी टारे खा है जब किले का परिखा कु
एंमे बना है जब दिवाल के गोसा मे छोक ब
नाऊ वा तो फकीर दतक वास्ते जब बडुत सी
किलाबंदी है एक दूसरे के पीछे जिसके हरए
क किलाबंदी पर तोउने की बेटरी लगाणी चा
हिये दिवाल जिसमें सें युत्तणाकर सक्ता ज
ब परिखा पाणी के साथ भरने सक्ता जब मर
जी होवे जब भीतर को जिमीन और मकान
जो किलाबंदी के नजीक है पसा है जिसमें
मजबूत किलाबंदी और परिखा बना य सके
है जितना नजीक किलाबंदी है असल जगा
को इतना जादा मुस्कल होगा आक्रमण करने
वाले को जब यह हाल माल जो पीछें लिखा
या तेरे यां उलटा हो तब आक्रमण करने वाले

काका मइसा नहीं और जब जमीन जो किला
के सामने रक्षण देने वाला है यह मैला मी
में थो मकान से पांटिवी में पांइगन में थां है।
तो से आक्रमण करणे वाले के वास्ते अच्छा
है जब जिमीन एक मैला मी है तो किले का
मोरचे के साथ नव अच्छा है आक्रमण कर
ण दरया के एक किनारे पर जब हमरा किना
रा ही का है जिस पर वह वैटरी लगाय सक्ता
और किले को तिर्यक् संधुण कर सक्ता है
और अच्छा है अगर वह किनारा और ऊंचा है तो
वाजी वगान एक गोसा आक्रमण के वास्ते मु
कर्रर करता जो सब से कम जोर ने है इस वास्ते
साधन और सब वके वास्ते अच्छा है इसी न रा
साधन तो फ और सामग्री उसन रफ इस्ता नो
सक्ता है पाणी का रस्ता वा अर्थी स उके से यह
फौज और अफीन रहे हैं रक्षण में रह सक्ती है
और जिस स्थान में सामग्री ले आता वह साम
ग्री का रस्ता खुला रहेगा ॥ परिवा खोल
ना पाने वा टूणन सवाय सामग्री जो सामन स्था
न में और बहुत सामग्री जमा करना है उसी
मूल खिंसे किले के नजीक में वह सामग्रीय
हरे में व सनीर नक्शा सक्कम जहून लकड़ी

छोटी ओर बडी जिणारीपूलकेवास्ते हा
थगाडी होकरी कांटा गाडी मेख चूल
बहुतसिहनतकरनीचाहीयेयहसामग्री
जमाकरनेकोआक्रमणकेपहलेदिनसे
आगरहोसक्ताआक्रमणकेआगे आगरपाणि
केरस्तेसेवा ओररस्तेसेहरसेत्यामसकेहै
आगेजोलिखाजायगा तोमालूमहोगाकि
कितनामिहनतजरूरहै सामग्रीजमाकर
नेमे पेसाआक्रमणकेवास्ते जेसाप्रथम॰
नकसेमेओरदूसरेनकसेमेलिखाहै दशा॰
गोसाकाआक्रमणकरनाजेसाप्रथमओरदू
सरेनकसेमेलिखाहै अगरदशारोजदीपाजा
तादोतीसराहिसासामग्रीजमाकरनेको
जमीनखोलणेकेहोगा जब ८०॰ आदमीरो
जवाहियेवगेराअनधिकार्यध्यहोंके ओ
रविना४०॰ आदमीजंगलजमाकरनेको
वास्तेमृत्तिकागर्भकरंउ ओरफाडीकोभा
र ओरविनाआदमीनोकरीके एकशतयो
७ ओरकांचियहसामग्रीअपणीजगहपर
लेजानेवास्ते सामग्री १५०॰ फाडीकाभारप
रिखाकों५ फटलवापेट १॰ इंच २०॰ दिवाल
कोजाडीकाभार १८ फटलवापेट १॰ इंच

३।
१२ १२... म्रतिकागर्भकंडंड २ फुट १ ईंच लंवे
एकफुट ८ ईंचफेर १२... म्रतिकागर्भक
रंडवैटरीकालंवाफुट ३ चौडाफुट २ ८८
मंवतोफकालंवा १० फुट चौडाफुट १२
२॰ मंच मारटरकालंवाफुट ८ चौडाफुट ६
१... संतीर अमेघ लंवाफुट १॰ चौडाईंच
६ मोटाईंच ६ १॰ संतीर लंवाफुट १२ चौं
डाईंच ६ मोटाईंच ६ ३८... कील लंवाफु
ट ४ कांडाकेवास्ते १॰ तिपाईफाडीकेभा
रकी हथयार। २१ तेसे ५॰ कुलाडी २॰ कु
लाडीवडी टाडी ८५॰ । २॰ वडीआरी आरी
कस १२ वेलचा १२ डोलनडंड १॰ कडेमो
वनातेभारवाले ३२ गेंटि १२ आरीछोटि
१६॰ वावतफाडीकाभारऔरम्रतिकागर्भ
कंरंडकेनेहीवनलायसक्के किकितनाफा
यदाहेअगरवहुतेहे एकसरप्पानाकासपा
डहो अगरउसकेपासम्रतिकागर्भकरंडहे
तोवहआपलेवालेनजर औरवहूककेदस्त
णसे जगावनायासक्काहे जिसमेंवहरत्नि
रहेगा पाओंचटोमे औरनजीकगोलमेंजू
सेआयांचेरा नवमिटिनावडुगमेंनावकुतस
केहेकरंडवणेकेपीछे ।। फाडीकाभारजि

13

सकाऊनर १॰ ईवहे वहपेमारहणमिलका
तीनपाओंमेंअगरमृत्तिकागर्भकरंउस
केपासनहींहेतो५॰ पललगेगा करंउओ
रफाडीभारकेवाउसेंकामओरजलदीद।
सानसेठीकठीकहोता ओरवनारीअकी
तरहसेंरहणदेयेगा ॥ अगरनियमओ
रनकसाजोअवलकितावमेंलिखाजाता
हेउसकेसाथठीकठीकचलतातोवडेसु।
स्कलसेंफाडीकाभारओरमृत्तिकागर्भ।
करंउमिलसक्काहे आक्रमणकरणेमेंस
स्कलओरजादेनुगसानहोगा अगरदेरी
लक्काइसीवास्तेसिहननजाताकरणेचा।
हियेजलदीकरणेंकोंपरिखाखांलणेकी
स॰ से इसवास्तेअक्काहेपरिखाखोलणे
केपहलेसंपूर्णसामग्रीजमाहो ॥
परिखाखोलणेकेपहलेजिसजमीनपर
पहलीशानकामहोगा अकीतरहसेसम
फलेणा ॥ पहलेनकसावणणवा
हियेजिसपरहरएकसकलओरचीजउस
परलिखेगा नायकेवमूजव ओरजरूरत
हेतोपहपेमासतुहस्तहोगाआठीयेमास
केअलादसे एकसरदारगणकयहकाम।

उ.
१४ करेगा जिसके जमा मेयरहरहेगा अगर ऐसा
स होती सिरिफ कदमों से और कीले को सा·
थगलती वकूत पड़ेगा ऐसे ऐसा मासे और
ऐसे निसानों से सरदारगणक और सफरमें
ना अंधेरी रात में रक्षण करने वाला फौज
और काम करणे वाली मदद नें ले जाय स·
का अपणी अपणी दुरुस्त जगा पर और इस स
ब बैसे टोला पड़ेगा और परिखा गलती लगे
गा सरदारगण कों चाहियें जिमी नाह्रपमा
लूम करना और संपूर्ण आसपास दरयाफ
त करना अगली रात को और ठीक ने सा·
नी लगाणी चाहिये अगर लगाय सको कि
ला वाले की विगर विवर असल वे से और औ
र सब बैसे अच्छा है जो किले वाले आदमी वा
हर नहीं निकलने देणे आक्रमण के समूह से
लड़ाई होगा वाहर की जगा के वास्ते जो अ
पणि सामणे और जो फते जोरवाला होगा
आक्रमण करनेवाला किलेवाले कों वा
हर ना निकले देये गारात के वगत और कि
लेवाला दिन मे २··गजवा ८··गज तक वा
हर आप सकता है अगर किले का संधुक्षण उ
स के आगे चलता है तब चाहिये ऐसा करना

जिसतरहकिलेवालेकोंनमालमहोगा
कीकोणसेगोसेपरआक्रमणकरनाचाहे
उसकोमालमहोगा एकगोसापरकरना
तोहमरहसेरगोसापरकरना अगरयहहो
सकातोवहुतफायदाहोगा तोजरूरहोगा
औरगोसापरजैसाकरना ऐसाउसीगोसा
परहमआक्रमणकरना अगर किलावाला
जोरदेतोयहकरनाकुछफायदनहोगा
जिमीनखोलनिकिलाकेतोफकेनोचे
ठीकठीकनियमहै औरयहनियमहरए
कआदमीफोजमेसमझणाचाहिये कों
किकामहोतारातमेंऔरचुपचापसेतोअ
छाहैपलटनवेपलटनफोजवहकामसि
खिलायगा योवहकरनाहोगा आक्रमणके
काममे प्रथमपरिखाखोलणेसाथनाउ
कामार औरकरंउ विगेरकाउकामार और
करंउ ॥ हूसरकामकानियमवेटरीमे
तोमराकिसमकाम औरकितनाकामएक
आदमीकरनाहेएकनौकरीमेराजकेवक्त
वादिनकेवक्त ॥ यहसिखनेमेंकुछजरूर
ननहीवहुतकामकरना वाजेवक्तकुछका
मकरनाजरूरतनहीं परवहकामकरनेका

३.
१५ 15

रस्ता अधीन रहै से सिवाण चाहिये नम्र ना से
अगर औ देवता औहि काम थो एक आदमी
करना होगा वह माल म होगा तो कुछ अक
ल नही तो अछा है थोडा सफर म्याना उसके
मामने काम करे त व वह माल म होगा तो इ
मानिसैं काम कर सकता एक और फायदा
होगा अगर फौज यह काम सिवेने से तो वा
ह माल म होगा तो यह काम फौज का है
फौज काम तो अछा है दरयाफत करना फौ
ज काम का है और क्या कीमत है और किस
सरत से फायदे के ना लगाया जाय
अधीन ही माल म कुवा कितना म है और
कितना फायदा वही काम से होता जो फौज क
र सकता और मिहनत ने किया जाता वह का
म विना सपाही हमरे मजूर सैं क म मिहनत
करता इसके वास्ते के के सब वबै है पेहलो
काम करना सपाही को कोई कारण नही
वह अपने रोटी मिलत विगे मिहनत उको
मिहनत करने का कोई साहस नही और
नही करने मे कुछ सजा नही वाजे वक्त कोई
सपाही किसी काम में लगाय देना तो वह कह
ना कि हम इस म सपाही वास्ते होगया हमने सेका

मनहीहोता दूसरासपाहीकाकामकरना
उसकीकुमेदानराजीनही इसवास्तेइनका
बरदीखराबहोजाता औरउनकोसपाहीकी
सकलबिगड़जाता तीसरा सरदारोंऔरस-
पाहियोंसेमालमहोताकियहकामफाल
तूहे सपाहियोंकानहीहैतोअछीबातहैफो
जखवरहीबेकिक्याफायदाहोताकामक
रनेसे ॥ अगरफोजबाहरजातालड़नेके
वास्ते औरउसकेपासबहुतसरदारगणकहे
औरबहुतसफरस्पानाऔरसामग्रीतोअछा
है नववहकुस्मणोकेनजीकजोवहमिहनत
करे अपणोआवणोजाणोकारस्ताभूलवगे-
रा अछावनवाओ औरअपणीजगाहरतर
हसेमजबूतबनाबो परिखोबगेराकेसाथ
लड़नेकेवगतयहफायदामालमहोगा
सरदारगणकाकामहेनाआदमीऔरसाम
ग्रीकीअछीतरहलगाणा लेकिनकामव
गाबरलेणा दूसरेसरदारोंकाकामहे जैसा
वेइजाजतदेपरिखोकाकामगाफलकरना
पत्तीतासेमालमकुवाअगरफोजदिलसेपरि
खोकामकरे नववहदूसराकामदिलसेऔ
रबराबरीसेकरेगा ॥

अगर परिखा का काम ढीला होता तो वह अग्र
गस्थान होजाता सिवाय वह कुगस्थान और ख
कुगस्थान खारी वहै क्योंकि एक दिन के फ
रकसें साधन फतेयांगाय वह होगा काम ढी·
लाकरनेसें आदमी जाता लगाणा है और घर
मकानौं करी और जलदी आदमी के ऊपर आ
वेगी अगर पांच पैंत आदमी अधीन रहे सिर
नतसे एक कम्म कर सक्का और वह रैने कारता
त वजह रानेहै ८·· आदमी लगाणा और रुद्र।
कीमत्ती में एक शत्रो आदमी जदे उसके
संमुख रण में डाला जाता ॥

परिखा का काम करने के वास्ते मदत न इवा।
णाणी चाहिये थोड़ा २ सिपाही अलग २ पल
टनसे क्योंकि रोला पड़ता और कम में गाफल
होता लेकिन सब आदमी जो एक ही वदली
में जायें एक ही मदत में एक ही पलटन में ले·
णा चाहिये और उनके साथ अपणे २ सरदार हो
णे चाहिये क्योंकि वह अपणे सरदारों का हुक
म मानेगा हमसे सरदारों का कम माने गा
जब सपाही आक्रमण और परिखा के काम में ल
गाया जाता तो वदन उसके वास्ते आढा है निर
खवनाया जाता जब सपाहियों के काम का नि

रखलगयाजाता नवकनादकरनेवाहता न
वबहलडनेकेवक्रुवकुननकलीफपाता
श्रोरइफ्केवदमेंइताजोरश्रोरइतनीताकत
नेहे जोमजराकेवदनेमेजोश्रोणवरपरश्रा
ममेंवैठताहै निरखवयहदोनोंवातेंममफक
रवनानाचाहिये लेकिनजोनिरखवनजाता
वहकाममणाहीकरनेवाहताहदिलसेंश्रोर
सतावीसं वेहोवस्तमहकमागणकके
संपूर्णगणकामहकमाकंएसामग्री
स्थानकेमहकमाकादूसरश्रोरसामग्रीप
कसरदारयोभुकररहुवा उसकेजमामेंर
हे श्रोरउसकेमदतकेवास्तेभुनसीलिख.
नेवास्ते श्रोरसरजण श्रोरध्यानेमेसविड.
सफरम्पानाका संपूर्णहथ्यारश्रोरसाम
ग्रीहमेसंतानियाररहेगी जिसवास्तेवहपक
वारगीकंउीजावेगीफोजको यहसरदारप
कसफरमेनाकेसणाहीरोजरोजमेजदेगा
परिखोंमेसकिस्त्रहथ्यारजमाकरनेकेवा
स्ते जोसरदारनोकरीपरिखोमरकरताहै
वहआटमीदेवेगाइसकोहथ्यारसामग्री
स्थानमेंपुरहवानेकों
यहसिकिसलहथ्यारउसीवक्तमरमतहोवें

गेलहारोंश्रोरनरखोणोंकेपासजोरखेहैंउ
सीकामकेवास्ते ॥ फाडीकेभारश्रोरम-
त्तिकागर्भकरडेंकाउरूसलठेरलगायाजा
वेगा श्रोरकेवलश्रोरकिसीकामकेवास्ते
नानिकालाजावे ॥ सपवेवरदारीकरणीचा
हिये रेताकीथेलीश्रोरकूलारीश्रोरहाथी
कीबोरीनाहोवे ॥ अगरसामग्रीकेस्था
नमेंपडउदानाहोवेतोचाहियेडारीश्रोरबे
हैंउसकीचारतरफलगाएा श्रोमसतरीकि
सीकोंअंदरनाजाणदेकेवलजिसका-
काममेंश्रंदरजाणेकाउसकेविनानरखो
नश्रोरफाडीकाभारवनानेवाला अनुयोगा
थीनहोगाउसहदथ्यारकेवास्तेजोउसकेपा
सहै श्रोरउसकीफरिस्तलिखीजावेगी ॥
कारीगरसामग्रीस्थानकेसरदारकीसपु
र्दमेंहै उन्हकाउनसीरोजरोजजोसामग्री
श्रोरहथ्यारजोदीवेजातेहैं उसकीरसीद-
लिखायले श्रोरवहहिसावलिखेगा सपु
णीश्रादमीकाजोसामग्रीस्थानमेंकामकर
तेहै श्रोरवहरोजहाररहेचाहेतिरखेदारहै
कामकरनेवालोंकोरोज सामकेवगतन
लबमिलणाचाहिये ॥ नरखोणामदनमें

तकसीम होता जिसके एक महीने में चार आद-
मी है और सफर तकसीम होता जिसके महीने
आठ आदमी है । मैना तकसीम होता जिसके
महीने चार आदमी है जिस वक्त पहले परीख-
ये सी बन गई जैसें दुस्मणें से रखण देवेगा उसी
वक्त औरी सामग्री के वास्ते स्थान उसके पी-
छे बनाणा चाहिये और उसके ऊपर पहरा रख-
णा चाहिये और उसके ऊपर रखणा चाहिये
और हर एक सामग्री स्थान पर एक सफर मैना
का सपाही चाहिये यह सामग्री स्थानें सर-
दार गणक हर एक समान रस्तान में है सकारे
और इसमें तोपका मेंच आले रलगाणा चा-
हिये और वह हमरे समान के साथ नाल जाय-
गा कानून सरदार और गणक के वास्ते दूसरा
सरदार गणक आक्रमण का हुकम देने वाला
होगा और सारा मह कमा उसका हुकम मा-
नेगें और खूण व खबरदारी करनी चाहिये तोप-
खा का काम बराबर चलेगा और नया का-
सठीक लगाया जावेगा ॥ विरोग ३ मेजर
और अजीटन सवदमर की गणिक वगेरा ख-
बरदारी रखेगा और इनकी सपुर्द में सब सफर-
होगा वह बाजे वक्त परीखों को जायगा गणक।

३.
१८ कोंमदतदेनेखवरदारीलैनेदेनेकेवास्ते क
ईसणमावींटीजावेगीमदतमेंजिसमेंदोदोसर
दारहोवे वदलीकेवक्तग्रकररहोगाइसीत
रहएकवदली ४ वज्जेसामको दूसरीवदली
१२ वज्जेरातकों तीसरीवदली आठवज्जेसुभा
कों अर्थात् ५ वज्जेसामकों औरएकवज्जे
रातकों और ९ वज्जेसुबाकों सरदारजरूरत
ठीकवक्तअपणीनोकरीपरहाजरहोणा
चाहिये ॥ नोकेसावदोवक्तहोगाकीसर
कंएकोंवक्तवज्जेमालूमहोगा चोवीसघं
टेवज्जेएकवक्तसरदारगणककोखपाव
वरदारीकरणीचाहियेप्रधानगणकका का
मकरनेकोहुकमसमानाजावेगा वहजाद
करेगाकीकेसीजरूरतसेंसपूर्णकाममेंअ
ड्डांवदोवस्तहोगा काममहरूकरनेमें एक
घंटायाआधाघंटादेरीलगेगीसोलाकरने
सेविहतरहे सरदारगणककामकरनेवा
लेंकेसरदारसें मदतलेवेगा औरउसको
चाहिये अपणेआदमियोंपरहुकमकरना
प्रधानकगणकरोज२ दोवजेहुकमदेवेगा
चोवीसघंटाकेकामवास्ते उससेंसवमा
लूमहोगा कीचोवीसघंटामेंकोण२काम

होगा औरसरदारगणकेदेवेगा सफरमेनाकी
चीजतियाररखे जैसाहथयार औरसमसाम
ग्रीवाहररखीगई औरलेनदेनी नायककरनेके
डंडेआदिवडाअफसरउसमदतनेकेवास्तेतियारी
करेगा ॥ वहप्रधानगणककोंरुनलाभेजदे
वेगा लिखनेमेंकोईसफरमेनाजोअछाका
मकिया औरकोईसफरमेनाजोवहकामकि
याहै औरजोकामकरताहैविनादिल औरब
मिहनतऔरकुसपारीसे औरजोमदतकाव
डअफसरहैजववहनोकरीसेलोटआवेगा
तववहसरकोपकरपटलिखाकरभेजदेगा जि
समेंलिखाजावेगा कि कितनाकामकुवा
औरकोणसीपलटनसेकोनआदमीहै औ
रउसनेकितनाकामकिया औरसमवातजो
हुवाउनकीनोकरीमेंकेसासंधुह्नणउसण
मेंआवताथा औरवहक्याजुगमानकरताथा
औरउसगणकाकामकरताहै उनकीनजरमें
यहरुनलाआक्रमणकासरदारहुकमतकरेगा
औरउसकीनकलएककितावमेंदर्जरहेगा औ
रयहकितावअजीटनकेसपुर्दरहेगा
जोकामकरनेवालानिरखकाकामकरताहै स
रदारउसकोंरोज२कामपररसीददेवेगा और

१९ उसरसीदपरकामकरनेवालेको नलवमिले
गी ॥ अबनपरिखाखोदणेकाप्रथमप्रका
रपरिखाखोलणेकादस्तूरहै पहलीरातको
पहलीपरिखाअर्थात रस्ताकीजगाओरउस्का
आवनेजानेकारस्ताजैसालिखागयानक्साले
बरदेओरतीनओरवारेमें इसस्थामेहमसम
फलेवेंगेकीयहपरिखा ८०० गजप्रवेसकोण
किलावालेकीरह्णणकेरस्तासेहै औरउस
केसाथदोतीनआवणेजावणेकेरस्तेहै जै
साप्रथमनकसामेलिखागयाहै ॥
यह ८०० गजहै असलकिलावंदीसे विनाफा
सलयावारहकी किलावंदीसेगिणना यह
फैसलाहैसवमेंअच्छाक्योंकि वऊतनुकसा
ननहीहोसक्ता ...... कागोलायावंदूकके
गोलासे अगरयदिकिलावालेकेपाससिर
फदसप्यानआदमीहै वहवाहरदीआयसके
लडनेकेवास्ते ८०० गजपरिखाओरअछीहै
तोपफमेदकानमकेसधुलकारह्णणकरणे
केवास्ते यहपरिखा ५०० वा ८०० गजकिलाके
गोसासओरऊंलंवाकरनाजिसपरआक्रमणे
करनेलगेहै औरउसपरिखाकेदोनोसिरेफे
रीलेणेचाहिये उनकेपाससेरह्णणकेवास्ते

19

और यो किलावाले के पास वहुत आदमी है
और माल मसोगा वहुत वाहर आवेगा लडने के
वास्ते तव उसका परिखा के सिर पर किलाव
दीवनानी चाहिये ॥ टेढा आगें वडने का र
स्ता वणाने चाहिये एकजगा कों जोती सगज
और किलावाले के रखणे के रस्ता सें वाहर है
जिसपर उनका संधुत्तण आय सक्ता है जिस
से वहुत वच जायगा तिर्यक् संधुत्तण और सं
ऊकसति संधुत्तण सें परिखा है ९ फुट चौ
डी १ सामनेवाली पैररखणी की जगा सम
त वेगर पैररखणी की जगा ८ फुट चौडी
और उसके दरम्यान तुंगी तीन फुट होगी औ
र आगें सें पीछे तलक थोडासा ढाल रहेगा
पाणी जाणे के वास्ते ॥ और वहुत ऊंचा रख
णे देवेगा उस्मण के तिर्यक संधुत्त सें
वाहर निकलने का रस्ता परिखा में रखणा
चाहिये दुस्मण के लडने वास्ते जब वह वाह
र निकलता है लडने के वास्ते ॥ भीतर की स
लामी और वनारि की सकल वेल वाके साथ
वनानी चाहिये ४ फुट २ इंच ऊंची जेसा वह
रस के ऊपर संधुत्तण कर सक्ता है और ऊस
के पीछे रस्तण मिलेगा वे आक्रमण मे परिखा

३
२ औरजोदेवोड़ीचाहिये छोटेआक्रमणोंमेंछोटी
चोड़ीचाहिये। परिखाकाआवनेजाणेकारस्ता
कमतीनहीकरनाचाहिये औरपहलीपरिखा
काआवणेजाणेकारस्ताहूपाउलारखणाचा
हिये। ऐसाबंदोवस्तकरणाचाहियेजोकिला
वालोंकोखबरनलगे कि किसवक्तपरिखा
काकामसरूहुवा क्योंकि यदिपहलीरातको
कामहोता इनकोखबरविनातोकामहइमानी
मेंहोगा औरनुकसानकमहोगा। तिसको
खबरनामिलेऐसीफोजचुपचापसेजमाक
रणीचाहिये किलावालेकीनजसेंबाहर।
परिखाकीगारदऔरकामकरनेवालेकीम
ददसबसेनजीककूंमेंजावेगी कामकरने
वालीमददतजमाहोगी गणककेसामग्रीस्था
नेमेंबरताहथयार औरसामग्रीबाहररखीजा
वेगी उनकेवास्तेजिसमेकिलावालोंकोख
बरनाहोवेकीकुछनयाकामकरतेहेंवही।
गारदऔरविकटजोरातरातकोफिरतीहै
वास्तेकिलावालेकोकोअपणेकिलेमेंबंद
करणेकोउसीरातकोभीफिरेगा जिसवक्त
जैसावहरातवेरातफिरताहै औरवहपरिखा
कीगारदमेंभरतीहोगा उसीरातकेवास्तेजि

सव क्रूप ऐसा अंधेरा होता है जिसमें तिनको कि-
लेवाला नहीं देख सक्ता उसी वक्त सरदारगण
के और आवणे जाणे का रस्ता झाक लगाणेवा-
ले और यह लगाणी चाहिये वक्त जलदी से
परंतु वक्त बचाणे और जलदी करने से काम
में गलती न होणी चाहिये इस वास्ते सरदारग-
णके ने सोच किया होगा और तजवीज की हो-
गी तिनका परिखा को आवणे जाणे का रस्ता
ठीक बनाया होगा। जिस वक्त निसानी लगि-
उ स वक्त सरदारगणके परिखा की गारद अप-
णी जगा पर ले जावेगा। और असमल गारद अ-
थम परिखा से १०० गज पीछे लागाई जायेगी
और आवणे जाणे के रस्ते के पास पर। अगर
यदि मकाने से या उची जगा में रहा मिल सक्ती
है तो उसके पीछे आदमी लगाणे चाहिये रख-
णे के वास्ते। परिखा के आगे १०० गज पर म-
जबूत गारद लगाया जावेगा और उसके सा-
मने एक कितार निकट ऐसा लगाया जावेगा
जो उसके बीच में कोई आदमी नहीं जाय सक्ता
विगर खबर जिसमें गलती और बहाना ना हो-
य काम करनेवाले को खबर रहे जिनके साम-
ने गारद और विकट है। कितार लगाणे में नि-

उ.
२८ सानीवेरेविंहपरलगाईजातीहै यहनीसानी
वनतीहैकीलमें जिसकेऊपरआलीवाकाग
जवंधारहतीहै औरउनकीलोकेवीचमेंस
पेदनवारलगाईजातीहै एककीलसेंदूसरे
कीलतलक औरयहहेअसलनिसानपरि
खोखोदणेकों हरएकआदमीकामकरनेवा
लेएकवेलचा एकगेंटि एकफाउड़ीकाभारखु
कलेजाताहै यदिफाउड़ीकाभारउसेंलगजा
ताहै जववहचलेजाताहेअपणेकामपरत
ववहफाउड़ीकाभारउसकेथेपरलेनाचाहि
येजोउसमाणकीतरफहोवे। जवकितार
कामकीअछीतरहलगाईगईतवसरदारगा
णककीमदत सफरकेसाथकरनेवालोंकों
लेजावेंगीअपणीजगापरजिसपरकामकरे
गा औरउसजगासेंकामकरनेवालेआदमी
वांटेजावेंगे जवपहलाआदमीउसजगाप
रपऊंचताहै जिसजगापरवहमदतकोंका
मकरताहैवह पहलाआदमीउसजगापर
खड़ाहोताहै औरएकसफरउसकाफाउड़ीका
भारलेईलेताहै औरउसकोंपरिखोकेसत्र
में १८ ईंचआगेंलगाता औरदूसराआदमी
ऊपरआवतातोउसकाफाउड़ीकाभारइसीत

रहरखाजाता औरइसीतरहसंपूर्णआदमीलगा
यजावेंगे हरएकआदमीवेठनेहै अपणेकाधे
केभारकेपर औरइसीतरहसेंनिसानीरखता
उसडुकडेऊपरजोउसनेखोदणाहै । ऐसावंदो
वस्तकरनाचाहिये कामकरनेवालेऔरइन
कीगारद अपणीजगापरलेजावेगा निःशंक
सभमेंसीधाऔरइसानीरस्तामें यदिजरूरत
हैतो आदमीलगायाजावेंगे पेववालेलाल
टेनकोरोसनीकेसाथ ठीकठीकदिशादिख
लानेको लालटेनइसीकामकेवास्तेलगाया
जावेगा गोललकडीकेऊपर लोहकीचदऊ
पर इसेपडदादेजावेगा दुस्मणकीतरफ औ
रघरहसफरमेनाके छोटेअफसरकेपासजमाभ
रहेगा जोकिसीभलेआदमीकुसयारकेपास
जमारहे जिसकेऊपरविस्वासहै जिसमेंउस
कोकिलेवालानदेखें । खबरदारीकरणी
चाहियेलालटेनकीरोसनीकिसीचीजपरना
पडे । जवसभआदमीऔरसभमदनअपणी
अपणीजगापरठीकलगायागया तवआज्ञा
वाकादियाजाताहै जोकोइसकेतकियाजा
ताहैजोदुस्मणनहीदेखसका तवसभएक
दमसेंकामसरूकरना औरवहजोरऔरजल

टीमें खोदी जाना यदि किले वालों को खबर ना
होते विगैर सोर से काम करना और निसानी
वाला फाउी का जाइ ना लगाया जाता तो का
म इसी तरह चलता परंतु ऊछ और बंदोबस्त
करना चाहिये आदमी ठीक ठीक अंतर अलग र
रखणे। पहली रात को काम जरूर न हे जो
रात छोटी होतो अनुमान करो की काम सहू
होता ९ वा १० बजे कोई रात को गरम मोसम में
तब सायत पांच छे घंटा अधेरे में काम होगा
और कोई तीन घंटा सूर्यादय से पहले पह
ले रात के वास्ते सिरफ थोडा काम होणे की
उमेद रखते हे। पहिले खोदणे में हर एक आ
दमी के वास्ते पांच फुट लंबाई चार फुट चोडा
ई पहलि खोदे अनासब अनदाजा पहली रा
त को और यह हे उकसर सवा दोगज कम
और इससे कम कामना लेणा चाहिये चाहे
जिमीन कठिन हे वा नहीं हे यद ऊपर और खि
कउ नहीं हे जो मोसम सखत खराब नहीं हे
जो उस एण काम करने वालों को बखत रोक
रोकता नहीं हे तो यह हे बखत थोडा काम एक
क आदमी के वास्ते और वह आदमी आधा का
म करेगा एक घंटे में अपणी खुसी से अपणी

हामिलनेकेवास्ते पैसाथोड़ाकाममेंसिरफा
वकुतनगाजगामिलताहै और ..........
गाहैऔरकामकरनेवालेकेवास्तेजोहवे
केवक्तवहांआवेंगे अगरऔरजाहाजारलगा
याजातापहलीरातकोंकाममेंतोवकुतफा
यदाहोवेगा ग्रंथमेंलिखागयाहैकीपहली
पहिलाऔरआवनेजानेकारस्तापहलीरात
कोंबनाना हमयाकामकरनेवालेकोंऊठ
कामनारहातोचाहियेउसकोसफाकरना
औरसंधुणकेवास्तेपोडीबनानि वावनआ
कमणऔरमुहानकीकिलांवदीकेकामके
वाजेवक्तजिमीनतीनकिसममेंनकसीमहो
तीहै। पहलेहलकीजिमीनजोखालीबेल
चामीखोदीजावेगी। दूसरी जिसमेंचाहिला
दोकदि एकबेलचा पाने एकखोदणेवाला
दोवाहरनिकालनेवाले। तीसरी जिसमें
चाहियेएककदि एकबेलचा पाने एकखोद
णेवालाएकबाहरनिकालनेवाला औरय
हमालूमकरोसभमेंसक्तविगरऊबडऔर
पथ्थरके तीसरीअवस्थामेंहनआदमीचा
हिये पहलीकिसमसेंवहीकामकरनाएक
ही अंतरपरआदमीआयाखुदाईकरेगा ए

३.
२२ कआदमीराजदार। ९ घंटामें हलकीजिमी
नकोदसबारहगजखोदेगा ओरबाहरनि
कालेगा। एकछरीपरिखादशफुटचोडीती
नफुटऊंडी ओरपांचफुटलंबाईएकआद-
मीकोंसिरफउसकेअथासेकम पानेसारा।
पांचगजसेकुछज्यादा ओरयहचाहियेक
रनाहलकीजिनेमेंपहलीरातकोइसमानी
से पानेओरओखीजिमीनमे जिसमेंवा।
जेवक्तगेंटिलगाएचाहिये परिखाआठ
फुटचोडी जोसाराचारगज सायतएसा।
करसका। यहदोनोमेंपहलीरातकोएक
वनानीचाहिये यदि कोईरोकनेवालीवा
तनहोहेजोमुस्कलअवस्थामे रातमेजो
विशेषघ्योडे दिनकेआगें आदमीयोंनेजरू
रतसेंसंयुक्तएवालीजगाकी ऊपरवाली
पोडिमफाकरनी कोई ९ ईंच परिखाके
आगें ओरवनारेकेसिरेनीमेकरने ओरदो
नोअवस्थामें मिटिरूपआगेंसटनीचाहिये
जिसमें ओरमिटिसटनेकेवास्तेजगाबच
जावे तव जोआदमीदिनमेंकामकरनेंको
आवेंगे सोउसएकेसंयुक्तएमेंनहीउठा
लेजावेंगे यदि फोजखरूपअकीतरहसेंसम

रुती और आगेके अभ्यासमेंकामकरती
और समझतीकी इसकाममेंकितनाफा-
यदाहै तबयहतमामवंदोवस्तइमारतीमेंब
नजाताहै। कोईआगेतकहानिकेवास्ते
जोकमआदमीलगाते तमामदिशामें ह
मेंसा इसकेवास्ते एकबीसमाहिसा आ
दमीजोदेलगानेचाहिये औरयदियेहफा
लतूकमहै प्रधानअध्यक्षजोपरिखाकेउ
परहै उकमदेताजोहैआदमीविकटमें
जोकहमेंतियाररहतेहै कामकरनेवा-
लाआगेसेंलगायाजाता पानेपहलीप
रिखापरफेलायाजाताहै और आवनेजा
नेकेरस्तेपरजिसमेंयदिआदमीकमहो
वें तावहपीछेंपरकमहोवें उसमाणसेंहर
औरउधरइमारतीमेंपहोचसक्ताहै जब
रतवाजीवाजीजगालंघनीहोगी जोहम
रेंकाममेंमुस्कलहोगा औरजिसपरचा
हियेजोदेहिकमत औरजोदेचतुराई
पहला शहरसबनाली लश्करबनाली यहनही
वंदकरणीचाहिये और इसमेंतरकाकेसा
थवंदोवस्तकरणींचाहिये खुलारस्तापा-
णीकेवास्ते नहीतोपीछेयहखोलणाहो

३.
२४ गावकूनमिहनत औरमुस्कलमें हसरासउ
क औरसाथतफरसवालीसडक तोसरा म
कान दिवाल खाई इत्यादिकहोवेंतो पेसी॰
जगापर थोडासा सफरमेना औरउनके
साथजोऊसयारआदमीकामकरनेवाले
है सोलगाणेचाहिये उनकेपासहथयार
औरसामग्रीहोगी औरउनकोमालूमहो
गा कि पसीकठिनजगाकिससूरतसेल
येनीहै जवतसामजिमीनपथरयाऊप
उजाचिकउहै नवपेसीजगापर आक्रम
णकाकामनहीकरसकेवलवानुडुस
णकेसामने पेसीजमीनछोडदेणीचाहि
ये औरउसकेडुपरवैटरीलगासकेहै यह
मिटिवेगराहसरीजगासेंल्यावनेहै यह
पेसाकामथोडाहै परिखा गहिरीनहीखो
दसके तो परिखाऔरचौडीवनानीचाहिये
यदि फाडीके दोभार पककेडुपरहसरा
खलिकाकारमेंलगायाजावेगाचिकउ॰
किजगामें वहकोईकाममध्यमेगा ।
प्रधानाध्यक्ष औरगारदजोपरिखोमेंनोक
रीकरतीहै २४ छंटे औरइनकीवदलीहो
तीहैदोप्रहरकेवक्त गारद पलटनेवेपल

टनेसे आवती है और चतुरंगसेमसेंमनही
आवती है कामकरनेवाला नौकरीकरता
वारहघंटा औरदस्तूरउनकीवदलीकरनी
छेवजेसवेरे छेवजेसामकों औरयहनौक
रीहोएणचाहतीहै कंपनीवेकंपनी औरअ
छाहोगा यदि पलटनवेपलटनसेंहोतीतो
औररलामिलासेन्यवितुसेंकवीनहीहोवे
औरआक्रमणकरनेलीफौजयदिवहुत
है आक्रमणकेकामकेअणदाजासेंजो
करनाहै कामकरनेवालाको औरजल
दीवदलीकरनी वहुतफायदाहै औरका
मऔरजलदीसेंहराहोगा कोईवंदोवस्त
सेंकामकरनेवाला तीनवक्तवाहरहोगा
एकवक्तकामकरेगा पानेवारहघंटेकाम
करेगा तोउतीसघंटेछुटीपावेगा गणक
औरसफरमेंना औरउनकेसाथकामक
रनेवालाकों चौवीसघंटोमेंतीनवक्तव
दलीहोवेगी औरउनकीवदलीकावक्त
भिन्नभिन्नहोगा औरइनकाहालवहुत
अछाहोगा यदि इतनेआदमीरनकेहै जो
मेंइनकेवास्ते एकवारकामकरनाहोगा
औरतीनवक्तकामकरनाहोगा जवकाम

करनेवालाकोंकमनिरखमहूजवमिलता
जोअनदाजासेंमिलता तवठीकबुटीमि
लनीचाहिये जिसवक्तइनकाकामखराहु
वा इसवंदोवस्तसेजादाकामहोगा तवआ
दमी औरअछीतरहसेंदिलखुसीसेंकाम
करेंगे येसानहींहोगा यदि वहआलसी आ
लसीकामकरतावारहघंटोमें। औरफायदा
होगा यदि यहआदमीपरिखाकेवाहरनि
कलजातेहैं नयेआदमीआवणसेंपहले
उसवक्तसफरमेंनाऔरउनकेनाथवहथ
यार औरकामउकस्तकरसक्तेहैं औरको
ईकामजोठीकनहींहै औरजोसरानहींहु
वा जोंउसगणकेनजरमेंरहगया उसकोउ
रुस्तकरना यहहैयेसाजरूरतनोजवआ
दमीवक्तवेवक्तकामकरतेहैं औरनिरख
परजोंअनदाजापरनहींकरता तवआद
मीजमाकरनेचाहिये औरवदलीकरनी
चाहिये नयेआदमीयोंके आवणसेंआया
घंटापहले। यदि कामकरनेवालाकेसा
थहथयारहै उसगणजववाहरआवता
तोउसकेसाथलड़नेकेवास्ते तवउनकों
विलकुलहकमददनहींमिलनेचाहिये प

रिखोसें वहसिरफकाममेंउठजायगा
बदलीकेवक्तनवयहफौरइधरउधरचला
तीहे परिखोमें इसेसांबाहरजानेवालाखि
ज़्हाेजाता औरभीतरजानेवालाकोंलेघ
जानेदेता यदि परिखोखोलणेकीखबर
किलावालाकोंमालूमहोता सवेरसामके
वक्तऔरवक्तमें युद्धणापरिखोपरकरना
नवसिद्धिनऔरदिलसेंकामजोरसेकरस
कैंहे वेगेर इतनाउगमानकेजोपसेसं।
युद्धणमेंमालूमहोगी। वहीखवरदारी
औरवंदोवस्तगणककोंकरनीचाहिये विं
हऔरकिनारठीकलगाणा औरकामक
रनेवाला औरगारदठीकलगाणीहे संप
णिवंदोवस्तसें औरफरकनहीहे सिरफ
जिसवक्तआदमीलगायाजाताहे हरप
कआदमीउसीवक्तकामसुरूकरताअप
णेरहणकेवास्ते पेसेरातकेकाममेंजरू
रतऊबगलतीपडेगी औरऊबकामरहे
जायगा तवबाकीकेसपाहीनोकरीमेंआ
जावेंगे औरसफरमेंनाकेसपाहि औररन
केनायवठीकठीककामकरेंगे नोकरी
औरआदमीपरिखोमेंकमतिकरनाअवद

स्ताहै कामकरनेवाला आदमीयोंने अप
णे हथ्यार और अलंकार साथले जाने
और गारदकों मदतदेनी जवकि लेवाला
वाहर आवता लडनेकों लेकिन यह है वकु
त औखा हथ्यार और अलंकार परिखो
कीउरलीतरफ रखो जाता है सायत उग
मान खोयगा जवकोई लडाई होती है तव
मुस्कल है यह आदमी जमाकरने वहगा
रदके साथरलजाते है और इससे रौलाप
डता है और मुस्कल है यह आदमी अपणी
जगापर फिर ले आवणा तत्कालमें विसे
षकरकेवास्ते कामकरनेवाला जो पह
ले परिखोमें जिमीन खोदता है वह वेगेर
हथ्यार जावे वह भुकले जाता दो खोदणे
वाले हथ्यार और एक कडीका भार इसवा
स्ते उनमें नियमके अनुसार कामलेना चा
हिये और उसवक्त वक्त दफे डरुमणवाह
रनही आवता लडनेकेवास्ते । यो सबके
वक्त कीवदलीकों अपणे हथ्यार साथले
जाणे वह इतना औखा नहीं होगा क्योंकि
खोदनेवाला हथ्यार और सामग्री थोडी ले
जाणी है और वह और अछीतरह से अप

णेहथ्यारकीखबरद '' करसक्ताहै और
सायतइनहथ्यारोंकेवास्तेकामहोगा दिन
में । दुर्गस्थोंकेअभिषेणनकावर्णन । सर
दारनकाआक्रमणमें अभिषेणनजोहोता
२५० गजतक पानेहूसरीपरिखाऔरइनकी
बेहरीनक सिरफवाजेवक्तआक्रमणकर
नेवालोंकावऊतनुगसानकरेगा यद वह
गाफल औरबेखबरदारीनहीरहता और
उनकारनकावंदोवस्तडुरुस्तहै । किले
वालेकोंअभिषेणनककरनेमे एकफाय
दाहैकीजोअंतरउनकोलंघनाहै सोथो
डाहै किलेसेंनिकलना औरआक्रमणवा
लोंकेपासपऊचना यद आक्रमणकरने
वालागाफलहै तोबेखबरइनकेउपरआव
नेहै लेकिन परयहफायदानिस्फलहोता
है यद परिखावालाइससंभावनामेंरहता
है औरखूपसमझता किकोणसावंदो
वस्तकरणाचाहियेअभिषेणनमें जब
फरासीसलोकसेंसेवष्टनकेआक्रमण
में एकदोअभिषेणनऊबफायदानाल
किया एकपरिखापरजोकोई २०० गज
किलासेथीनवगारदजोनेमीजगापरथी

उसनेहुकमपाया कि परिखाकीउरलीतर
वैठना औरउनकेहथियारउनकेपाससेहू
सेरे अभिशेणनकेसंभावनामें औरउनको
हुकमथाकि किलेवालाजिससवकनज
रआवेउसवक्त उनकेसाथहंठद्धकरना
औरयहकाममेंसाउवाथा औरअभिशे-
णनकरनेवाला एकवारगीभीतरभगता
या लडनेसेंविना औरफेरअभिशेणन-
कीकामसननहीकिया। अभिशेणनमें
यहफायदाजोसमझता वहकिलाके
संधुत्तणसैंरलकपावता लेकिन् अभि-
शेणनकरनेवालाकुछहरवलाजाता औ
रजववहलौटआवता तववह आक्रम-
णकरनेवालासेंजादातुगसानखावेगा
उससंधुत्तणमें अभिशेणनकरनेवाला
कोंयहभौखाहै याहानीकरनेवालाहै
पहला वहजातालडनेको इनसेंजादा-
फौजकेसाथासायतवहुतजादे साथार
णनियमयहहैकी परिखाकागारदकि-
लावालाकेफौजसें तीनचौथाहिसा औ
रआटमीइसअनदाजामेंसिरफकिलेवा-
लाकवीकवीभेजसक्ताहै औरसायतक

वीनहीभेजसक्ता अभिशेणनकरनेवाला
हमेसांकमजोरहोगा। दूसरा वह अपने
दिलमेंमालमहोताकि आखिरजोरसेंपीछे
हटायाजायगा। सिफरसंदेहरहताहै कि
कवहटजाएगाहै उसवास्तेपहलेजोरवाले
आक्रमणमेंवहआपहटजायगा। तीसरा
वहजरूरतलोटजायगाकिसीवक्तऔरकु
छरौलामें उसवक्तवहजरूरत वडानुगसा
न खोवेगा। चौथाजोकिलेवालाकानुग
सानहोता वहदूसरानुगसानहै क्योंकि वह
बाहरसेंकुछभीनहीलायसक्ता। औरपा
रिवालाजोचाहेसोबाहरसेंलायसक्ताहै
यह नुगसानबराबरहोनादोनोंकातोफा
यदादेहआक्रमणकरनेवालाकेसाथ। य
दि किलेवालाअभिसेणन करनेसें आ
क्रमणकरनेवालाकीतोफकीबेहरीसिरफ
थोडीदेरीकेवास्तेपकउसका तोडनके
वास्तेवहुतफायदाहोगा परयहअभिशे
णनमेंकवीकवीहोसक्ताहैवडाकिलाके
आक्रमणमें। समभैंवडीकोससहोती
अभिशेणनमेंउसकामपरजोमूसानहीहै
औरयहसायतफायदादेवेगा यह वहका

मवज़ाहै और मदत देनेवालासें हारेहै पर
शिरफ थोड़ी देरी के वास्ते कोई परिखा पक
ड़ जाती जो अख्तर किया गया मृत्तिकागर्भ
करंड के साथ तो बहुत दिगत और जगसा
न आक्रमण करनेवाला कों देवेंगा बहुमृ
त्तिकागर्भकरंड गिराया जाता परिखा में
और काटा जाता फेर बहुत मुश्कल सें नि॰
काला जाता और इससें आक्रमण का काम
रुक जाता पहली परिखा का गारद खोद
णेवाली जिमीन पर इसी तरह सें बांट जा
यगा जैसा आगें लिखेंगे। तमाम गारद ज
मा होगा साफ कितार में आवने जाने के र
स्ते के विच में और उसके पार्श्व पर कोई १॰
गज परिखा के पीछे और उनें सें बलवतर॰
सेमंखड १॰ गज परिखा के आगें लगाया
जायगा और यह भी जमा रहता एक कित्ता
र विकट जों संतरी और १॰ गज आगें लगा
ये जावेंगे। यह विकट हमेसां ऊसपार रह
णा चाहिये और उनकों अपणें हथयार
अपणें पास रखणा चाहिये वाजे वाजे वक्त
अपणें कान लगाणा चाहिये जिमीपर और
दरयाफत करणा चाहिये की दुस्मण चला

आवता वा नहीं आवता। यह एक दो आद
मी खुले आवते हों वें उस मणें सें दरयाफत क
रने को तो उनको लख़ने देणा और उसकों
चुपचाप सें पकड़ लेणा औरों वा लोगा रहह
में सां ठीक तियार रहणा चाहिये कोई अभि
शोणन वाला के साथ लड़ने कों एक वार गी
में और साथ न वहउन कों पीछे हटाय देवें ग
यह वह वक्त मजबूत नहीं है और ऐसा
होणा उस वक्त संभव नहीं है जो गारदपी
छें जमा रहता मदत के वास्ते वहउ कट अ
पणे हथयार के पास जमा रहणा चाहिये
और नहीं फिरना चाहिये उस कि नम सें जि
स में उनको खड़ा होणा होगा यह समक
णा चाहिये साधारण नियम रात और दिन
के वास्ते और हरवक्त आक्रमण करने के वा
स्ते तमाम गारद जिमीन पर पड़ा रहता है
सिरफ बिकट और वह एक जानू पर बैठ
ता जो किसी ओर जरा ह तियार उठ खड़े
होणा लड़ने के वास्ते यह वक्त में खुतण
होता कि लासें तो हमीन रहरा हणा चाहि·
ये जितनी देरी वह संयुत णकरता है
न वदिन निकल गेल गान वयहर तणक

उ.
२९ 29

रनेवाला परिखोमें खड्डा होगा और इसतरीप
रिखा बनानेमें इसी तरह रक्षण होगा अभि
षेणन हमेशा ऐसे करणा चाहिये संगीनके
साथ और यदि परिखो तैयार है और अभि
षेणन होता है दिनमें तब उसको रोकणा
नहीं चाहिये परिखाके बनारे पर गारद
केलोगोंसे ऐसे सामिरफ संतरी परिखोमें
खड़ारहता है खबर देनेके वास्ते जब दु
श्मण चला आवता है यदि कोई और आ
दमी बनारे पर लगाणा मनजूर है वास्ते यु
द्धरणा करना दुश्मण पर जब वह चला आ
वता वह अलग२ कर रकरने चाहिये औ
र उसीकाम के वास्ते सिखाणे चाहिये स
मसे जादे आदमी पीछे जमा रहणे चाहिये
अकडे दुश्मण पर संगीनसे दौड़नेके वास्ते
वाजे वक्त आगेवाले काममें संयुद्धण क
रनेवाला ‥ गाया जाता है किलावंदीपर
संयुद्धण करनेको वह बेशक संयुद्धण
करेगा अभिषेणनके सामनेपर यद्यपि
वह असली इसकामकके वास्ते नहीं रखा
गया है। इसतरहसेंको समकरणी चाहि
ये खड़े होने और चलनेमें जैसा अभिषेण

नकेपासपरलजसकेगा यदि वहसचला
है औररहरसें चलाआया इसीतरहसेंआप
दवहसंपूर्णयाऋरूपकेउजावेंगे यदि
यहनहीहोगा वहऔरजलदीपीछेहटा
याजावेगा औरइनकाजादेउगमानसंभ
वनीयहोताहै कोईमजनूनअभिशोण
ननहीहोसक्तायोपरिखोनिजीकहैतो
सिरफपार्श्वसें आगेआवना जोआक्रमा
णकेपार्श्वकेनजीकहै इसीअवस्थामेंअ
पणापासमामनेहोगा उसवेहरीऔरकि
लावंदीकेजोपिछाउींमेंतियारहैइसी
कामकेवास्ते खिबरदारीकरणीचाहिये
किगारदअभिशोणनकरनेवालेकेपीछे
वक्तहरनहीजावे औरजादेदेरीवाहर
नहीरहणेदेना नहीतोवहवक्तवेजरू
रतउगमानखोवेगा दुस्मणकेसंमुखण
में कामकरनेवालेके कामकाइंतजाम
करनाअभिशोणनमें औरमुस्कलहैगार
दकेइंतयामकरनेसें अभिशोणनवक्त
वक्तहोताहै सिरफऔररोलाकेवास्ते रा
तकेवक्तविशेषकरकेहोताहै हरअवस्था
मेंकामकरनेवालाजमाहोगा खिजाहोगा

उ.
१. गारदकोंवचानेवालाकेपीछे यदि इन-
30 केपासअपणाहथयारनहीहे वहखबर
दारीकरेगा औरउनकेहथयारअपणेसा
थलेजावेगा यर इनकेलड़नेवालेहथ
यारइनकेपासहे तो औरहथयारसंभव
नीयनहीहे दोनोअवस्थामेंवहगारदकों
हमरावचानेवालाहोताहे यदजरूरतहे
तोवहआगेंजातालड़ाईमेंगारदकीमद
तकेवास्तेदोनोअवस्थामेंवहलौटआव
ताअपणीजगापर जवजिमीनदुसमण
सेंसफाहोतीहे औरवकूतमिलितनसेय
हजलदीऔरअछीतरहसेंहोताहे ॥
रातकेकाममेंजिसमेंगलतीऔररो
लानाहोवे कामकरनेवालाकोंअछी-
तरहसमझनाचाहियेकी इनकेआगें
ऊवगारदहे आगापकाध्यनपरिखा-
कीगारदकासमझकामकी औरआवने
जानेकारस्ताअछीतरहमालमहोणा-
चाहिये और हरएकतरहसेंइनकेरख
णकेवास्तेवंदोवस्तकरणाचाहिये
तीसरीपरिखाऔरवहकामजोउसकेआ
गेवतानेकेवक्तवकूततरहसेंअभियोण

न खौफ और अधिक देवेगा । १ किले वा
ला वलवत्तर जो उत्साही होवे २ किले से सं
युद्धण को कमती करने को वास्ते उपायों
का अवलम्बन अथवा आक्रमण के सम्मुख में
विशेष कर के गूढ मार्ग में संचार करने हुवे
और समूह होते हुवे सैनिको का घात करे
कने के वास्ते सामान हैं व रहे । ३ यदि मेरा
तिर्यक संयुद्धण जो मेहूक स्तति संयुद्धण
जो कोई और संयुद्धण कम होएगा जो थो
डी देरी का रोकण होता है नया आवने जा
ने का रस्ता वन्ता ने से जो वेटरी आगे वना ई
हुवी छपावते हैं जव तलक यह कामतिया
र नहीं है तो फरावणे के वास्ते ३ न अवस्थाओं में
थोड़े आदमी रस्तक मार्ग में वले आवते हैं
वहुत वक्त और काम के सिर पर लडेगा और
सफर मैना और और काम करने वाला का
नुकसान पडेगा और थोड़े चिर में वहुत नु
गसान करेगा उस काम का जो काम स्थान
ही है क्योंकि परिखा की गारद को जमा होएण
के वास्ते कोई जगा नहीं है और वह दुस्मण से
आक्रमण पावता अपणे पार्श्व पर और वह ज
लदी लोट जावता अपणे रस्तक मार्ग कों पेम

३.
३१। नियमकोंमिलना याने पेसालूटनेकोंहक
करकरना बहुतशीघ्रतां और निश्चयचाहिये
औरगारदकेअंगकाटुकडाजितनाइकठा
रखसकेरैंउतनाइकठारखणाचाहिये और
वहहीकषिप्तितमिलनाचाहिये हमेसाति
याररहना औरउस्मणकेउपरएकवारगी।
संगीनसेलडना बहुतहोगा
दोतीनप्रयत्नपर यदि वहतेजीसेरोकोजा
नाउगमानकेसाथ तो पसाआक्रमणव·
ऊतदफेनहीहोगा नहीतो यदि वहऊब
फायदेनालआक्रमणकरतादोतीनदफे
तोउनकादिलबधजावेगा औरपरिखाव·
लाकादिलघटजावेगा औरइसमेंआक्रम
णकाकामठण्ढाहोजावेगा औरवेहोवस्त
उलटाहोवेगा। योकिलावालाकीपसीम
रजीदिखाईदेतीहै तेजीसेलडनातोसायद
जरूरहोगा आधीपरिखावनानी जेसानक
सापकमेंलिखाहै जोटुकडाजोटछाआव
नेजानेकेरस्तेकेकोणपरगारदकोजगारेण
औरजमाकरनेकेवास्तेनजीकऔरफाय·
दवालीजगामें। औरजोदाखवरदारीके
नालपोशीवनारेणीकीवणानीचाहिये गा

रटकों बचनेके वास्ते अभिशेषणवालेके सा
थ आक्रमण करनेकों नकसा. २ पत्रे. २
अभिशेषणकों रोकना जैसा काम करनेवा
लाका काम बकूत अभ्यास चाहिये ३ इस अ-
भ्याससें बकूत काम होगा सपाही और अप
सरकों हरबातमें अपणा काम खूब मालम
होगा अस्त्रस्थानका ध्यान करनेहे पहला
अस्त्रस्थान बन जाता है कि लोकेंसंरक्षण
को कमती करनेके वास्ते और लगाया जा
ता ४. गजपहलीपरिखाके सामने यह प
हृतिर्यकसंरक्षणके वास्ते एक तोफ ला
गाया जाता ठीक एक रेखामें उसके सन्मुख
पार्श्वरक्षक मार्गके कनारेके भीतर कीरे
खा जिसकों तिर्यकसंरक्षण करणा और
बाकी की तोफ इन कीरेखाके साथ लगाणा
है एक अस्त्रका स्थानके वास्ते परिखासें
रक्षकका आवनेजानेका रस्ता और खरख
का सामग्री स्थान चाहिये । दस्तूर है यह
सहूकरना परिखाके दूरा करनेमें एकरा
नपीछें और खपखवरदारी करनी की
यह ठीक मार्गमें लगाया जावे जिससे उस
सें बराबर काम होगा यह हमें मांइसान न

उ.

३२ होहै जिसकिलाबंदीमेंतिर्यक्संयुक्तणका
प्रतिरोधकरैहै। यह आक्रमणकाकामऔर
जिसीनपेसीहै जैसीअवस्थानकेसाधक
होगीऔरकामदेवेगी जबपरिखाआगेब
ढतीहै औरजबतुरस्तनही औरबनानीदूस
रीपरिखाकेसामनेयहबकूतफायदाहो
गा। १इसवास्तेकामऔरइस्मानीऔरज
ल्दीपूराहोवेगा। २ सामग्रीऔरहरची
जजोजब्तुरस्तहैऔरइस्मानीअवस्थानप
रपहुंचेगी। ३ उसकामकेवास्तेअंतरअ
ल्पहै। ४ गलणदाजपेसीआकस्मिक
मारकमतीखोवेगा। ५ अवस्थानऔर
पीछेहोणेसेअभिशेणनमेंरतकमेंहोगा
जबसेपहलीपरिखामेंआदमीलगायाग
या तबहरतरहसे कोसिसकरनीरातऔ
रदिनमेंतिरछा आवनेजानेकारस्ताबढा
चाहिये दूसरीपरिखातलक यहतिरछा
आवनेजानेकारस्ता प्रधानआवश्यकता
यहहै। १ वहबिलकुलरक्षकहोणाचाहि
येकिलाकेतिर्यक्संयुक्तणसे। २ वहब
णनाचाहिये दोतिरछीरेखाकेबीचमेंजो
पीछेकेअवस्थानकासंयुक्तनहींबंदकरेगा

वहकिलाकेप्रधानकोणकीरेखापरला-
गायाजावेगा जिसकेपासवहजाता और
वहतिरछीरेखाउसकामकेनिर्गमकोण
औरविंदुकेबीचजोपहलीपरिखापरहै
२. गजप्रधानकोणकेसामनेसेंदोनोंत-
रफ। दूसरीपरिखाकाध्यान। दूसरीपरि-
खाकासामान्यावस्थामें ३. गजरेखकमार्ग-
सेंबनतीहै औरखुलजातीहै एसेंबदोवा-
लोंकेवास्ते जैसापहलीपरिखाकेवास्ते
हमनेध्यानकियेहै क्योंकि उसअंतरपरजो
रेंसें जोरावरीसें लगायसकेहै बहुतनुक-
सानविना परंतु नोग्रहुआहै मट्टिकागर्भा-
करेंउलगाण अगरलगायसका क्योंकि
किलावालासघुलणउसजगापर औरसा-
धकहै औरकामकरनेवालाअपणारक्षण
बनानासहकरताहै जिसबक्तबहउसबक्त
लगायाजाता। आवनेजानेकारस्तापीछे
केकामसेंउसीवक्तबंदकरनाचाहिये।
यदि अग्रस्थानकिलांबंदीकेसाथलउनें
कोंजरूरतसेंलगायाजाता वहांभी ५. गज
लगायाजाताउसकेसामनेजैसाध्यानकिया
गयापीछेकेवास्तेसाधारणमेंयहध्यानबी

उ०
३३ लेनेचाहिये जैसाआक्रमणकाकामकिला
केपासहोता उसअवस्थामेंकिलावाला
केमनकेजोगउसपरलगायाजाता और
यहऔरसंयुत्तणकेकारणसेहैं किलाबं
दीपरजोछिपीहैसोकरसकापीछेसे इसी
तरहजबआक्रमणकरनेवाला दुर्गबहि
र्भागप्रवणभूमीपरहै वहकुछटालनाक
रेगा किसीसामानकामको जोपहलीऔ
रदूसरीपरिखामे औरउनकेआवनेजाने
केरस्तामेंहोताहै जैसाकामआगेवउता
कुछबंदोबस्तजरूरतहोगा परयहकडा
होगा पहलाकामठीकसरसतेमेंराखणा
उनकेरुकानेकाबंदोबस्तइसेसेटाल
करना। किलाबंदीकेतोडनेऔरकिला
कासंयुत्तणबंदकरनेकाध्यान। आक्र
मणकाकाम २० गजसेनजीकनहीकर
सके कोईकिलाजोआखिरकाविचारहै
यदि बंदोबस्तनहीकरसका उसकासंयु
त्तणंबंदकरनाजोवकूतकमकरना नाको
ससकरसकाछिद्रकोजबरदस्तीसेलेजा
नेकोंजिसकेऊपरपार्श्वसंयुत्तणहोता हा
नीकावजांसदेहकेबिना औरकरीवयकी

नहींवडानुगसानपडनेके। इससेंसबवव
झतेहैं उनकारक्षणतोडना औरअच्छाहैय
हैनियमकोंमानकरना इसवास्ते जहांज
रूरतयहनहींहै यहकामकानियमानुष्ठा
नछोडसकेहैं एकइसबातकाबडाउदाह
रणहै कीडदाईसोब्रीगोंकेआक्रमणमेंज
नवरीमहीनासाल१८१२ में जिसतरफ
किलाकाआक्रमणथा उसतरफएककि
नारशूलिकोटकीथीजिसकेभीतरकी
तरफएकीवनीऊईथी उसकेगिरिदस
मेंएकऔरछोटाशूलिकोटजोभीतरकी
तरफएकाकियागयाथासाथपरिखा
औरजिसकेवाहरकीदिवालनीचेथी औ
रवहवेपाछकीकिलावंदीथी औरदोनो
शूलिकोटवाहरसेंपरतलकनजरआव
तेथे एकऊचीजगहसेंपांचछेशतगजऊ
तरमें वलकआक्रमणकरनेकोथोडाथा
जवतलकएकफौजआवतीथी किला
वालाकोंमदतदेनेको। इसवास्तेमतल
वथाकि एकछिद्रआदमीलचेनेलायक
वनाना वडीतोपकेसाथथा औरफेरएक
दमजवरदस्तीसेंलयजावें विनाक्रमसें

उ·
३४ क्रमसें एक ढवना समान रखना नही । २८ तो
फवारह से रगोला खाने वाली उस टिबी पर
लगाया गया अवस्थान में इसी काम के·
वास्ते और छिद्र बनाने लगा रहा जब तल·
क छिद्र बन गया बिना ताल करने किला
के संरक्षण का और उसमें ताफ और आद
मी वक्त थे फरासीस का गण कथे आक्र
मण बाइस बात में लेकिन अच्छे नियमों सें
यह आरम्भ किया गया किला के संरक्षण सें
यह छिद्र का मन नहीं रुका मन मान ही थी
आक्रमण का काम किला के नजीक ले जा
ना यद्यपि एक छोटि परिखा वक्त मिहन
त सें और मुश्कल सें एक बीच वाली टिकी
पर बनाया किला से कोई २०० गज छिद्र के
पार्श्व पर किला वाला नही लड सका इस·
वास्ते मतलब में कुछ जरूरत नही था
किला वाला के संरक्षण के साथ लडना
और कोई बंदोबस्त और सामग्री कम होती
ऐसी बात सिरफ कभी कभी होता कमजो
र किला बंदी सें और कमती वक्त सें ।
आक्रमण की समान अवस्था में वक्त ज
रूरत है ताल करना किला का संरक्षण क

मतीकरना औरसामामध्यवहारमें आक्र
मणकेकामकाफलवावतपकीनफलजा
फतेहोण वावतनुकसानकरना औरवा
वतवक्तलगाण उसकाममेंआप्तिहोगा
ंदेवक्तपरजोइसकामपरलगायाजाता
यदि वहवक्तहै औरउसपरीसेंलगाया
जाता तोगणककाकामनलही औरइसा
नीसेंहोगा मालमहोगा कि कैसासाथ
कआक्रमणकरनेवालाकासंधुहणहे
णचाहिये जवहालकरनासभसेंछोटी
तोफकासंधुहणपहिवाकेसिरेपरउस
कासमकामवंदकरेगादिनमें किलाका
संधुहणवंदकरनेकाउपाययहहै । १
यलिकोटऔररहणकेमार्गकीरेखापर
तिर्यकसंधुहणकरना तोफऔरमारटरसें
२ मंडूकल्तिसंधुहणसाथतिर्यकसंधुहण
३ सीधासंधुहणवनारेकेतोडनेकेवास्ते
४ वंहूककासंधुहणगोलनिर्गममार्गपर
५ पथरफेंकनेवालामारटरवातसाहीमा
रटर औरकोहानमारटर सापा ५ इंच औ
रचर २ इंच जववरूतनजीकहै । तिर्य
कसंधुहण । जोरेखानंगीहैतिर्यकसंधु

३·
२५ त्तणकोपरीभरीकर्ईनेफसैत्तणमाबनइ
से इसमेंरहनेलायकनहींहैं इसवास्तेकि
लांवटीके पहलेडरु स्तीवस्थी की का
मपैसाबनायागया जैसाइसके अंदरकी
तरफनजरनहींआवे इससेवहरास्तकतें
थीगोलासेजवतलकआवनसारुवनें
सेइकस्तितिंसधुत्तणनिकाला यद्यपि
कोईरस्तकनहींथामारटरकेतिर्यकसंधु
त्तणमें नउसवक्तनपीछे जवपहुंदेकी·
दिवालवनाईगईतिर्यकसंधुत्तणकोवं
दकरनेकेवास्ते। मारटरकातिर्यक
संधुत्तणनेमीवेटरीपरबडाउगमानक
रनेवालाहोगा जहांकिलांवटीकेसाम
नेजोअक्कारत्तककियागया हरएकगोला
परजांपार्श्वपरजोछूपाएचाहिये एक·
तिर्यकसंधुत्तणकरनेवालाअहस्थान
लगायाजाताहै। सिरफवाजेवक्तअवस्था
पैसीहोतीहैजवतमामसामनेपरिवोसे
गिरउिसहोताहैजिसमैंसाधारणतिर्यक
संधुत्तणहोसका लेकिनवाजावक्तपेसा
है और वहुतफायदाउसमेंहोताहै। ए
सीजगाहोतीहैदरयावकेकिनारेपराकि

लाकेसामने औरउसपरअस्तस्थानला-
गयाजाता तसामसामनेऔरउसकीरे-
खापरतीर्यक्संयुत्तणकरना औरउस-
में अलगकोणपर तिर्यक्संयुत्तणहो-
ताहैउलटा। यद यहफायदावालीजगा
मिलसकी और अस्तस्थानभीलगायसा-
काटिवीपर जिससेंकिलाकेभीतरनजर
आवे यद्यपि अंतरहरहै १२°° वा १५°° गा
ज जैसासेंसवेहिपनसेंपैनकेमुलखिसे
थातोकायदावऊतजादेहोताहै। दूसरा
मंडूकलुतिसंयुत्तण यहतोफकासंयु-
त्तणवेरदककीरेखापरवऊभयानक-
है औरयउदेकीदिवालउससेंथोऊरदक
देतीहै उसकेभीतरकाकोणवऊतखरा
वहोतागोलासें और ंवगोलकेफटने-
मेंपेसाऊगसानहोता जैसानासकरने-
वालीसरऊ.सेंहोताहै औरवहलगायाजा-
तातिर्यक्संयुत्तणमें इसवास्तेजोसिरफ
टोनोमेंथोऊहैजोसायकनहीहै मंडूकलु-
तिसंयुत्तणतोफखानाकेकाममेंसभसें
महीनहै औरवऊतसितिनचाहिये गोला
और ंवगोलाजवजिमीनपरलगतातोउस

कारस्ता मुल्क लमें दिखाई देता है ३ मवा
स्ते इस संधुत्तण का ईनयाम करना मुल्क
लहै और स्वाहिये ठीक रस्ता लगाणा औ
र ठीक ऊबाई और ठीक अनदाजा व हू
द यह तीनो चीज रला और यह नही हो
सक्ता विना गुलाणदाज सें जो यथार्थ।
शिक्षित होवे। ३ तोफखाना का सीधा सं
धुत्तण बनाने नाम करने वास्ते। आखिर
आक्रमण को बनाने जो सामने है जिस
पर पीछे का संधुत्तण था बिलकुल ना
स हो जावेगा। २ यसीधा संत्तण के वा
स्ते जितने नजीक अस्थान है किला कों
इतना अच्छा है जब बोली सीधा संधुत्त
ण किला का तोफ और किला बंदी पर
लगाया जाता वह कबी नहीं बिलकुल
नास हो जावेगा सिरफ छोटी तगजणा
में जैसा पक पार्श्व पर और साथ बलव
नर सार्वकालिक संधुत्तण बकुतछो
टा अंतर सें। ४ वंदूक का संधुत्तण जब
वंदूक का संधुत्तण ने ज और आछीतर
ह से लगाया जाता किला के गोल निर्गम
मार्ग पर २०० वा ३०० गज अंतर सें तोफ

कासंधुक्षणशेकाजाताहै और वाज्ञिवक्त
बिलकुल बंद होता है। कोई आक्रमण फ
रासीस का सैन्य के मुलक में प्राणा कि
ला पर बिना निर्गम को आके बाहर का कि
ला बंदी रफल के सिपाही और और सिपा
ही बहुत दफे फैला या गया कुछ अंतर प
रपरिखा के सामने और वह अपने रक्षक
वास्ते क्रोरा गढ़ा खुदवाया और उनके सं
धुक्षण के साथ किला का संधुक्षण पे मोरे
का किया जैसा आवने जाने का रस्ता किला
के नजीक पहुंचा बिना तो फलगाने से
और तोफें उनके पास कम ती थी यह है प
क अभिमान फरासीस के गण का यद्यपि
वह का संधुक्षण बहुत दफे साथ कथा
और फेर साथ ऐसा होगा परंतु स पर पकी
न नहीं था क्योंकि बहुत तेज बीज लगाय
सका जिससे गुलनूदा जर स संधुक्षण
में रक्षण पावेगा न वह तोफ अच्छी तरह
से काम देती यह गोल निर्गम मार्गिक साम
ने सिरफ एक चहर लगाया जाता जिस तर
ह तोफ न जर से छूप जावेगी न वह तोफ का
संधुक्षण बंद करने के वास्ते वह एक की गोली

३.
३० और बरूदबकूतखरचहोजावेगा फौजजो
37
परिखोमेंलगायाजाता किलापरसंधुक्षा-
णकरनेकोआपरत्तकपाताकिलाकेसं
धुक्षणसेंरेतकीथैलीकेमोरचोंसेंवनारे
पर आक्रमणमेंबरूतगोलीऔरबरूदबंदू
ककाबकूथाखरचहोताहै कोईअवस्था
मेंयहआसानीसेंमिलताहै औरकोईअवस्था
मेंनहीमिलता तोदोनोअवस्थामेंबरबा
दकरनामुनासबनहीहै जबआदमील-
गायचाहियेकिलाकासंधुक्षणबंदकर-
नेकोंइकठेनहीलगाणेचाहियेबिनाहि
साबसेंकिसीजगापर संधुक्षणकरनावेतो
रेलिकिनइतनेमजबूतआदमी मुकररक
रनेचाहिये यदहोसकालसेवचकेहै यह
लगानेचाहियेसमभेंसेंआगेऔरअच्छीजगा
परबालूकीथैलीया काडीकाभारकेमो-
रचाकेरत्तकमेंऔरयहकबीनहीसंधुक्ष
णकरनेचाहियेबिगेरनिसान औरठीक-
लगानाजबबंदूकभरीगया वहलगायदेता
औरबक्तकोदेखतासंधुक्षणकरनेको । ३
सीतरहथोडेगोलाबरूदखरचकरनेसें
बडासायकहोताहैऔरउस्मणकाबडानु

कस्मान होगा और उसका संयुक्तण वकूत।
रोका जावेगा ५ पत्थर का मारटर और कौ-
ह्रोरन इत्यादि कसम आक्रमण की किता-
बमें पत्थर के मारटर का ध्यान किया जाता
मदत में परंतु तोपभा है यदि उनका का-
र्य्य बराबर है मिहनत और दिकहारी जो ले
जाने में और लगाने में होगी और सिरफ तं-
गजगा है उसमें बहल गाय सक्के है और व-
कूत भी जगा न हो होगी जिस में उसके वास्ते
सामग्री मिलेगी। छोटा मारटर जैसे ५॥
ई॰ ४ ३ ई॰ बवाला वे सक वकूत का मद देने-
वाला है विशेषत यद वकूत लगाया जावे-
गा वह वकूत उसानी से ले जाता साथ साम-
ग्री के और किसी जगा पर जहां मारटर लगा-
य सक्का और यदि उनका बंदगोला किला
के बाहर की किलाबंदी में डाला जाता है य-
द्य गरान बडा बलवत्तर है और ऐसी तंगज-
गा में इस्मण न ही जमा होय सक्का अभिशे-
णन वास्ते। जैसा पीछे ध्यान किया गया यद
आक्रमण का काम जलदी और फल होणा
चाहिये तो बराबर सामग्री लगाणी चाहिये
दिलदारी और कुसयमी के साथ किलाबंदी

३.
५८

तोड़नेकेवास्ते जबयहअधीनरहसेलगा
याजाता इसकामकाहालजोआक्रमणके
सामने इस्तानीसेजाणसकेहै यहहमेसा
खियालजावेगागोलोकेसाथ औरबंबगोलो
केसाथ औरकोईजगामहीरहेगीजिससें
बनारैसेकोईदेखसकावगेरहउगमानके
जबपसीजगाफोजनेकरीपरजातीहै
वहवक्तखयवरावेगी औरगमवालाहोवे
गी क्योंकि वहहमेरेकिलेवालाजोनोकरी
परनहीहैसोआराम औरहतकपररहेगी
औरजबलडाईसदरऔरसमानमेंसपा
हीनहीखबरातेजबवहदेवताउनकाउम
दऔरसामग्रीआस्तेआस्तेघटजातावह
वेदिलहोताहै सरदारऔरकमानपरउ
नुमाहीपकषहोणचाहिये औरहरवक्तरद
सेंजोरलगायमिहनतकरनीचाहिये
जगहकीदिरीसेंरहतकरखना यदिकोईको
टीबाहरकीकिलाबंदीकासरदारकोई
गाफलथावेदिलमेंहोतातोवक्तउगमा
नहोगारहतककोतोसरीपरिखा जबहो
सरीपरिखावनगयी३.. गजकेअंतरमेंकि
लामें यदवक्तसंयुक्तणग्रेय औरबंहक

कीगोलीकिलासेंआवती तबपरिखोंका
कामजबरदस्तीसें औरबहुतजमीनएक
दमसेंखोदणीनहींचलायसकेहै तबय
हकामकाईतयामहोताइसणकेलडने
सें जबकिलावालासख्तहै उससेंएकद
ममेंफायदालेनाचाहियेविशेषकरकेरा
तकेवक्तऔरकमथाजादा मृत्तिकागर्भ
करंउकीकितारलगाणीचाहिये औरह
इसमयमेंआदमीलगापजावेंइसकेब
नानेकेवास्ते इसीतरह १०० गजसें २००
गजतलककामअछीतरहसेंजादेहो
जावेगा जबकिलासेंसद्गुणतेजहेका
मसिरफचलायसका एकगुणाविरोधक
केसाथ लेकिनजितनासिरसेसोसकाहे
जबबहुतनजीक ५० वा ६० गजतोसिरफ
एकसेंपसेंचलायसकादिनकेवक्तलेकि
नरातकेवक्तबहुतसमयहोगाजबअल
गविरोधक फलायदस्ताप केसाथकाम
चलायसकेहै अर्थातमृत्तिकागर्भकरउं
केजलदीललगानेसे तीसरीपरिखाकि
लेकेपासकेनजीकबहुधाबनतीहै और
जितनीनजीकहैइतनाअछाहै औरपीछे

आथीपरिखाविचकारकीमदतदेनेवास्ते
औरसंचवनजाताहै फाटीकीमारऔरस
न्तिकागर्भकरउकेसाथरत्तकमार्गमेंसंधु
त्तणकरनेकेवास्ते औरचौथीपरिखाभी·
वनजातीहै यह किलावालावहुतजोर
औरमगरूरीदिखाईदेतातो औरयह कि
लावालावहुतगर्वितनहीहै औरआक्रमण
करनेवालाकीतोफकीसामग्रीकमनहीं
है यहदोकामपीछेजरूरतनहींहोवेगे
विसंमंचवनाना औरइसकेवनानेमेंव
हुतदिकहोतीहै यहआक्रमणकेकाम
कीकिसमयऔरजगानकेसमेदिखलाई
देतीहै जवआवनेजानेकारस्ताकिलाके
मुहानकेवाहरकीजगामेंपहुंचतानवति
र्यकसंयुत्तणकेअवस्थानपरउदोसेरोका
जाताहै वावतरत्तकमार्गविलकुलरोक
नेके यदि तोफवहुतअच्छीतरहसेनही
लगायाजाता वावतवहकामकेसाम·
नेऔरपार्श्वजोखाईमेंभीरोकाजाताहै
इसवक्तआगेंकेकाममेंपथरकामारटर
औरहमरामारटर छोटेगोलेवालालगा
याजाता तिर्यकसंयुत्तणकेअवस्थान।

कीवदलीमें। छोटीदिवालजोभीतरकी
तरफवनाईगई याशेऊवलय श्रौरजलदी
सेतोऊजावेगा हल्लकीतोफसोविगरदे
रीकरनेसेजवलकवडीतोफश्रमस्थान
मेंइसकेऊपरलगावता। यहकामवद
लीकरनेसेंकिलावालाजादाकामकरे
गा श्राक्रमणकरनेवालेकेरोकनेमें। तो
मरापरिखामेंकईएकजगामेंपोडीवन
जातीहै श्रादमीवाहरनिकलनेकेवास्ते
श्राक्रमणकरनायांश्रभिशेणनरोकना
जैसानकसाटेमेंलिखाहै। डुंगीगण
केसिरेएकडनेसमानेमेंजोरसेएकडेजाते
है किलावालाकेवडेसंधुत्सणकेसामने
श्रौरवडूतनुकसे श्राक्रमणमेंयहसम
सेंमुस्कलश्रौरविपकीनीकाकामथा ले
किन श्रवीयहऐसानहीहोता परतोफ
केसायकसेंलगायाजाता श्रौरइससेंव
हस्थाएके नालपकडाजाताहै श्रौरविना
देरीसेंतो वडूतसागोलाश्रौरववगोलजो
रसकमार्गमेंगिरतातेहै तोभीतरवाले श
ऊवलएकाविलऊलनासकरताहै श्रौर
कोईश्रौरछोटीपरिखाहै जिससेंकिलावा

उ:
४.
४०

लाकोसिसहकरेगाफोजजमाकरनेकोर
त्तकमार्गमें। जबकिलावालारत्तकमा
र्गसेंनिकालागया तबतोउनेवालाग्रस्त
स्थानउगिणपरलगायाजाता कामके
सामनेतोउनेकेवास्ते ओरपाछिकेवनारे
तोउनेकेवास्ते केकेअवस्थामेंजबकि
लाकेदिवालके इतनेनीचेनहीदेखतेतो
उनेकेवास्ते तोग्रस्तस्थानलगाणावाहि
येरत्तकमार्गमें ओरयहकामहोनाग्रस
कलसे तोफपतंगजगामेंहोती ओर
आदमीववगोलाकेउगसानसें रत्तक
नहीपाते जबयहग्रस्थानवनाताओरउस
सेंकामलेता रस्तावनजाताखाईकेनीचे
ओरपारमे। खाईकारस्तावनजाताहै वा
हरकीदिवालउडानेसे ओरउससेंसला
मीकारस्तावनताहै पा मोरीवनजातीहै
डुंगिणमेखाईकेनीचेकेवरावर जैसा
ब्यानकियाजाताहैरउकेब्यानमें यह व
क्तओरआदमीहैतोदोनोतरहसरिस्ताव
नानाचाहिये मोरीसेपरकेकामकेवास्ते
ओराखलासलामीकारस्ताग्राक्रमणक
रनेवालाकेवास्ते जबजरूरतहै नगाप

करना और अवस्थान बनाना बाहरकी
किलाबंदीके छिद्रपर खाईलंघनेवाला
रस्ता छिद्रतलक एरास्ताय् याफलायन
स्थाप्के साथ बनजाता जैसी अवस्था होवे
यह पीछिके काममें आक्रमण करनेवा
लातंगजगामें है और उसके सामने भीत
गजगा है और रस्तक नही है लेकिन उस
की जगा जो एक उंजाती दुर्गागमणपर औ
र रस्तक मार्गपर और बाहरकी किलाबं
दीपर एक दूसरेके पीछे ऐसा अच्छा है औ
र रक्षनेके रखणवाला एक दूसरेके पीछे
आक्रमण किया जाता और वह है आदा
मीमें कमजोर तोडधंसं युद्धलणमें ऐसा
नेगा नही है और उनको मदत मिलनी ऐ
सी अवस्कल है तो फल है सिरफ वक्तकी बा
तका। रस्ता लंघनेवाला बनजाता पानी
वाली खाईमें उस अवसरसे जो छिद्रमें
और खाईके रस्तासे निकलता है उचाई
और चौडाई बराबर तलक बाकीका बन
जाता काष्टसंचय और मिटीसे जब पाणी
बगता खाईमे तब खुल्ला रस्ता छोडना चा
हिये जो उडनेवाली पुलकी तियाईके साथ

ॐ
४।

यासापतपार्श्ववालेनालेवनसक्के औरय
हहोगाहसरारसावगणेवालेपाणीकेवा
स्ते। सामान्यआक्रमणकेनियमकेअनु
सारसिरफवाजेवाजेवक्तअसिलआक्र
मणहोताहै सवायआखिरवालाजगाय।
कउनेकेवास्ते परंतुछिद्रपरक्रमसेंआ
दमीलगायाजाता और इसकेऊपरस्याए
लगायजाता। जवकोईकिलावंदीजोवा
हरहै ओरपसीहैजोएकवारपकडीजावे
तोउसकोकिलेवालाफेरनहीलेसक्ता
तोइसपरआक्रमणकरसक्तेहै जवउन
काकिलाकाआवनेजानेकारस्ताबंदकि
यागया यहपेसाउसकलवनगयातोइस
परआदमीनहीलगायसक्ते। पहलीअ
वस्थामेंवाहरकीकिलावंदीवावतआ
क्रमणविलकुलरकेलाहै नाकुछमदत
नाकुछसामग्रीमिलसक्तीकिलासें ओ
रदूसरीअवस्थामेयहकिलावंदीउसके
हाथमेहोगा उसदोनोलउनेवालामेजि
सकाआवनेजानेकारस्ताउसकोइस्तानी
हैइसीतरहजोकिलावंदीकिलाकेसंयु
तणकेनीचेहै अगरवहनहीतोउगगयाइ

सेसेंआक्रमणकरनेवालानहींरहसक्ता परं
तुपरवहतोऊगगया औरवैरपरिखाओर
बिलकुलजलदीओर जबरदस्तआक्रमण
सेंवदहैतोकिलेवालाउसमेंनहींरहसक्ता
है कोईपरिखाजोकिलोंवदीकेवनारेके
साथजाउहै आक्रमणसेंकुछरत्तकनहीं
है क्योंकि वनारेसेवहपकडीजावेगी औ
रकिलावालाउसमेंसेंनिकालाजावेगा य
दिआक्रमणसेंवाहरकीकिलावंदीप
कडजावेगी तोकुछजरूरतनहींहै आक्र
मणकरनेवालाकोउसमेरहणकिला
केसंधलणकेनीचे तोकामहोगाकिला
वालाउससेंवाहरनिकालना जैसेवहउ
सकेनजीवननहींरहसक्ता जवनलका
आवनेजानेकारस्ताउसकावनगया जव
नलकआदमीयाअहस्यानउसपरल
गायागयातो आखरआक्रमणकिलाको
होजाता जवछिद्रअछीतरहसेंवनगया
औरआक्रमणकरनेवालाजानताकीरो
कनेवालीकुछचीजनहींरही औरउस
कीवडतफौजविलकुलभीतरजायसक्ता
है। आक्रमणकरनेवालाफौजऔरउस

उ:
४२ केमददेनेवालाकीजमाकरनेवालाज
गातियारहोतीहै ग्रौर ग्रावनेजानेवालार
स्ताग्राक्रमणवालीजगाकोंघाछिद्रकोंग्र
च्छावनजनाहै। ग्राक्रमणकेवक्तमेंथो
डाग्रागेंवडासंयुत्तणतोफसेछिद्रपरग्रौ
रकामकेभीतरलगायाजाताजितनालगा
यसकेहै ग्रौर जवग्राक्रमणकरनातवभी
लगायाजाताजितनाहोसक्ताहै ऍतेका।
कानासकरनाकिलाकेफौजकाजुगसा
नकरना ग्रौरवदूदकीथैली ग्रौरवंवगो
लाजिसपरग्रागलगायागया इसादिक
तैयारकियागया ऍलककेवास्तेपहसा
यदग्राक्रणकरनेवालेके जानेसेंग्रागें।
उडजावेगा जैसासेंसवेष्टिपनकेमुलाव
मेंरूवाथा जवकिलावंदीपकडगई सह
रग्रौरकिलाकेभीतरखुलगया तवग्रा
क्रमणकरनेवाला ग्रौरउनकोमददेने
वाला फेरटीकखडाहोजाताहै ग्रौररूक
ममिलतालडनेको जिसतरहग्रच्छाहोगा
उसमणकोभीतरकेकिलाकीतरफमसा
वणा तवतलकयहनहीहोता तवतल
ककामपूरानहीहोता

गनके आक्रमणामें पाजलहै और जबहम
के आक्रमणोपह विशेषकरके जनूरतहै
इसपिछलीअवस्थामें यह किलावाला
फरजमाहोसकताहै और आक्रमणकरनेवा
लोंकोपीछेहटायसकतातो तमामफलका
नाशहोजावेगा जैसाकिवा वरजन अवजू
मकेआक्रमणमें आगेरजकेसाथसाल ९
१८में हरएक आक्रमणामें आक्रमणके
साथएकयाज्यादासरदारगणकजाताहै
सिरफफोजकोदिलनहीदेना यहवहन
हीचाहतेहै परंतुआगपापकाध्यानको
सलाहदेणी यहवहकरसकताउसकेजा
टास्थानकिलावंदीओररहाकओरआक्र
मणकेमेंतोवसहरहेआक्रमणमें आगें
जानेवालाजोसरदारगणकसाथलिये
जातासमुदायकेवीचमें आगेंजाताबीस
कदमओर १०० कदमउसकेपीछेमदतदे
नेवालाजाताहै। यहध्यानलिखागयाबा
बतकिलाकेआक्रमणकरनेकेअसनिय
मपरजोवलायतकीवडीद्वीपकीकोलडाई
केआखिरतलक। जवसेंनयाओरओरअबकी
किलावंदीकानियमनिकालागया प्रा

दु
४२

णोकीगलतीऔरकमीदुरुस्तकरनेकों
औरकईकिलाबनगयाथा बनजाताजो-
आगेकेबड़ेआक्रमणकेकाममेंकुछब-
दलीकरनीचाहेगा जैसीउनकीसकल
यहकिलाबंदीकानयानियमअवतलक
इतनाध्यनऔरसमझनहींकियागया
जिसतरहएककामालमहोगाकाकिसतर-
हअच्छेआक्रमणकरना जबबड़ेछोटा
हेकोईगलतीनिकालनेमेंनिकालने-
वालासापदहसरीगलतीमेंपड़े औरआ-
क्रमणकरनेवालाइससेंफायदालेस-
काहे जहांकिलाबड़ाहे औरयहहेसामा-
मावस्था। उनकेपरिमाणसेंजबआदमी
इसमेंक्यावरथी आगेकेदिनमेंउनका
आक्रमणकरनाअसकलथा संभवती
यहे यहनयावालाजिसपरगणकीसंप
णिअकलबंदी औरबड़ेतरवरबलगायाग
या वहअग्राह्यहोजावेगा। परंतुयहनये
किलेबड़ेननहीहे जहांयहएककिलाआ-
क्रमणकरनीतोवीसगुणानियमवाला
आक्रमणकरनाहोगा जिसपरयहनिय
मलगायाजावेगा इतिदुर्गाक्रमणम्

गुल्मस्थानके आक्रमण करनेके विषयमें
अल्पकालीन गुल्मस्थान अर्थात वह जगा
जो की फौजकों थोड़े दिन रहणेके वास्ते ब
नती है उसका आक्रमण जबरदस्ती अथ
वा अचानचकसें करना चाहिये परंतु ब
हूतेरे मुख्य विषयोंके यथार्थ ज्ञान प्राप्त
करनेके पहले यह निश्चय अवश्य करना
चाहिये जो उस कामके वास्ते असंत यथो
चित और व्यवहार योग्य होगा। परन्तु उ
स विषयके वास्ते यथोचित और व्यवहार
योग्य रीति निश्चित होनेके मुख्य पहिले
बहूतेरे मुख्य विषयोंका यथार्थ ज्ञान प्रा
प्त करना आवश्यक है जैसा किसी ग्राम
की परिखा अथवा किसी छोटे गुल्मस्थान
के आक्रमण करनेके वास्ते कोई क्रम स्था
पन करनेके पहले आज्ञा देनेवाले कों चा
हिये की इधर उधर के रहनेवाले और र
स्ता करनेकी तकवीर और उनमें रहनेका
ली सैन्यदल केवलकों जानना चाहिये
और इस बातका निश्चय करना चाहिये
कि वह अकेला लडेगा अथवा सहायता
सें लडेगा और किस जगहसें वह सहायता

आवेगी और उनका पहरा विकट प्रभृति कि
स तरह होता इसके परितः दृष्टी कैसी है
आदमी छुपाने लायक है या नहीं और इस
के वास्ते अस्त्र तम और संदिग्ध राह कौन है
इत्यादिक जानना चाहिये यदि किसी पा
रिखायुक्त ग्राम का आक्रमण करना हो
वे तो इस बात का निश्चय करना चाहिये
कि वे गलियां और सड़कें जो इसमें जाती
हैं किस तरह से उसमें मिली हैं लंबपक्की
से अथवा मिट्टी की छोटी दिवाल से और
इनके पार्श्व पड़ोस के ढूहों से अथवा इस
काम के वास्ते जो अल्पकालीन किला बं
दी है उससे रक्षा पाते हैं और उनके साम
ने का ढीके भार अथवा काष्ठ खेत युक्त
भूमि विड्डरू का वट है और वे वृक्ष जो भी
तर हैं किस तरह से मजबूत किये गये
हैं यदि कोई बीच में प्रबल स्थल है तो किस
तरह का है और किस तरह से परिखादि
से वेष्टित है क्या कोई अग्र स्थल के सदृश
वा हरी और चारवना है या पिकट प्रभृति
स्थापित है। यदि वह स्थल में एक ही घर
होवे जैसा कोई हवेली अथवा मंदर तो

इसबातपरध्यानदेनाचाहिये कि इसका
दरवाजाऔरखिडकीगली औरआदमी
प्रभृतिरोकनेकेवास्तेकिसतरहसेआइ
तहै औरकिससूरतसेमोरचाबनायागया
औरपार्श्वकारस्तककिसतरहमिला औ
रकौनरस्ताअच्छादेऊपरजानेको और
कौनंवदोवस्तभीतरकियागया रस्तकके
टेरीकरनेवास्तेइत्यादिक २ यहफायदावा
लीबातेंकुछदरयाफतहोसकतीहैं उग
लीकरनेवालेसें भागनेवालेसें औरनक
सासें परंतुकिसीपरयकीननहीरखणा
चाहिये सिरफजितनादेखसकेहै यासा
उतकरसकेहै परंतुआपदेखनासभसेअ
च्छाहै इसवास्तेघोडेऊपरसेंदेखणाचाहिये
याकिसीसूरतसें चुपचापसेंदेखणाचाहि
ये इसध्यानसेंमालमहोता कि वहांनेवा
लोंकाआक्रमणाकरनेकेअमलतमसिठी
तठहरानेकेपहलेंविचारकरनाचाहिये
यदि उसपरपहलेंकुछखबरनमिले तो
ठीकंवदोवस्तनहींवनेगा औरआकस्मिक
रुवरमिलेंगे औरसंकाग्रमाहसकरना
पडेगा जोअसंतसहजहोता यदीउनका

उ.
४५
45

अच्छे हत्तांत मालूम हुवा होता यह बात थी
रन के वास्ते कठिन होगी कि जब मालूम क
रना बनारे और कोइ खंड उपभूमि रअके
आगे पीछे जब हमारे पास बहुत आदमी है
और शत्रु की बाधा कुछ नहीं दिखलाई देती
बनारे के इधर उधर जब कोई वडी खाई
है जिस का लांघना सहज न होवे संपूर्ण वी
जें सब दोवे सी सब कुछ नहीं है खपडती जैसी
दे खपडती है इसलिये पहले हत्तांत जाने
ना और उस के अनुसार तियारी करनी य
दि हो सके तो अस्तसम बात है आक्रमण
करने का समस्थापन जिस किसी प्रकार
का होवे और यद्यपि वडी खबरदारी से
करणे लायक होवे और बहुत जलदी से
फल के साथ किया जावे पर उतनी खब
रदारी नहीं करनी चाहिये जितनी कि ला
की रक्षा के वास्ते उचित है आक्रमण कर
नेवाले को इच्छानुसार करणा चाहिये औ
र रक्षा करनेवाला एक दम उस आक्रमण
के वास्ते बंदोबस्त करना चाहिये आक्रम
ण करनेवाले के वास्ते प्रथम विषय यह है
की शत्रु के ऊपर पहले पहुंचे फेर उनको

मारें शत्रुओं पर चढ़ने के वास्ते आज्ञा पा
करको चाहिये की ऐसी राह खोजे जिसमें
प्रतिबंधक थोड़े होवें और जब वहां पहुंचे
तब ऐसे जोर से शत्रुओं को मारें की जिस
में संपूर्ण एक बार भग जावें इन सब वि
षयों को अपने मन में रख के संपूर्ण बात
करनी चाहिये जिससे यह काम होगा इ
सवास्ते बहुत खबरदारी नाल बंदोबस्त
बन जावेगा और बड़े दिल से काम करे य
दि कई आक्रमण होने या एक बड़ा असिल
आक्रमण और कई छूटे आक्रमण होने
नो शत्रु के मन में रौला पड़ेगा और उसका
बल जुदा जुदा होगा और वह शत्रु घबरा
वेगा उसका संपूर्ण बंदोबस्त और मुश्कल
होवेगा और उसको जादा काम देवेगा
कम आदमी और कम सामग्री के साथ
एक आक्रमण से इस वास्ते दस्तूर है जब
हो सक्ता तो कई आक्रमण करना एक वा
रगी में या जलदी एक दूसरे के पीछे यह
करने को फौज जमा हो जाती उस वक्त
के पीछे जो समय से न जी करे और फेर इत
नी जलदी में आगे वधेगी जैसा हो सक्ता है

उ.
५९

और आदमी तयार रहें गे लड़ने के वक्त में यह
भी ठीक ईंतजाम करना वक्त वात है यह
फौज कों वक्त हर जाना है सपुहलण के
सामने और वह पहले वक्त जलदी सें चल
ते तो शायद वह थक के खड़े हो जावेंगे सु
हलण के पास पहुंचने सें आगे जहां सपु
हलण नजीक से और जादा नुकसान करेगा
किसी सूरत सें जोर और चलने की सक्ती
रखणी चाहिये आखिर के वास्ते और यह
आगे बचने वाला रक्षक पाता चतुर सेन्य
के सिपाहियों से यह खड़ा हो जाता खाई
के या और कोई रोकने वाली चीज के बाह
र और जब ललक फौज उस सें लड़ जाती है
वह अच्छा और बराबर सपुहलण सें शत्रु का
सपुहलण रोकने कों मदद देवेगा और को
ई और शत्रु करना आगे बचने वाला कों स
पुहलण बिलकुल नहीं करने देणा चाहिये
उनकों खूब समझाणा चाहिये और बड़ा का
म होगा संगीन के साथ और जब नलकथ
ह होता तो और कुछ नहीं मन में रखणा चाहि
ये यह कोई थोड़ी कसर मत होती तो प्रयान
पुगल आगे पेलाणा चाहिये इस सपुहलण

केवास्ते और हमसराय उतर देगा अपणी रा
ह्लाके वास्ते परंतु शामविषय सर्वदा ध्या
नमें रखणा चाहिये और उसमें कुछ विलं
ब नहीं करना चाहिये क्योंकि ऐसी अवस्था
में आक्रमण करने वाला और रक्षण करने
वाला याने शत्रु बराबर अहाल में नहीं है
आक्रमण करने वाला बिलकुल बेरहक
है छिलीजगामें और उनका शत्रु अच्छे रह
कमें है वह खिउ श्रेणी जो मुकर्रर की गई
आक्रमण के वास्ते दो खिउ में बांटनी चाहि
ये जिसके सापेक्ष कवल होता जैसा काम
है और जैसा शत्रु का बल इत्यादि २ एक खि
उ है कि लावंदी का आक्रमण करने को आ
रहमसराय उसके थोड़ा पीछे रहना और वह
लगा पाजाता जैसी अवस्था होवे यह फल
होता तो वह उसके पीछे वल जाता और
उनकी मदद देना और फल से फायदा क
रेगा यह पीछे रहना है तो वह खिउ अहोवेगा
उनकी मदद के वास्ते । इस पहले खिउ के
दो तीन खिउ करने चाहिये एक पहला आक्र
मण के वास्ते और उसकी मदद के वास्ते प
रंतु यह खिउ केवल नाम में बांटे जाते हैं असि

३.
४०

लनहीवारेजाते तोवानयहहै यदअच्छाहै
संपूर्णआक्रमणवालाइकहामेजाना पा
सेमखिरइसेआक्रमणकरेफेरसमकोइ
कठाकरेकामपूराकरनेकेवास्ते शत्रु
कीकितारकेभीतरमेंजानाइकठीफौज
केसाथतोशत्रुघबराईजावेगा परंतुयद
सेमखिरइकठेकरसकेदेनबसरजोहै तो
फायदाकुछनहीसंपूर्णकोसंयुत्तणमें
लेजाना जबकुछकामहोतातोअमिल
आक्रमणकरनेवालाअकेलाकरसक्ता
है जबकामकरनेवालाइसवनताका
खिरउपकभूमिरंघमेंयाजवप्रयानघ
गलपोरीलेजातादिवालपरलंघनेको
तोकुछफायदानहीहोगाबहुतआदमीइ
कठेखिरेहोनासंयुत्तणकेनीचे यदि प्र
यानजानेवालाकोमालूमहोताकिपी
छेवालाउसकेसाथहैतोवहबड़ेदिलमेर
हेगा यद्यपिवहपीछेवालानहीदेखसक्ता
क्योंकि उसकोमालूमहोताकीवहजित
नीजलदीचलाजावेगा पीछेवालाजरूर
तआवेगा औरइससेपहलाआक्रमणमें
जितनाबलचाहिये इतनाहोताकिसीअ

वस्थामेंमनुष्योंकीसंख्यासेंसंभवातेहै
औरउनकाठीकलगणविषयेजोध्या
नकरनाचाहिये इसकाईनयामकरना
मुस्कलहै परंतुयदिफौजअच्छासिखा
या औरइकठेकामकरनेकोंगि·· गया
तोचाहिएकखंडदूसरेखंडकोदेखसका
यानहीदेखसका औरउनकाआज्ञापका
ख्यालकुसयारहै तोइनकाईनयामकरा
नेमेंकोई असंभवनियमनानहीहै अथ
वाकामकठिनहोनेसेंनियमकूठानही
होता उदाहरण रातकेआक्रमणमेंविशे
षजरूरतहै संपूर्णबंदोबस्त अंततकगम
चाहिये औरऐसीअवस्थामे खंडखंडसे
इकठीफौजऔरअछीहै क्योंकि खंड २
लगानेमेंकुछगलतीपडेगी। जबआक्र
मणकरनेवालाआगेंचलाजाताऔरउ
सकीमदतदेनेवालापीछेंचलाआवता
तबजबपथानछगलआगेंवालाकोलउ
ईमेंलगायाजबरोकनेवालीचीजबहूसे
उठजाता औरभीतरजानेकारस्ताबनग
याबतमदतदेनेवालाकों आक्रमणकर
नेवालेकेपासहोणाचाहिये उसकाबल

प्रथमध्यानपरदेणाचाहिये औरहम
रेकोमनोयोगकरना औरउसकेसाथ।
आनंदप्राप्तकरना यहसंपूर्णकोटीवातें
करनेकोंकुछनियमनहीदेसक्तेहे वावत
वक्रयाशीघ्रतायाकुछऔरवात परंतु
यदिआज्ञापकाध्यक्षअकलवंदऔरकु
शयारहे तववहउसीजगापरठीकनियम
लगावेगा। सिपाहीवंदूककेसंधानमें
दिवालचडनेकेशिरेपरलगावेगा और
सफरमैनाकाविउपुक्तभूमिरंधकोंकाटे
गा औररोकनेवालाचीज याफाटकवर्
दसेंउडावेगा औरपरिखाकीसलामीपे।
सीहेकीजिसमेनहीचढसक्ते तोउसमें
पौडीवनावेगा औरसंपूर्णरोकनेवाली
चीजकोसफाकरेगा औरतव एकदम
मेंसंपूर्णइकठीफौजउस्थानपरभरेगा
तवएकआदमीदौडना औरहमसरेउसके
पीछेंजनाऐसानहीकरनाचाहिये संपू
र्णकोंइकठेजानाचाहिये फौजकोंसंपू
र्णवलउपेक्षितहेशत्रूकीकिनारपरउस
कोंघातकरनेकेवास्ते यद यहवलइका
डाइकउनुगमानहोजाता तोवकुनअके

६
78

लीवहादरीलगजावेगीजो पदइकठीलगा
ईजावेतोश्रोरश्रच्छाकामदेवेगी जबकेश्रा
क्रमणहोनेतवश्रच्छाहै पदरखेउसीपका
साममेनचलेगी श्रोरउसकाश्रर्थसमुदायजि
तनावड़ाहोगा जोमुनासबहो इसवास्तेश्रो
रमुस्किलहोगाशत्रूकोंमनुष्यसेपामाल
मकरनी श्रोरश्रसिलश्राक्रमणकूठैश्राक्र
मणसैंमालमकरना श्रोरयहकूठाश्राक्र
मणकरनेवालाऐसामालमहोनाचाहिये
श्रोरऐसाकरनाचाहियेकिशत्रूकोंमालम
होगा वहेजरूरतउगासानकरेगा श्रगरउ
नकीमनसानहीहैकरनेमे उनकाबलइ
तनाहोनाचाहिये जिससेउसमणछोडाड
देगा श्रोरवहश्रइहफलसेफायदाकरने
कोंतियारहोवेगा इसवास्तेश्राक्रमणकी
संख्याउसबलकेश्रनुसारमेंहोवेगाजोम
नूदहै कितनीदफेहुवाकीहूटाश्राक्रमण
जो यद सबकेवास्तेलगायागया वहऐसा
श्रविचार्यकारी श्रोरभयप्रदहोता तोवह प
कहाणइसपरध्याननकरे परंतुयहऐसा
फलहुवाजैसाशत्रू श्रोर श्रपनेहिरानहुवा
श्रोरदूसराश्राक्रमणजोठीकवंदोवस्तश्रोर

उ:
४९

49

ई तथा ममें हुवा तो विलकुल फल न हुवा आ
गे के वर्णन में यह लिखा है की वकत मे की
लड़ाई के वास्ते खाली वन ही है कैंा की अग
लावंदी वलत छिपता है अंधेरे मे और नग
सान उसके अनुसार से कमती हो जाता है
उदाहरण के वास्ते यह अवस्था अछी है
तो कुछ मुस्कल नहीं होगा जव शत्रुओं की
विकट पीछे हट आया चुपचाप मे पीछे चलो।
गत संयुक्षण करने वाल का सैम्प खिउखा
ई के न जी कल माना कोई किलावंदी के वा
हर विगेर एक गोला शत्रुवों से आवना कों
कि वह प्रकाश कगोला हमे सालिया रनही
फेकने को और कुछ मुस्कल नहीं है खिउ
आणी को न जीक तियार रखणा ठहरने के
वास्ते एक स्थान जव आक्रमण होता है औ
र जव फौज आगे वढती दिवाल के ऊपर
चढना पा कोई और का मजो जरूरत होवे
तो क्या होगा यह होगा भय दिया जावेगा
और खनारे पर शत्रु की हद मे खडा हो जावेगा
परंतु उसके सामने संयुक्षण करने वाले।
का खिउ २ पा ३ गज का अंतर होगा उस
अवस्था मे कोन संयुक्षण कर सक्ता है आ

दमी अपने शिखनारे पर से नही दिखलाय
सक्ता है अगर रेत की थैली किलाबंदी के।
ऊपर लगाया गया तो उस मे से वे शाकमाइस
युत्तण कर सक्ते है परंतु उस से फल कुछ न
ही होगा केवल वह जो खिउ आणी के सामने
था कुछ काम दे सक्ता और यह बंदोवस्त अ
च्छा होता तो यह उगमान नही कर सक्ता को
ई अवस्था होगी जब खिला आक्रमण कर स
क्ता विना छुपचाप से इस मे वे सकरदोक
थोडा होगा परंतु जो काम करता है सो आ
दमी देख सक्ता और इन के काम से और
साधक होगा जब आक्रमण करने वाले
पैसा चले जाते शत्रु को रोकने जब रदस्तों से
नष्ट करना चाहिये चुपचाप और चोरी से न
ही काम करने के वास्ते बन्दर से मय और तो
फखाना आक्रमण करने वालों को लगा
ना चाहिये कोई अवस्था में यह पहले वाला
मं युत्तण कर सक्ते है आगे बढने वाले के
रुक देने को परंतु यह पिछलो वालो के
काम से बहुत फायदा लेने को रोसन जरूर
न है बहुत हूर मैं तो फखाना वह काम कर
सक्ता जो पहले वाला फौज को अपने वास्ते।

३.
५. करनाहोगा उगासानकरनेवालासंयुक्तण
केनजीकऔरहेठरसीतरहनीथिकंसंयुक्त
णकाहमपभिलीयाहृत्वंविउ निर्मितआका
रपरलगाणा यहरोकनेवालीचीजकों प
सीकाटिजाताऔरउकसानहोता तोरसा
उसकेवीचमेंफलाडीकेसाथ्युकसहोजा
ताजलदीऔरइसानीसे दरवाजाऔरविउ
कीमेंजोरोकनेवालीचीजलगजाता वह।
मारनेसेउउजाताहै औरदिवालमेंछिद्रक
नजाता औररक्षणकरनेवालाजोकोई
मकानमेंहे वहवडीतकलीफपावेगा
संयुक्तणसेक्योंकि गोलाआमासवारकों
विलकुलल्लेघजावेगा औरपदाउसपरते
जंसंयुक्तणहोगा तोरहनेवालाआरामसे
नहीरहेगा यह वनारेमेंववगोलाफेका
जाता लोटुकडाजोशत्रुकोंरक्तकदेता
वहनासहोजाताहै जवयहंसंक्षणिअकी
वंतमामणोंसेंसाथकरूवा औरतोफरवा
नाएकपार्श्वपरलेगयातोवहउसजगामें
साधारणतिर्थकंसंयुक्तणशत्रूपाकरस
का उसक्षणतलकजवआक्रमणनहीहो
ता औरयहरक्षककरनेवालाकोखरावक
50

रेगा और उसअनदाजामेंइनकोवकूतफा
यदाहोगा अबोठाहालीचतरंगसैम
औरयहनवग्रास्थिकगोलप्रक्षेपकशुद्ध
मज्ञिताहालिजोयहनहीकरसक्काशुल
मस्थानपर जिसकीकिलावंदीजलदी
वनगया उसकोहमलोकनहीकहसक्के
प्रतिवंधकवीजोंकोअतिक्रमणकरने।
कावर्णन गुल्मस्थानविसेषककेवहजो
छोटाहैउसपरपपाहैसें वकूयाअकेले
रसावनानाहैप्रतिवंधकसे शत्रूकोंमि
लनेसेआगे इनकेसाथकाष्टमयभित्ति
पाष्टहवाविद्धरचितप्राकारतोउनकेवास्त
तोफयाहाविद्यमानहीहै अपणीमि
हनतसेउसकेपारलेजानाचाहिये प्र
तिवंधक जोलगापाजाता गुल्मस्थानको
मजबूतकरनेकेवास्तेरक्षककेवर्णनमें
लिखागया औरकिसप्रकारसेअतिक्रम
णहोता यहहमअवीवर्णनकरतेहैं ।
इष्टहाविद्धरचितप्राकारकाअतिक्रमणक
रनेकावर्णन पहलीरोकनेवालाचीज
जोविद्धस्यहकोमिलेगा इष्टकाविद्धनिमित
प्राकारस्थापतहोगा औरयहकमकाप्रति

उ०
५८ निर्वंधकवऊतदिकटेनेवालायदिहस्त
वनगया ओरउसकोसामग्रीसो ··· दे ओर
51 वजनदारहै जवआक्रमणउपचापसेंहो
तातवउसकेपाससेलंघनेमेकोसमक
रणिचाहिये यद यहनहोहोसका तवआ
दमीउसकेवीचमेरीगणकरकेचले जि
सतरहहोसका विगैरसोर ओरफिरजा
माहोजावेगाजवलंघगया ओरयदआ
क्रमणजवरदस्ती ओरजोरसेंहोता ओर
दृढविउनिर्मितप्राकारपेसामजहूतहै
जोनहीलंघसके तोकुछपवनहीहै पद
उसकेजलानेकोंकोसमकरना यद थोडे
जवरदस्तमनुष्यलकडीकेभारअपनेसा
थलेजाताजिसपरतिड्डकहरनकासार
या तेललगायागया ओरयहहरहांविउ।
निर्मितप्राकारकेवीचमेंफेंकेगा इससे
वहजलदीजलजावेगा जववहजाता
इसकामकोंतववहरदकपातावेहके
केसंधस्थाणसे जवयहआगजराठडहोग
या ओरकछुउरनहीरहा सिपाहीकेतो
सदानउडानेकातोआक्रमणकरनेवाला
उसमेलंघजाता विनाशवओरकोलेके

ढकाहोणोसे जबयहञ्चागजलनीहैतोप
कंसधुत्तणाकरनेवालाखिउलगाणाउस
कीरक्षाकेवास्ते जिसमैंशत्रूउसकोनहै
बुफायसकैं यदहत्तखिउनिर्मितप्राका
रछोटेहत्तेंसेंबनाहुवाहै औरञ्चछीतरहसे
नहीलगायागया यापवानमेंवहखिराब
हैतोउसकेजलानेकेवास्तेदेरीकरनेमें
सिरफवृक्षकानुकसानहै पसीञ्चवस्था
मेंएकखिउनेउसकेऊपरदौडना औरबडे
दरगतपररसीलगाणी या वडालेवांहेउनि
सपरऊडालगायागया इसीतरहसेंवहद
गतनिकालाजावेंगे औररस्तावनजावे
गा याकोईऊसयारमनुष्यञ्चछीऊलाऊ
सेउसमेरस्तावनावेगा जिसमेंमनुष्यलेघ
जावेंगे। इसराप्रतिबंधकअतिक्रमणाक
रनेकीरीति यदयुलमस्थानकेबाहरछिद्र
या वले या दरगतोंकेमूललगाएजाते तो
आक्रमणाकरनेवाला इसकोंलेखजाता
सातरश्रेणीसे औरपीछेसेजमाहोताज
वलेघगया छोटीखाईभरसकेहै लकडी
याघासकेभारोंसें पानीकेंचीकीतरहसे
सलिकारप्रतिबंधककोजबरदस्तीसेनि

कालसकैहै इसीकेसाथखोदनेसेयावरू
कीथैलीसेउठायसक्ता काष्टमयभितीजो
खोईमेहोतीहै उसकोभीइसीतरहसेना-
सकरसक्ता औरखोईसोउठहोता औरआ
क्रमणकरनेवालाकेसाथतक्यापिडी
होनातोलंघनेकेवास्तेपुलबनायसक्ता
काष्टमयभित्तिकेऊपरलंघजायसक्ता
पौंडीसे औरएकपौंडीकोंदोआदमीले-
जावेंगे परंलवीहैतोचारआदमीलेजावें
गे यहपौडीलेजानेवलारक्तकपावेगासं
धुक्षणकरनेवालेखिडसें पौडीजितना
नजीकलगायसक्तातितनेनजीकलगा
नेचाहिये औरआक्रमणकरनेवालेजित
नेलंबीकितारहोकरचढसकेंतितनेइक
ठेचढनेचाहिये याकाष्टमयभित्तिवरूद
कीथैलीसेउठायसक्तेहैं इत्यादिक २ प
दपमावंदोवस्तदिलसे औरअकलवंदी
सेकियाजाता फौजकामकरनेवालेमद
तकेसाथकोईसामामप्रतिबंधककोअ
तिक्रमणकरसक्ताहै वाहे आक्रमणरात
कोंहोतावाहेदिनकोहोता वाहे जबरदस्ती
वाहे चुपचापसे गुप्तआक्रमण जवविगे

रखवार वा डाकू च या कूटा कूच करने से शत्रु
गुल्मस्थान के बीच में पहुंचता था उसके पा
र्श्व पर पहुंचता तब कहता की यह गुल्म
स्थान गुप्त रूप से पकड़ा गया ऐसा होता
रक्षण करनेवाला की गाफली से खबर
लेने में या शत्रु का पता लेता है अथवा
या कोई से या आपत वह कोई खबर देने
वाला गुल्मस्थान पर हल्ले पकड़ा गया ।
गुप्तरूप का आक्रमण सब में से अच्छा है ज
ब अकल बंदी से उसका बंदोबस्त किया
गया तियारी में कम अनुमान होता औ
र उसके असंभावित से रक्षा करनेवाला
में ढीलावट होता और इस वास्ते पीछे
कम रोक होगा और फल और ज़ियादा होगा
और कम से निकजादे बलपर और काम
देसका खुला आक्रमण में यह अच्छी ख
बर मिलती बाबत किला बंदी के और र
क्षक करनेवाला के बल के बाबत और र
क्षक का बंदोबस्त के बाबत तो न व कुछ
पकीन फल का नहीं होगा यह अच्छी खब
र नहीं मिला तो कितनी खबरदारी वह क
रता और कितना ठीक और उहलवह तो

उ॰
५३ करीकरताहै यह यहखबरनहीमिलती
तो आक्रमणकाना संभवनीयहै यह
बाहरकारलकगाफलहोवे जैसाविक
टगलतीलगाण और खबरदेनेलेनेका
लागलतीलगानापागया तो गुपचुपआ
क्रमणहोसक्ताहै यहविकटफिरनान॰
हीहैतो पेसाआक्रमणहोसक्ता और यह
भीतरकाबंदोबस्तअकलबंदीसेनही
कियागयातोयहसुगमहोताहै जबथो
डाविकटलगयाजाता एकदूसरेसेहट
यागुल्मस्थानसेदूरलगायागयाजिससे
वहआपसमेंखबरलेनीदेनीनहीकरस
के या विकटगुल्मस्थानकेबहुतनजीक
लगायाजाता जबशत्रुआवतातोवहख
बरदेता तबबक्तनहीरहजातातियारीका
यह बाहरकीनोकरीगाफलकरना इस
अवस्थामेंचुपचापआक्रमणहोसक्ताहै
यह आक्रमणइसानीसेंहोसक्ताआगेंकी
अवस्थामेजोआगेलिखेंगे। जबजाउया
खेउगुल्मस्थानकेनजीकहै जबकामला
यकबलजमाहोसक्ताजोआपेहमसरेकाम
केवास्तेफैलायागया जबरावककरनेवा

53

लोकोमालमहोताकीकुछडरनही तु
मारेहाथोंसेयाकुछऔरसबबसे उसी
वास्तेवहकुसपाहीमेंनहीरहता यहगुल
मस्थानकोकिलाबंदीजोनजबीजकिया
गया उसकेरदकेवास्तेवहशरीनहीहै
यहफौजनजथाहै औरउनकाआसबाबका
ध्यावेसाहीहै औरयहकोईजगाजोउस
कोमालमहै की अगम्यहै औरवहअ-
गम्यनहीहै औरइसवास्ते वहउसजगा
कीऐसीखबरदारीनहीकरता जैसीह
रीजगाकीकरता। गुल्मस्थानकोशु-
त्रुपकेआक्रमणकरनेमेंसंपूर्णबातेंउ
पवापरखणीचाहिये तोअच्छाहैशत्रुकों
कुछखबरनामिले औरवचनकरनाचाहि
ये औरअपनेकुछखबरनहीदेणीचाहिये
जवतलकअपनाकामनलोउहै जोजरूरति
यारीहै जैसापौडीऔरहथियारजमाकर
ना यहप्रकटकरनाचाहिये जैसेलोकों
कोंमालमहोकी यहऔरकामकेवास्ते
है औरसवानाहोवेकीयहआक्रमणकेवा
स्तेहै औरविषयकेबीचमेंपहलेमनसा।
करनीचाहिये की यह गुल्मस्थानपकड

उ.
५४
54

जावे तो उसको रखेगा और रक्षा करेगा पा
लिजायगा और छोड़ देवेगा यह मेरी मन
सा है उसको रखणा तो सल और सामग्री सा
थ ले जानी चाहिये यह नहीं रखणा तो के
वल आक्रमण और लौट आवने का ख्याल
करना चाहिये । गणभूप के आक्रमण के
वास्ते सभसे अच्छा मोसम ठंडा मोसम है
ठंढी रात मे संतरी पिसे कुमयार नहीं रह
ते और को वगैरा जो उस मोसम मे हो
ता है सो संपूर्ण इस बात के वास्ते वहुत
अच्छा है और जब कोई रात मे आक्रमण
मे थोड़ा पहले वंद्रमा अस्त हो जाता है वह
भी अच्छा है क्योंकि आक्रमण की तियारी
मे वंद्रमा की चांदनी मे वहुत फायदा लेस
के है और पीछे की अंधेरी से भी फायदा ले
सकै है वहुतेरी अवस्था मे छावा वगण भ
भूप आक्रमण के वास्ते वहुत अच्छा है क्यों
कि सम तियारी और वंदोवस्त हो सकता अं
धेरी मे और दुसमण भी नहीं मालम कर स
का के रयह रोसन होता और यह फल हु
वा तो उस मे वहुत फाल सके है और जो
फल मिल गया उसको भी मजबूत कर स

करे परंतु यह बात शत्रु को मालूम होती है
जैसी हमरे लोकों को मालूम होती है औ
र उसी वक्त संग्राणि किला वाला आदमी ह
थियारों के साथ तियारी रहते है और संभ
वनीय है की वह सारे चौवीस घंटा से उस
वक्त जादे तियारी मे रहता है इसवास्ते य
ह समय से अच्छा वक्त नहीं है उनको बेतिया
री पकडने के वास्ते और मालूम है तो औ
र अच्छा होगा शत्रु से पीछे सोना या पहले
उठना इसवास्ते आधीरात के थोडा आगे अ
च्छा वक्त है और यह उस वक्त का म हो सका
जो मन लाहे वह समय से अच्छा वक्त है। उ
दाहरण के वास्ते यद गुल्म स्थान वहुत दू
र नहीं था और मन साथी उसका नाम कर
ना और लौट आवना कोई मदत देने वाले
के आवने के आगे तब आधीरात को उ
स काम के वास्ते समय से अच्छा वक्त है परंतु
यद गुल्म स्थान रखने की इच्छा है मन मे त
व आधीरात के ऊठ आगे अच्छा वक्त होगा
क्योंकि आक्रमण के पीछे दिन निकलने
से रक्षण का बंदोबस्त हो सकता इसविस
य से मालूम होता है की गुपचुप आक्रम

३. ५५ णसाधारणरातमेंकिसीवक्तहोताहै और
इसवास्तेसभमेंअच्छावंदोबस्तजरूरतहै
पर यहनहीहोतातोफलकाकुछयकीन
हीहै अंधेरेमेंकामकरनेमें यहबातखरा
बहै यहबहबिंडजिसपरआक्रमणकर
नाहैऐसाहै किजिसपरनहीभूलसक्ता
उसकेपवाननेकीकोससमेंसभबातजा
हिरहोवेगा अंधेरेमेंछूडकरनीनिहाय
तखराबहै विसेसकरकेजरूरतहै शत्रु
कोमालूमनहीकरना और यहबातशु
मआक्रमणमेंजरूरतहै। फेरजबजब
रहसीसेभीतरपहुंचगया यहभीतरके
तरफअच्छीतरहसेनहीमालमहै और
हरएकचीजजोनहीजानता औरऔरब
डेउगसानीवातकगडाकरनाहोगा रह
णकरनेवालाकों अपणीजगामालम
होतीहै यहइनकेवास्तेवडाफायदाहैज
लदी औरजोरसेनहीलडसक्ता औरकु
छकामनहीहोताखडाहोनेसे अंधेरीसे
जोखोफकरनेवालीवनहैसोवडीमाल
महोतीहै विशेषकरकेजबमनुष्यकी
मजाजगारमनहीहैतो मगरूरीवालेशत्रु

कोमालमहोता की आघातकबदेनाचाहि
ये ओरकिसजगापरदेनाचाहिये ओरन
मनहीदेखसकीकीवहकिसजगासेआव
ता ओरउसकाबलनहीमालमहोताहै ज
बतलकउसकाकारणनहीमिलता ओ
रजहसतहोवेगा आपकोआपरक्षणकरे
गा ओरइसअवस्थामेपिछलासमफलउ
लटाहोवेगा। यहऊथ्वकामहोआगेटी
ओरबेलचोसे अपाणिरक्षाकेवास्तेउसज
मीनपरजोपकडलेयाहै याकोई ओर
कामकेवास्तेतोइसकेवास्तेअथेएकऊँठ
अच्छाहै परंतयहइसविषयमेऊच्चनही
है कोईअवस्थामेजितनीजगाकीखबर
हेउतनाअच्छाहै ओरइससे ओरपीछेजो
बातेंवर्णनकीगईहै उससेमालमहोताहै
की आज्ञापकाथ्यहकोबकुतबातोंपर
ख्यालकरनाचाहियेआक्रमणसेपहले
१९ २२ श्रावण २० नः कतक १२ त
क मंत्र १२ श्लोक १४॥
बकुतअवस्थामेंआक्रमणकेवास्तेशत्रु
सेजादामनुष्यरखणेचाहिये कोंकि उ
नकीजगाहैअच्छीआक्रमणकरनेवाला

उ.
२८ से परंतु यह गुपचुप आक्रमण प्रथा वं दोव
स्तों से किया गया और फायदा किया गया सो
ला और हिरन से जो हमेसा होता है आक्र
मण मे जब आदमी थोडे थे तब भी वा जब ब
हुत फल किया और वे सक फेर कर सकता
और नोकरी मे यह बात जाद कर सकता ज
ब ऐसा समय होता है परंतु फल के वास्ते स
ब जो उपजत है इस वास्ते आक्रमण की
सामग्री और वंदोवस्त संपूर्ण का मलाध
क होणा चाहिये बहुत थोडे बल साथ न
कोई विरूपरम जनहूत खिडेकर सकता संपू
र्ण रोकने वालो के सामने परंतु यह सवा
ल है उस जगा पर वह रह सकता है और उसका
नवाव होता जैसी अवस्था है उदाहरण के
वास्ते साथ यह कोई आज्ञा पका ध्यान बहुत ब
हाउरीना छुडता और चाहता शल्म स्थान
या कोई ग्राम के आग लगानी या कोई साम
ग्री स्थान को उडाना या कोई और ऐसा हि
काम्म करना इन मे से कोई होस सकता यह को
ई विंड थोडी देरी के वास्ते पकड सकता और
यह हो सकता है थोडे आदमियों से जो जब र
दली से भीतर जाय सकते है और काम करेंगे

56

जिसरगपछुपकाआक्रमणकीतजवीज
अच्छीतरहलगाइगईहोसायदथोडीव-
लनजीकलेजायसकाशत्रुकेविगरव
वर औरजववहहोउतापकडनेकेवास्ते
तवशत्रुकोंगारदनिकालनेपडेगी औ-
रइधरउधरफिरनाहोगासारदजमाक
रनेकेवास्ते औरवऊतरत्नाकरनेवा-
लाकोंनहीमालूमहोगाकीकेसाआ-
क्रमणऊवा औरकिसजगापरऊवा
औरकामयसाहोसका औरकामकरने-
वालाअपनेलोटजानेकेरस्तेपरहोस
का तवतलकशत्रुअपनावंदोवस्तक
रना यदयुलमस्थानजोआक्रमणकिया
गयाहै सोरविणाहे औररत्नणकरने-
वालाकापहलाडरउतरजाताहै तवआ-
क्रमणकरनेवालावलजादेचाहियेन-
हीतोफलहमरेतरफहोगा वाजेवक्त
थोडावलअच्छीकिलावंदीकेआक्रमण
करनेकोगयाजिसमेवऊतआदमीथे
रातकेवक्तआक्रमणकियागया और
पकडलिया औररत्नणकरनेवालाके
हथयारलेलिये तवउनकोअंधेरीके

सवसेनहीमालमहुवाकीकितनीआद
मीहै। जवऐसाआक्रमणहोवेगाऔर
मनसाहैकीथोडेआदमीसेवहकामक
रनाजिसपरवडतेआदमीलगानेचाहि
ये तोविलकुलगुपचुपफलउपजित
है औरशत्रूपरपहुचनाजबवहवेतिया
रीमेहै। वस्तुतःयदयहनहीहोतातोआ
क्रमणकीकोससविलकुलछोडनाचा
हिये ऐसेआक्रमणकाकरनावडीमुस्क
लकीवातहै क्योंकि शत्रुहुसयारहै औ
रकिसीवातकासुभाहोता तो सायद
वहऐसाबंदोवस्तकरेगा की गुपचुपआ
क्रमणकाफलआक्रमणकरनेवाला
केऊपरहोवेगा इसवास्तेयदकिसीवा
तकासुभाहोवेगा तोशत्रूकुछदाओपे
चकरता तोहरतरहसेंजोसचवातहै
सोदरयाफतकरनीचाहिये नहीतो
ऐसेहालमेपडजावेगाजिससेनिका
लनामुस्कलहोगा प्रथानंखिडगुलम
स्थानेसे इतनेहरखिडाकरना जिसमे
मालमहोवेकीशत्रूनेंकोईआदमीनही
छपायाहै औरसंपूर्णजमीनजोसामने

हैउसकीखबरदारीमे रहनायामेलेनाचाहि
ये पैटरौलकेसाथ औरयहयहबाहरका
विकट पाखबरलेनेवालाहैनारोकीजा
तीतबवहगुल्मस्थानकेपासचोरीसेंजा
नाचाहिये जबइनकीइतलाहननातो।
मनसाहैआगेंजाना तबजानेचाहियेहु
स्यारीऔरखबरदारीसे हुसयारमनु।
ष्यआगेकीगारदकेवास्तेभेजणेचाहि
ये औरदोनोतरफगारदरखणीचाहिये
पार्श्वकीरक्षाकेवास्ते। यदकिसीसबब
सैमालमहुवाकीआक्रमणशत्रुसेंछि
पानहीहै तबविचारकरनाचाहियेकी
यहअवस्थाऐसीहैलोटजाना अछाहै
तोलौटजानाचाहिये यहबातहोतीहै
केवलजबबलथोडाऔरजबरदस्ती
आक्रमणकेवास्तेकमहै यह गुपचुप
आक्रमणनहीहोसका औरऐसीअव
स्थाकेवास्तेवंदोवक्तकियागयातबगु
पचुपआक्रमणहोउनाचाहिये औरउ
सकेसाथखुलीलडाईकरनीचाहिये
औरयहआसानीसेकरसकेहै पिछलेवं
दोवक्तसेसंग्रामबलजोलगायाहै तक

सीमकरनाचाहियेविशेषजातीयकाम
केवास्ते आक्रमणकेवास्तेकैसेन्यखंडव
नानेचाहिये कोईरूढाआक्रमणकेवास्ते
कोईसचाआक्रमणकेवास्ते औरमदत
देनेवालाउनकेनजीकरहेगा औरकुछ
वलपीछेरखणाचाहिये रत्तककेवास्ते
यहफेरपीछेंलौटआवनाहोगा जवआक्र
मणनामहोताहै सौम औरवलविशेषविं
हैकेउपरलगानाचाहियेपार्श्व औरपीछे
कीतरफकीरत्ताकेवास्ते इसवास्तेयह
शत्रूकोखबरहैतोवहभीउसीतरफआ
क्रमणकरेगा तोकोईआदमीचाहियेकु
लाडी औरहथोडावडा औरलोहदंडले
जानाचाहिये द वंजायाकोईरोकनेवा
लीचीजकोंतोडनेकेवास्ते थोडीवरूद
कीथैलीजिसमेवत्तीलगीहुईहैसाथ
लेजानीचाहिये फाटकयाकोईऔररो
कनेवालीचीजकोउडानेकेवास्ते और
आदमीइसकामकेवास्तेआदमीखुण
करलगानेचाहिये औरप्रसेकखंडके
साथरक्षादिवानेवालाचाहिये यहउस
केउपरपकीनहै परंतऔरअच्छाहोगा

जोआपकअमलकों आपरस्ताओरसभवात
मालूमहोवेतो इसमेंयहफलकेवास्तेउप
हितहै जिसवक्तमनकीइच्छाहै यांवहोव
स्तजानेकोहोतो उनकोंकूचकरनाचाहि
ये जैसेवहगुल्मस्थानकेनजीवपडेवेगा
मीलपाउँछमीलआक्रमणकेवक्तसे प
कछटापहलेआखिरकासंपूर्णवंदोवस्त
करनेकेवास्ते यहवंदोवस्तकूचकेवास्ते
होताहै जवशत्रुकीपिकटओरपेटरोल
कीजगाखूपजानतेहै ओरउनकेसभंव
दोवस्तगुल्मस्थानकेरक्षणकेवास्ते मा
लूमहोगया जवआतापकाअसलअपणा
कामालूपजानताहै ओरएवंउश्रेणीलेजा
यगा उसविहूपरजोआक्रमणकरनाहै
परंतुयदयहसंपूर्णविवरनामिलेतोइ
सवास्तेशत्रुकीपिकटकीजगहरातवेरा
तवदलजातीहै याकोईओरसववसे तव
फोजओरसवेरेजगहपरलेजानीचाहिये
ओरठहरनाचाहिये जवतलकउसकेस
मकामोंकाहालमालूमनहीकिया यह
संपूर्णबातेंदरयाफतकरनेकेवास्तेपेट
रोलकापकएवंउआगेभेजनाचाहिये जि

उ.
५९ सेमेवहउसजगापरपहुंचेसामकेवेले
औरसंपूर्णवातदरयाफतकरे इसपहले
अवस्थामेंआक्रमणकरनेवालाकोजा
णाचाहिये इसरस्तामेंकिजिसमेंचुपचा
पजायसक्ताहै औरजबवहखेड़ेहोनेकी
जगापरपहुंचता तोहुसयारआदमीचु
णकरआगेभेजनेचाहिये पेट्रोलकेवा
स्ते औरयहदरयाफतकरनीकीशत्रूकी
पिकटऔरखबरलेनेदेनेवालाकिससू
रतसेलगायागयाहै औरजोकुछखबर
मिलसके आक्रमणकरनेवालाबलने
शत्रूकीपिकटकोंविनाखबरलियेजाना
फलकीउपेक्षाहै यहपहलेकेकाममेंको
ईकालमटनदेवेगा जबयहपूराहोगया
तोआक्रमणकरनेवालाकोंआगेबढ़ना
चाहिये जबतलकगुल्मस्थानकासंत
रीउसकोनहीदेखे तबउनकोंइकट्ठेहोज
नाचाहिये औरजितनेजोरसेआक्रमण
होसकेतोतितनाअच्छाहै औरगुपचुप॰
सेफलहोवेगा। आक्रमणकरनेवाला
कीसेनाकेविभागकरनेकावर्णन आक्र
मणकरनेवालाकेवलवाटनेमेंऊछनि।

59

यमनहीहै कौंकिउसमेंवडूतविचारहै
परंतुअच्छानहीहै छोटेवलकेवडूतवि
भागकरनेकूहैआक्रमणकेवास्ते इस
वास्तेआदाघादोतीसराहिस्सावलकाअ
करकरनाचाहिये आक्रमणकेवास्ते
वाकीकेपीछेंरखणेचाहिये लोहजाने
कीरख्याकेवास्ते याकोईऔरकामकेवा
स्तेजेसीअवस्थाहोवे यहवलवडूतहै औ
रगुल्मस्थानवडाहैकीजेसापरिखावाला
ग्रामहै तोपकत्रतीयांशवलाकाअशिल
आक्रमणकेवास्तेरखणाचाहिये औरए
कत्रतीयांशकूंठाआक्रमणकेवास्ते औ
रपकत्रतीयांशपीछेरखणाचाहिये उ
सकामकेवास्तेजोपीछेलिखाहै पहली
अवस्थामेंआक्रमणकीसंख्याशत्रूकीसं
ख्याकेवारावरहोणीचाहिये औरपीछ
लीअवस्थामेअधिकहोणाचाहिये जोकू
टआक्रमणकरताहै उसवलमेसें या पी
छेरहनेवालासेऊकआदमीलगाणेचाहि
येगुल्मस्थानकेदरवाजेकेपास जोआक्र
मणकेविंदूकेपासहै यह दरवाजानहीहैगु
ल्मस्थानकेपासतोगलीयामडककेपासल

उ.
६०
गणाचाहिये औरयहखूबखबरदारीकर
नीचाहिये औरयहखबरखुलीजानीयाप
कड़जाता तोउससेफायदालेनाचाहि
येइनकेसाथआदमीजानेचाहियेरोकनेवा
लीचीजनकोतोड़नेकेवास्ते। जबयहसं
पूर्णविशेषबातेंबंदोवस्तकीगयी और
सरदारजोखड़ंश्रेणीकोहुकमदेनेवाला
है सोअपणीकामसभसमसमफलेवेगा और
क्याबातकरणीचाहिये आक्रमणमेंवाहे
फलमेंचाहे नासकरनेमें औरयहसम
णचाहियेकीकिसलक्षणपरआक्रमण
होता कोईनिसानयाजवानप्रकारकर
णीचाहिये जिससेअपणे औरशत्रुकेआ
दमीअंदरमेंपचानेजावें जबयहसंपूर्ण
बातेंअच्छीतरहसेंकिया तोश्रेणीखड़ं
तियारहोगा आगेंबढ़नेकेवास्ते यह
आगेंबढ़नातूफानसेविनाजलदीसेक
रनाचाहिये औरखड़ंश्रेणीविभागहोजा
तीहै जबगुल्मस्थानकेनजीकहुंचतीहै
औरयहअपणीअपणीजगहपरचलीजा
वेंगीसमर्मेसेअच्छेरस्तामेंजोमिलसक्ताहै उ
सकेआगेकोउआदमीजोहुकमयारऔरप

कौरहै सोजावेंगेआगेंकागारदकेवास्ते औ
रपहलेषुपदेवेंगे औरशत्रुकोपिकटयाचौ
कीलयाकोईषबरलेनेदेनेवालेआदमी
कोंपकडलेवेंगे। आक्रमणकावर्णन
यहषिडश्रेणीसेंमुहानकोकिलाबंदीको
आक्रमणकरनाहैजिसकेगिरदमेंषाईहै
यामिटीकीसलामीहै उसषाईकेबीचमें
वहषुपचापसेजावेगी यह इसमेंकाषर
चितभितीयाकोई औररोकनेवालीचीज
नहीहै तोवहश्रेणीषिडउनकेबीचमेंष
डीहोगी औरनहरकेठेहोकरउपरजावें
गे उनकेपीछेवालाजितनानजीकहोस
काहै उतनाहोवेगा औरमददेनेवाला
षडाहोवेगा षाईकेकिनारेपर औरसमु
हणकरेगा याआगेंबढेगा जैसामुनास
बहोवेगा औरबाकीकाश्रेणीषिडजराह
रषडाहोगा यहरोकनेवालीचीजनहोती
है जोआगेनहीदेषलयो जिसमेंकामक
रनेवालेआदमीलगानेचाहिये उनकेसो
रसेंगुपचुपकीबातसमझनासहोवेगी औ
रषबरहोगयाशत्रुकेहिरानकरनेकाष्या
लंबदोबस्तहोनाहै जैसाआक्रमणकर.

३.
२। नेवालेविंहकेसामनेपडारहणा ओरम
दतदेनेवालापार्श्वपरसंधृतणकरनेको
61 तियारहै जिससेंशत्रुवनारेकेउपरनहीं
होसक्ता यवयहहोगयातोकामकरने
वालाखाईकेवीचमेंजावेगा औरजाय
करदेवेगा कीयहांक्याकामहै औरयह
कामःकठाकरेगा विनाफिकरकीआस
पासक्याहोताहै जवतलककामपूरान
होऊवा तोउसीवक्तआक्रमणहोगा जव
वहखाईमेरोकनेवालीचीजसफाऊई
औरकोसमकरनीचाहिये एवंउश्रेणी
कोआगेंवयनाशत्रूकेवलकेवीचमें जो
वलवनारेकीरक्षाकेवास्तेलगायाहै
जवयहकामऊवातोवहफेरखडाहोगा
आगेंकेकामकेवंदोवस्तकेवास्ते और
फायदालेनाफलसे। जवफौजचली
जातीहै आक्रमणमेंतोसमकामकरना
चाहिये संगीनसेंथोडाफायदाहोतापह
लेवालाआदमीजोवनारेकेउपरसंधृत
णकरना विशेषश्रेयरेमेंयासवकेव
क्तसंधृतणकरनेसेंकेवलउनकावेगक
मकरना उसवक्तअपणावेगजादेकरना

चाहिये उसवक्त आक्रमण करनेवाला विल
कुल बेरहत कमे है वह नजर पड़ता है और
किलावाला नजर में नहीं आवता यह बह
कुत नजीक है तो भी नजर नहीं आवेगा
और जब एक आदमी किलाबंद के बीच
में चला गया तो उनके साथ ही संपूर्ण
बंद करना जरूर है इस वास्ते संपूर्ण क
रने से फायदा कुछ नहीं होता और दस्त
रहे सम कामकरना सगीन के साथ

| |
|---|
| विश्वम्भरजी १९२२ कतक १३ से |
| पहली मचरतक पत्र ९ स्लोक १४. |

यह कोई दिवाल या कोई और चीज कुचोल
यने के वास्ते है तो आगे बंधनेवाला विउपो
ड़ी ले जावेगा और उनको साथ साथ लगा
वेगा और जब अच्छी तरह दरयाफत कि
या तो समझ पणी अपणी जगह पर लगा
ई गई तो फौज ईनके ऊपर ले य जावेगी
जितनी रक टोल य सक्ती है और इनका
अवलं वा फैलाया जावेगा जितना फैला
य सक्ते है और ऊपर वउ के नीच को कूदें
गे भीतर की तरफ और फेर जमा हो जावे

उ
६२ 62

गे और आगेंको चलेंगे जितनी जल्ल होव
लसके है अवस्थासे काष्ठमय भी भीउ
भीतर हलचल सके है दरवाजे या कोई और
रोकने वाली चीज को उडाने का वर्णन
घर या फाटक के आक्रमण में यदि वरूग
पत्रुपसे नाश नहीं हो सके को जवन ला
कउन के नजीक पहुंचते है इससे और स
भावना नहीं है रोकने वाली चीज या दरव
जे के तोडने में बारूद की थैली सम से अच्छी
वी है एक थैली जिस में १७ या १९ या २०
सेर बारूद है जैसी रोकने वाली चीज की म
जबूती है इस में उडाने के वास्ते बत्ती लगा
ई हुई होती है और दरवजे के साथ लटका
ने के वास्ते उसके साथ दो कर सी बंधी हु
ई है तो यह कील के साथ दरवजे के ऊपर
या कोई फाटक के ऊपर इस्तानी से लगाए
सके है यद्यपि यह हो सका शत्रु के विना खे
वरतो और अच्छा है इसके वास्ते छोटा व
मी गुप तुप अच्छा काम देवेगा जब लगी
हुई बत्ती बल जावेगी और मनुष्य थोडा
पीछे हट जावेगे अगाडिं जो जबरदस्ती
से भीतर जाने वाला है सो १९ या २० गज

पीछें खिडाकीं रेगे श्रौर थोडे मजबूत श्रादमी
उसके साथ खिडे होवेगे फलाडी श्रौर मार
तूल लेकर बंदूक के उडाने सें सभाना है की
सभ काम सहोगा न छूटहा दिस्थल जो होवे
तो जलदी सफा होसक्ता काम करने वाला
से यद यह सभ कुवायु पचुप सै तो वकृत
श्रच्छी बात होगी यद फायदा लेया जाता
शत्रू के रौला से तेज श्राक्रमण करने सें
यद काम गुपचुपना सहो जाता है थैली
लगाने से श्रागें श्रौर यह करना होवेगा
जबरदस्ती से कुछ परवाह नहीं है शत्रु
चाहे कि तनी रोक करता सभ से श्रच्छा रस्ता
यह है एक मजबूत संधुत्तण करने वाला
श्रेणी खिड श्रागें होउगा जो रक्तक करने वा
ली जगह मिल सक्ती है सो ले लवेगा श्रोर
वह शत्रु के संधुत्तण वंद करने को कोसस
कर सक्ता है श्रौर जब यह संधुत्तणा वंद क
रता तो श्रादमी वंदूक की थैली लेकर दौड
जाता है श्रौर थैली लगाय देता श्रौर श्राग
भी लगाया देता है श्राप भाग श्रावता है ।।
गुपचुप श्राक्रमण के पीछे गुल्म स्थान प
कड लेने का श्रौर रखने का वर्णन श्रामया

उ.

६३ छोटे गुल्म स्थान के आक्रमण में जिस स्था-
ण में किसी स्थान से भी नर गये तो कुछ व
ल ये लग करना चाहिये दूसरे आक्रमण
की खबर के वास्ते यद हमरा आक्रमण-
होता तो पक श्रेणीं खिडछोड़ना चाहिये
उस जगा पर वह गुल्म स्थान को गये हैं औ
र उन को चुपचाप से चलना चाहिये संपूर्ण
गारद और ग्राम के रक्षा पकड़ने के वास्ते
यद दरवाजा या रस्ते रसी न रह पकड़े जाते
तो वह रस्ता खोल सक्ता है जिस में कुछ
आदमी जो पीछे रह गये हैं उन को भी नर
आवणें को और यह रसी काम के वास्ते
तियार रखणे चाहिये यद शत्रू को खबर
हुवा और फोज जमा होती है रोकने के वा
स्ते तो यह वेंदो वस्त फायदा देवेगा और
कुछ काल जुग मान नहीं करना चाहिये
जलदी से पक जबरदस्ती आक्रमण कर-
ना चाहिये जहां शत्रू का वड़ा खिड़ जमा हो
वे वहां और आगे वधने में खबरदारी करनी
चाहिये की मरा लोट आवने का रस्ता खु
ला रहेगा स्थान की गुद्धी खबर मिलने-
की कीमत वहुत है अर्थात फल के वास्ते

उपेक्षितहै क्योंकि किसमसूरतसें यहसम
जलदीसे होवेगा यहयहखबरनामिलेगी
आक्रमणकरना भला और जबरदस्तीव
लसे भला और जबरदस्ती आक्रमणहो
ना यहहोना है जब गुप्तचुप आक्रमण
की अवस्था उलटी होती है। जैसा जबगु
ल्मस्थानकी आसपास जिमीनमेरतक
नहीमिलता। या गुल्मस्थान बहुत अच्छा
और रूसयारीमें रक्षितहै और लाचारी
मे होता अर्थात आक्रमण हमने जरूरत
सेकरना या लोटाइ आवना जैसा सा यहहो
गा साधारण लडाई मे। या इसकि समका
आक्रमण दिलसे करसका जबकि लांबे
दीम जरूरत नहीं पाना नतिया है और पाउ
सानीसे उसकी वउरे खोपर तिर्यक संयु
लकरसकता तो पकसे। या जब दियापत
किया की आज्ञापका अतगे दिलै है। बहु
या जो खबर गुप्तचुप आक्रमणको बदोब
स्तकों उपेक्षित है इसीकि समके आक्रम
णकोंभी उपेक्षित है किसी अवस्थामें स्था
नकी खबरभी उपेक्षित है यह एक हेले दियाय
पत करनी चाहिये की के सा पतिबंध कम

३.

६४ 64 निक्रमणकरनाहोगा औरमेरेपासइसका
मकेवास्तेकितनीसामग्रीमेरेपासहै ज
वतलकयहखबरनामिलीतोफौजको
आगेवंधनानहींचाहिये अलवत्ताकुछ
छोड़नाहोगा आकस्मिककार्यकेवास्ते
औरअक्षीकिस्मितकोंपरंतु इसपरव
हुतपकीनहीरखणाचाहिये यहकाल
हमप्रसिद्धकरनेसक्तेहे याअवस्थाऐसी
होतीवलकोंरत्नकमेभरसक्ताहे रात
मेयाथोडेदिनकेआगेंतोअच्छीवातहे
परंतु यह आक्रमणकरनाहे दिनमे
औरकोईरक्षककीजगानहीहे जिससे
काममेफायदालेसक्तेहे तोसभसेमज
बूतऔरहुसयारवंदोवस्तकरनाचाहि
ये उससंधुक्षणकोवंदकरनाजोआगें
वधनेवालेश्रेणीखिड़केउसपरहोगा
वहसंधुक्षणहेसभसेखोराववातश्रे·
णीखिड़केवास्ते कोंकि वहउसपरफे
रसंधुक्षणनहीकरसक्ता अग्रगसेनि·
कलतवशत्रूकेपासपहुंचताहे तवलड
सक्ताहे पहलेनहीलडसक्ता इसवास्ते
एकमजबूतसंधुक्षणकरनेवालाश्रेणी

खिंउकारक्षणकरनेमेंजबवहकिसीकि
लाबंदीकेआक्रमणमेंहोताहै। यहदे
किसमकेआक्रमणमेंजोवर्णनकिया
उसमेंबहुतफरकहोताहै क्योंकि एक
मेंकल्पनाकियाकीशत्रुसोता और हम
रेमेंकल्पनाकिया की वहजागता और
वहसंपूर्णसामग्रीजोउसकेपासहै लगा
यहेता आक्रमणकेरोकनेकेवास्ते परं
तुइनकानियमएकहीहै औरयहनिय
मपीछेकेवर्णनमेंमालूमहोगा। जबआ
क्रमणकाफलहोताहै उसमेंजोबातध्या
नदेणाचाहिये औरजोबंदोबस्तकरना
चाहिये पिछलेकेवर्णनमेंलिखागया
औरयहऐसाहै उसकिसमकेआक्रमण
में जोअपनीविचारमेंहै परंतुशत्रुइसमें
औरअच्छीतियारीमेंहोवेगा रोकनेकेवा
स्ते इसवास्तेबंदोबस्त औरमजबूतहो
णाचाहिये औरकुछकालनुकसानहोक
रना प्रथमफलकाफायदापक्काकरनेको
जिसजगासेभीतरगये उसजगहपरमदद
देनेवालेछोडनेचाहिये जैसीअवस्थाहो
तीमजबूतखंडश्रेणीकामेंहाथ औरदहने

उ.
६५ हाथपरभेजनीचाहिये शत्रुकेपीछेंकि
लाबंदीकेभीतरसफाकरनेकों औरयह
हरगलीबारसेकेउपरगारदरखिणा जि
समेशत्रुआयसकाउसकोंअलगकरना
दरवाजाऔररस्ताजोआक्रमणकीतर
फखुलताहै उसकोंपकड़नाचाहिये स
हतदेनेवालीफोजकोंभीतरबढ़नेकेवा-
स्ते औरउसवास्तेवहतिथारहनेकेवास्ते
औरजबबलजमाऊवालाजोरकाआक्र-
मणकरनाचाहिये शत्रुकीविरुश्रेणी
केउपर। यहगुल्मस्थानकेबीचमेंभीत
रकीकिलाबंदीहै उसकाआवनेजानेका
रस्तापकड़नाचाहिये औरयहशत्रुउसके
बीचभागनेवालाहोतोउसकीरोककर
नीचाहिये याउसकेसाथउसजगहकेबी
चमेंजानाचाहिये। परिखावालेग्रामका
आक्रमणकाध्यान। यह थोड़ेसावहारि-
कनियमलिखेतेतोबहुतहैंगे यहवात
होगीप्रधानकिलाबंदीकेउपरजिसमें-
परिखावालेग्रामकीमनहूतीरहतीहै
जैसामोरचावालाघर यागिरजाघर या
मंदिर याछोटामिटीकाकिला याकोईओ

रकिलाबंदी। ओरयहगुल्मस्थानवाजे।
बडूअलगहोताहै वाजेबडूग्रामकीर
क्षाकेवास्तेहोताहै। मिटीकीकिलाबंदी
यामिटीकाछोटाकिला जोपीछेकीतरफ
खुलाहै उसकाआक्रमणकरनेकावर्णन
संपूर्णइसकिसमकीकिलाबंदीजोअल
गहोतीहै ओरयहपीछेकीतरफखुली
बनतीहै परंतुवहबंदहोतीहै काष्ठमय
भिसीयाफाटकसे यहसाधारणमिटीकी
किलाबंदीहोतीहै जिसमेंपरिखाहै ओर
बहुतऊंचीचोटीहोतीहै जैसागुल्मस्थान
है अर्थात्‌बड़ाहोतावडूतदुंगाचोटाछोड
होताछोटा उसकीसलामीसफावनती
है मिटीकेसाथपाईटकेसाथ ओरउसके
नीचेकाष्ठमयभितीलगाईजातीहै। पी
छेकीतरफसाधारणकमजोरजगाहोती
है ओरबहाखुलाछोडदेताहै उसकोओर
किलाबंदीसेरक्षणमिलसकताहै यदऐ
सीकिलाबंदीवडीहैतोउसकेआक्रमण
केवास्तेकैएकखंडश्रेणीमेजाणीचाहिये
सभसेवडीखंडश्रेणी उसकीकमजोरज
गापरभेजणीचाहिये ओरवहमदतदेनेके

वालेरखनीचाहिये यदहोसकेतोछपा
णीचाहिये औरजबतलकशत्रूखोपला
ताहूसरीखिडकेआक्रमणमें औरउनकी
रछ्छाहेउसकेरोकनेमें तबबहुतसाम
मेवलसक्ताहै औरकाष्ठमयभिंतीकों
जलदीतोडसक्ताहै औरदूसरीखिडश्रे·
णिकरेगीजेसीअवस्थाहोवेगी। यद
ऐसाहोताकीजिसमेंपीछेकीतरफआ
क्रमणकरनाअसम्भवनहीहै तवसाधा
रणतनवीजउलटीहोवेगी औरउसज
गहपरक्रूरआक्रमणहोगा औरएक
खिडश्रेणिजोछपाईहै सोसबआक्रमण
करेगी बाहरकीकोणपर जबरदणक
रनेवालेकामनक्रूरआक्रमणपररहा
यदि कोईकिलाबंदीकीखाईकेगीरद
परदिवालहै तोपोंकेसाथउसकेऊ
परचढनाचाहिये क्योंकिखाईघासकेसा
थयाकोई औरचीजकेसाथभरनेकीब
डतदेरीलगेगी औरजबउंचीहैतोउसके
नीचेकूदनाखौफकाकामहै औरजबनी
चेपहुंचेगातोबाहरनहीनिकलसक्ता य
दखाईकीदिवालबहुतछोटीनहीहै

यह खाई में दिवाल नहीं परंतु उसकी मि
टी की सलामी पसी है कि जिस में आदमी
नहीं लंघ सकता तो पोडी इस काम के वास्ते
अछी होगी और यदि पोडी नहीं मिल स
की तो मिटी की सलामी में पोडी वनानी
चाहिये इस काम करनेवाला से जो खेडु
णी के साथ है इस काम को रस्ता मिलेगा
एक मजवूत संयुक्त करणे वाले खेडु से
यह बल के साथ तो फ़ हे तो वनारे में छि
द्र वनाय सके है और खाई में निर्भय संयु
क्त करण सके है काहूं यदि भी तो के तो ड
ने के वास्ते जब यह काम पूरा हुवा तो खेडु
श्रेणी को हुकम मिलता है भीतर दोडने
के वास्ते । परंतु जब काम इसी तरह सफा
ई न तो नव हूं रा आक्रमण वहुत काम दे
वेगा परंतु काम नहीं वनेमे । यह मिटी का
किला है जिस की गिरद पर वनारे है और रह
जगह पर वरावर मजवूती है नव आक्रमण
इसी तरह से होगा । उसके को एक मजवू
जगह है और आक्रमण का हे सवावा है पू
रा है उस पर होणा चाहिये । जो किलावंदी
वाला मकान है उसका आक्रमण करने का

उ.
६०
67

वर्णन छोटेगुल्मस्थानयाकिलाबंदीवाले
मकानके आक्रमणकी तजवीज और करनी
पुवानगणकका कामहोगावहस्थानग्राममे और
छोटेकिलेकाआक्रमणपहलेनहीकरेगा
परंतुकुछपरवाहनहीकितनाछोटागुल्म
स्थानहै यदवहअछीतरमजबूतकीयागा।
या औरकुमघारीसेरक्षकमेहै तोवहअप
णीकुमघारी औरवहाडरीदिखलायसक्ता
है इसकेआक्रमणमे कल्पनाकरोकीवरा
बरलडाईहै औरकिसीकेपासतोपनहीहै
औरदोवलोकीक्याकामकरनाचाहिये औ
रकिसतरहसेविशेषमुश्कलकीवातांजोऐ
सेकाममेहोतीहैसोअतिक्रमणकरसक्तीहै
पहलेकल्पनाकरोकीगणकऔरवहजोउ
सकेनीचेहै उन्होनेहूरवीनसेदरयाफतकी
याकीउसकेबाहरकारक्षककैसाहै। वह
आक्रमणकरनेकाविंहूमुकररकरताहै
औरकल्पनाकरोकीशत्रूकोंउसकाईरादा
मालमहै औरउसकेवास्तेतियारीमेरहता
औरयूपसेउसकाकामऔरछलदिखला
ईदेताहै वहअपणावलकेविभागकरता
औरआक्रमणकेवास्तेविउश्रेणीवनाता प

हुला आक्रमण होता है अथवा नस्थानपर उस
तजवीज जैसे जो पीछे वर्णन किया है हम फेर
कल्पना करेंगे की बाहरका प्रतिबंधक अति
क्रमण हुवा कोई तजवीज जैसे जो पीछे वर्णन
कीहे परंतु अबी उसके सामने वडा अंतर है
जिसमे प्रतिबंधक और मोरचा ऊपर से नीचे
तलक लगा है और लोकों से भरा हुवा यह
वगावोफ और अनातिथ्य की चीज मालूम
होती है पदगणक को यह मजबूत जगा के
रक्षक की अबी तरह खबर न होती या उस
के आसपास को अबी तरह सही जानता
जिससे वह अपणे आक्रमण की तजवीज
तियार कर सक्ता तो बाहर की किलाबंदी के
आक्रमण का फल हुवा फेर उसके वास्ते अ
च्छा होगा यद वह थोडे काल के वास्ते अपणे
बल को रक्षक में रखेगा जब तलक बाकी को
किलाबंदी को छोड देवेगा और तजवीज
किया तो फेर क्या करना चाहिये नहीं तो ब
हुत तजवीज और खेदिसावसे आक्रमण कर
नायडेगा और इससे बहुत नुकसान होगा
और सायद आक्रमण बिलकुल नास होवे
गा इसवास्ते रनका काम यह होगा की त

उ.

९८ मामघरके आसपासथोडेहरसैदेखणा पद
पड़होसक्ताहै तो परंतु पदअवस्था है जिससे
उनकी मनसा है किसीजगह पर आक्रमण
करनाजो नजरआवती है जो आगे एक उलि
या तो पीछेकी तरफ पर ऊंठा आक्रमण क
रना चाहिये रक्षण करनेवाला का मन खि
चने को हम अबी कल्पना करेंगे की वह घ
र की कोण एक कोण के सामने है और कि
सी चीज के रक्षक में जो पंचाशया ८० गज के
अंतरमें है थोडी जिमीन की सलामी उनके
आदमीयों को छुपाती है जब वह पडे रहते
है वह देखता एक तरफ घर पर की शत्रू से
युद्ध करसक्ता है खिडकी से और मोरचा
से जो कोण में बणा हुवा है और हसरी तर
फके केंडमे दरवाजा लगा हुवा है और उस
के सामने लकडी की गेलाल लगी हुई है रक्ष
के वास्ते और खिडकी उसके दोनो तरफ नी
वे है और यह मजबूत किया गया लकडी से
और उसके सामने खाई करी हुई है । गण।
कने उसके साथ छे पोडी लगाई वा रह फुट
लंबी और दो बारूद की थेली जिसमें बत्ती
लगी हुई कुछ साथ काम करनेवाली हु

लाडी और खजानदेउ और उसके पीछे थो
डीमदद देनेवाला रहना चाहिये और वह
लगाया जावेगा जैसी अवस्था होगी। वह
देखता की यद वह पहले कोण के ऊपर दौ
ड जाता है वह शत्रू के संघट्टण से छूट बच
जावेगा और यद वह दोनो पार्श्व के संघट्ट
ण पर जावेगा तो रतने नही बचेंगे इसवास्ते
वह इस तरफ के जाने में मनसा करता औ
र यह अवस्था में जब रस्सी का मसला है
इसवास्ते दोनो थैली का बरूद खेरच करने
को मनसा है एक वह गोली उडाने को जो द
रवाजे के आगे है और दूसरी खिडकी को उडा
ने को और फेर खिडकी के भीतर जावेगा
फौजी की मदत से और दरवाजे तोडेगा
भार मूल के साथ और उसको लनदउके सा
थ तो वडी वात है आदमी को शत्रू के संघ
ट्टण में नही डालना फायदा विना इसवा
स्ते वह केवल वह आदमी आगे भेजदेता
जो लोउ है वरूद की थैली लगानी और उ
डानी और एक छोटी खिडकी आगी उसका
रक्षण करने के वास्ते कोई विशेष मोरचा
देखने से वह दो आदमी एक थैली के साथ

३·
६९ 69 भेजदेता ओरदोआदमीजलीहुई वत्तीकेसा·
थभेजदेताउसकेदागनेकेवास्ते ओरएकएक
कांविउकेसाथछेआदमीभेजनेचाहिये ओर
वहशत्रूकासंयुक्षणंवंदकरेंगे जोकिसीमो
रचासेहोताहै पाछेलीलेजानेवालासेशत्रू
कामनखींचेगा छेलीलेजानेवालाकीऊ
मयारीसेंफलउपेहितहै इसवास्तेवहइसका
मकेवास्ते आदमीचुणलेता जोइसकामको
उपेहितहै ओरवहउनकोवतलायदेताकी
किसस्तूरतसेकामहोगा ओरकौनसीनो·
करीहरएककरनीहोगी। वहआक्रमण·
कीविश्रेणी ओरसंयुक्षणकरनेवालीविउ
श्रेणी ओरपार्श्वकीरक्षाकेवास्ते मददतदेनेवा
ला ओर कूठाआक्रमणकेवास्तेविउश्रेणी
वहसंपूर्णवांटनेचाहिये ओरहरएकवात
तियारहोणीचाहियेचलनेकेपहले। वह
फेरआक्रमणकेसाभामतजवीजवतलादे
वेगा ओरमदतदेनेवाले ओरपीछेरहनेवा·
लाकीजगहवतलादेवेगा इत्यादिइत्यादि जव
यहसमवातहोगई तोकूठाआक्रमणकरने
वालाघाकेपीछेंचलाजावेगा ओरदुसरासे
जावेगाकीजिससेवहरक्षकपायसका।

अछाकालदेखकेकामशुरूकरेगा औरयदकु
छरातकस्थानहोगा तोंसयुतणकरनेवाले
फैलायेजावेंगे घरकेदोपार्श्वकेसामने शत्रु
कामनंखीचनेकेवास्तेउगसानकरनेकीसं
भावनानहीहै क्योंकि मोरचावरूतसोउाहै
औरइनकेबीचमेगोलालगानाइतनेअ
तरपरअस्कलहै जबयहरूवातोभरूदकीथै
लीखोनाहोगी दोनोंखिडअणीएकदममेदो
उजावेगीघरकेकोणपर औरउधरजाके
अलगहोजावेंगी औरअपणीअपणीजगा
परदौडजावेगी जितनीजलदीदोडजाता।
है वहखाईकेबीचमेचलेगीयाउसकेकि-
नारेपरचलेगी यहकायदाहोगादोहणमे
खिडकीउडानेकीथैलीउसपरथंमीजावेगी
मजबूतदंडसे यहउसकेचौकाठपरलगा।
याजावेगा वहजोगोलीउडानेकेवास्तेएकम
जबूतकीलठोकाजावेगा औरउसपरल
गायाजावेगा गोलीकेशिरेपररसीलगाईजा
वेगी आदमीजोमोरचाकोंदेखताहै उसकों
मोरचाकेंनजीकखडेहोनाचाहिये जितना
होसकताहै उसकेसामनेनहीखडाहोनाचा
हिये लेकिनजराएकतरफ औरउसमेसर्व

उ. दासंधुत्तणकरनाचाहिये औरजितनारहत
७. कपार्श्ववालेमोरचासेपायसक्ता उतनापा
70 णचाहिये यदसाधारणआक्रमणमोरचेके
ऊपरहोतातोआदमीवेफायदाशत्रूकेसंधु
त्तणमेडालेजातेहै यदकोईविशेषअवस्था
नहीहोती जैसाजवएककितारमोरचाहै
याऊछकामकरनाहोगाजोनहीहोसक्ता
विनाशत्रूकेसंधुत्तणमेवऊथाआदमीडा
लनेसेवऊतकालकेवास्ते जवदोणजाद
कितारकामोरचाहै औररत्तणकरनेवा
लाहाथकावंवगोलाफेकसक्तेहै ऊपर
वालीखिडकीसे उनकासंधुत्तणदेनेके
सिवाय ऐसीअवस्थामेआक्रमणकरने
वालाकीसामग्रीकिलावालाकीसामग्री
केवरावरनहीहै इसावास्तेडणसवनही
होगा ऐसेआक्रमणकीकोसमकरनीके
वलथोडीपरंतुजवजरूरतकरनातोअ
धिकसंख्यामेमोरचाकाआक्रमणकाफ
लहोगा यदउसकेनजीकजायसक्तेहै जि
समेउसकेभीतरसंधुत्तणकरसक्तेहै
औरनजीकजानेसेहमसरेमोरचेकेसीधे
संधुत्तणसेऊछवचजातेहै जववरूदकी

पैलीलगीहुवाहै उसकीवतीहागनीचाहि
ये और पद आदमीपीछे जायसका ८ गज
या १२ गज और दिवालकेनजीक दोमोरचे
केबीचमें खिड़हो तातोवहजादेहलकपावे
गापीछेनसनेसे उसजगासेजिससेवह च-
लाआया इसीकालमेंकूहाडीवालाओ
रपौड़ीवाला और आक्रमणकरनेवाला
खिड़ितियारहोणाचाहिये आगेकूटनेकों
जिसवक्तमेंवहदउड़तातोवहकूदेगा
और आगेंभागेगा और पोड़ीखिड़कीपर
लगाईजावेगी जैसादिवालकेऊपरच
ढ़नेकेहै यदखिड़कीनीचेहोवे तोपोडीसे
पुलवनायसक्तेहै खाईलंघनेकोपदभी-
तरजानेकोयहप्रतिबंधकथा। संघट्टण
करनेवालाखिड़पाखिड़ औरमोरचाकोदे
खेगा और जिसवक्तरस्ताखुलाउसवक्त
आक्रमणकरनेवालाखिंडमजबूतीसे
भीतरजावेगा और मददेनेवालाउसके
पीछेहोगा और यहसबकालदेखकेआप
णेकबपाणेवालीजगासेचलाआवेगा गो
लीकेआक्रमणमेंसायतकूछदेरीहोगी
क्योंकिदरवाजेजोउसकेपीछेसेतोड़नेहो

उ.
७२ वैगे आक्रमण करनेवालाके भीतर जानेके
वास्ते इसवास्ते ऊलाडी अछी तरह से काम क
रेगी जवतलक वह नहीं तोड़ा गया और और
आदमी लगाया जावेगा मोरचा मे संयुक्षण
करनेको और रस्ता साफ करनेको मदद देनी
जव दरवाजा तोड़ा गया तो आक्रमण करने
वाला एकदम आगे वढ जावेगा और जवरदस्ती
से संपूर्ण रोकनेवालाको अतिक्रमण करेगा
जव भीतर गया तो साथ एक लक्षण खड़ा
होणा होगा आदमी जमा करनेके वास्ते
और फेर भागनेवालाके पीछे जाणा चाहि
ये मद शत्रु पेसा था जो जीता नहीं जा पकड़ा
नहीं जाता और वह ऊपरवाले मजलको जा
ता है जहां उसकी और मनुष्य न जगा मिले
गी तो उसके साथ पौड़ी के ऊपर जाना चाहि
ये और इसी तरह से एक दम मे काम पूरा क
रो यद वह एक जगा चरसे दूसरी जगह भाग
जाता तो उसके पीछे वरावर जाना चाहिये
और उसको एक लक्षण मात्र भी नहीं खड़ा
होणे देणा चाहिये किसी वात का ताल क
रने या दम लेनेके वास्ते जवतलक लड़ना
विलकुल वंद न हो जावा यह रक्षण करणे

वालाशत्रुऊपरपहुंचगया औरपोढीनाम
करदियायाकोईऐसाप्रतिबंधककरदिया
किजिसकेऊपरजबरदस्तीनहींजापसके.
तोनीचेकेघरमेंआगलगानेकीतियारीक
रो पाथरकेकोणमेंसुराऊ.कीतियारीकरो
तोयहशत्रुमानेगा। यदघरकेनीचेवकू
तअच्छीतरसेप्रतिबंधककिया औरआक्र
मणकरनेवालेकेसाथऊआनेवालीबंदू
कीथैलीनहींथी जोकामसकरनीचाहि
येमोरचेकासंधुत्तणबंदकरनाजिससे.
संधुत्तणहोताकिसीविशेषविंदूपर औ
रकामकरनेवालेआदमीलगानेचाहिये.
छिद्रबनानेकोंदरवाजेमेंपादिवालमें। य
दपोउीमिलसकीतोऊपरवालीछिउकीमें
जानेकीकोससकरनीचाहिये क्योंकि ऊ
परवालीछिउकीवक्तमजबूतीसेनहीं
बंदहोती यदइसजगहमेंनहींजापसके
तोछतकेऊपरआक्रमसकरनाचाहिये पो
उीलेणीचाहिये औरलगाणीचाहिये अ
च्छीमजबूतजगामेंजिसमेंरत्तकपायसके
है औरयदहोसकेतोकैजगहपरआक्र
मणकनाचाहियेएकदममें जवछतमर

३.
७२ पंरंचातोपकआघातसेइसकेऊपरछिद्रव
नानाचाहिये औरयहजलदीवडाछिद्रहोवे
गा औरसंरक्षणकरनेवालेखिडकीवदा
लीमेइसकेवीचमेहाथकाबंबगोलाफेंकें
गे औरइसमेसेशत्रूनिकालाजावेगा यदमज
वूतआक्रमणहोताहैसजगापरतोफलसं
भवनीयहै यदगिलजावरपाजेलखोनाया
कोईऔरवडावरआक्रमणकरनेहै तो ऐ
सानियम औरखबरदारीकरणीचाहिये
केवलयहफरकहोगा तो आक्रमणका
वंदोवस्तरतककेसाथवरावरहोणाचा
हिये। संसमवर्णनआक्रमणका विशेष
आक्रमणकाविवर्णीकेवावतगणकीनौक
रीवर्णनकीगई किलाकेआक्रमणकेवर्ण
नमे औरगुल्मस्थानकेआक्रमणकेवर्ण
नमे औरदिवालकेचढानेकेवर्णनमेकी
गई परंतुसाधारणफौजकालगाना और
बंदोवस्तआक्रमणकेफलकेवास्तेचाहै व
हआक्रमणहोताखुलेसहरपरयादिवाल॰
वालासहरयाकिलावंदीवालासहर याप
रिखायागुल्मस्थानयाकंपयहविशेषक
रकेचाहिये उनसकमोंकेविचारमेडालना

जिसके सपुर्द मैं एसा वड़ा काम लड़ाई मे।
होता है तो अवी ऐसा रस्ता दिखलाना की
जिससे फल होणे की संभावना है यह
आक्रमण की मदत देवेगा जव वह रोका
जाता जंगाधव होता है। प्रथम गण जो।
सभ को कुमक देने वाला है और जिसके
सपुर्द मैं संपूर्ण काम है तो वह मदत देने वा
ला श्रेणी खंड के साथ होणा चाहिये औ
र संपूर्ण फौज की खबर लेने देने मे रहे।
द्वितीय फौज जो इस काम के वास्ते मुकर
र होती है वह दो खंड मे तकसीम करनी
चाहिये और एक एक रस्त ककरने वाले
वल के तीन चतुर्थांश के वरावर होणा
चाहिये और एक आक्रमण करने वाला
खंड होता और दूसरा मदत देने वाला।
खंड होता है। तृतीय एक एक आक्रम।
ण करने वाली खंड श्रेणी तीन खंड मे।
विभाग की जाती है एक खंड आगे जाने
वाला दूसरा सरदार खंड तीसरा मदत दे।
ने वाला खंड। चतुर्थ आक्रमण करने वा
ला खंड जव आक्रमण वाला विहपर पहुं
चता तो गण कउस का ईतयाम करेगा

वहूजब आत्तापकाध्यक्षके हुकमके थोड़े
हरसे देखणा जो जरूरत था सो उससे किया
जाता है और हथियार पोशी विरुद्धको देता जो उ
नमें वहै उस अवस्था में और एक विरुद्ध श्रेणी स
फर मेना उसके साथ भेज देना चाहिये । पं
चम मदद देने वाला जो आक्रमण के बराव
रहै इनकाई तथा महोता है उस सरदार से जि
सकी सपुर्द में आक्रमण का विरुद्ध है और इस
के साथ रिसाला और हलका तोपखाना जा
ता है या नहीं जाता जैसी अवस्था होवे जब
इस किसम का बल मजूद है तो पहले वाले
रस्ते में रखणा चाहिये ।५।। गजहर या तोप
का गोला चलने के वास्ते और हमरानजी
करखणे चाहिये जब तलक आक्रमण क
रणे वाला नहीं लड़ता तो फेर बद फैला या
जाता उसके पार्श्व पर और किलाबंदी के ऊ
पर अच्छीतरह से संयुक्त करेगा । पैदल
वाली फौज आक्रमण करने वाले विरुद्ध के
नजीक होती है आप और बंदूक के संयुक्त
णके रक्षक में और वहां खड़ा होणा चाहिये
जब तलक पहले आक्रमण का फल होता है
आक्रमण किसी महीनवाणि से ईतजाम न

हीहोसक्ताथावापयहकहनेसक्तेहैतोदस्तूर
हैविउश्रेणीकोंकिलावंदीकीवाहरकीको-
णआक्रमणकरनीथा कोईओरवेरत्तककी
जगासंधुत्तणकरनेवालाआगेंभेजनाचाहि
ये किसीरत्तककेपीछेंजोमिलसक्ताहै ओ
रयहफाटककेउपरावूपअकीनरहसेसंधुत्त
णकरनाचाहिये इसकेपीछेसफरमेनाहै
ओरहाथकावंवगोलाफेकनेवालालाजा
नाचाहिये ओरजवरदस्तीसेप्रतिबंधकको
अतिक्रमणकरा ओरफेरवडाश्रेणीविउले
जानाचाहिये ओरयहदोनोकेपीछेमदता-
देनेवालेआदमी अछीतरहसेरखणाचा-
हिये आखिरमेजैसाफलहोतातोसमभआगें-
बंधजाता ओररत्तककीजगाहथकडलेता
जैसाकिलावंदीके वाहरकीपरिखासलामी
या मकानया दिवालयाकोई ओररत्तकदे-
नेवालीजगा । कोईआदमीयकगणकेनी
चेरखणचाहिये ओरयहकुकमभिलना-
चाहियेकी हलागुलामेध्याननहीदेणाचा
हिये पंरंतु अपनेसामनेसर्वदासंधुत्तणक
रनाचाहिये ओरसफरमेनालगानेचाहिये
वहजगाकेमजवूतकरनेमेंजोमदतदेनेवा

उ.

७४ लानेलेलिया यागाउी ऊंचीविगेराजमाक
रनायाकोई औरचीजजमाकरनारोकनेके
वास्ते। समम यदआक्रमणकाफलसंदिग
धहै यारोकाजातायापीछेहटजातातोपी
छेमददेनेवाला आजापकाप्रयत्नकेनी
चेकोआगेवधनाचाहिये फलहराकरने
केवास्ते पहलाआक्रमणकरनेवालाउन
कीजगालेलेवेगा जवकरसक्ताहैतो और
तोफखानारखाजावेगा खुलीजगामेजोआ
गेवधनेवालीखिडकीआणीकेवीचमेहै और
वहसंधलाणकरेगा शत्रूकेवीचमेचाहेव
हरोकनेवालाहेचाहेभागनेवालाहै और
यदफलहराहै औरयदरिसालाकोकाम
मिलतावहखुलीजगामेचलाजावेगा ज
ववहसाफहुवा यदकिलावंदीसहरहेतो
वहउसकेगिरदिसमेजावेगाशत्रूकेपीछे
हमरीअवस्थामेजववहरोकाजातातोआ
तोपकाप्रयत्नदेवेगा जोमददेनेवालाखि
डआगेजावेगा औरआक्रमणकरनेवाले
खिडकीमददेवेगा यो वहलौटआवतातो।
उसकेपीछेकोरक्षणकरेगा योलौटजाना
होगातातोफखानेवालाऔररिसालाको।

74

खबर मिलेगी। यो आक्रमण हट जाता तो मा-
दन देनेवाला सोपानव्यूह में खड़ा होगा और
गारद उसके सामने खड़ी होगी और आक्रम-
ण करनेवाला उसके बीच में पीछे को लौट जा-
वेगा और यह आगेवाली गारद जब शत्रू इन
के पीछे आवता तब रोक करेगी और यो वह
गालिब हो जावेगा वह मदद देनेवाला एउ
के पास जावेगा इसी तरह से श्रेणी पीछे जावे
गे तोफ का गोले के जाने के है और वहां ख-
ड़ा करेगा और यह शत्रू इसी तरह बंदोबस्त
से उसके पीछे नहीं आवता तो वह कोसि-
स करेगा उस जगा से पीछे उठाने को और
यह हो सके तो पहले के नाम से फल निकालो
जब यकीन है कि नाश हुवा तोफखाना दूस-
री जगा पर खड़ा होवेगा और पीछे जानेवा-
ला को रक्षक देवेगा और रिसाला भी पीछे जा-
वेगा और कोई शत्रू का रिसाला जो आवता
है उसको रोकेगा। आखिर एक बड़ा नियम
सम आक्रमण में यह है कि बल हमेसा प-
लटन में होणा चाहिये और टुकड़े टुकड़े में
में नहीं होणा चाहिये और हर एक अनाये
कार्य छपत को अपणे पास की लरखेणा।

३.
२४

चाहियेजोफकाह्निदंवंधकरानेकों। यहवर्ण
नसंपूर्णआक्रमणकेवास्तेहै सवायछोटेआ
क्रमणकेजैसाकिसीविशेषबाहरकीकिला
वंदीपरजवसिरफथोडेकालकेवास्तेपकड
तीहै इसअवस्थामेंकाल औरमनुष्यसंख्या
औरतजवीजकोंईतयामहोणाचाहिये जै
सीअवस्थाहोवे आक्रमणकरनेवालेकोम
ददेनेवाले शत्रुकेवलसैतीनचतुर्थांशहो
णेचाहिये औरनजीकखेउहोणाचाहिये औ
रआज्ञापकाअहदउनकेसाथहोणाचाहिये
दोनोंजपय औरवेगनअवृजूमकेआक्रमण
यहसंपूर्णवातेंफलकेवास्तेउपेक्षितहै वो
नोजपय औरवेगनअवृजूमकेआक्रमणमें
फलनहीऊवाकी यहवातोंकीगाफलतासे
यहवंदोवक्तमैंजोवर्णनकियाहै यदइसमें
फलनहींहोगातोउगसानकमतीहोवेगा
औरमुसकलकीवातऔररोकनाकमहो।
गाफलकेवक्तमें। जवफोजआक्रमणक
रनेकोंलेजातातवफ़तवक्रथोडफलहोता
औरआक्रमणकरनेवालाकोंनहींमालम
होताकीआगेक्याकामकरनाचाहिये
क्योंकि उसकेसाथकोई दसानेवालानहीं

हे और वह छिड़ा होता और शत्रु उसपर आक्र
मण करता है और वह पीछे को हट जाता
और फैला पड़ता और आखिर वह गालव हो
ता यो आज्ञापकाख्य हु और मदत देनेवा
ला उनके साथ होता तो यह खराब बात सं
भवनीय नहीं है क्योंकि आज्ञापकाख्य ह
और मदत देनेवाला मजूद है तो मदत देने
वाला आगे बढ़ जाता और और कुकमसि
लता और आखिर फल संभवनीय है ।
यह यह संपूर्ण खिवरदारी करता और
आक्रमण हो सक्ता तो फल होएगा वा
ह्रिये केवल थोड़ा उत्तम स्थान है जिसपर
आक्रमण नहीं कर सके यो अच्छा वक्त
देखता और वह सरदार जिसके सपुर्द मे
कोई जगा है वह नहीं जानता चाहिये की
रतक मे है विना सर्वदा कुसयारी मे र
हणे के सवाय उस जगा से की जिसके
गीरद उसमे पाणी है या चिक उद्यादि वा
ल है १० फुट ऊंचीया आवने वाला रस्ता
वकृत तंग है और वह इस्तानी से खिवरदा
र कर सक्ता है ।। इति दुर्गाक्रमण वि
द्या समाप्ता शुभम् ।। ।।

आग्नेयकोणमेंसे ध्यानपरखड़ेहोअभ्यासके
वास्ते मुखदहनेकरो जलदीचलो किनार
मेखड़ेहो चलोकेशहूपर लंबरएक एकदे
मदौड़ताकूवरकेवामेपर ओरआगेंजानेवा
लामेंसमखड़ेकी वामेकेतरफचूमती ओ
रकिनार अलगअलगहोती ओरआदमी
तोफकेदोनोतरफचलाजाता लंबरदो
ओरतीनवाहर ओरपैरकेसामनेकेबरा
बरखड़ाहोता चार ओर पांचछिद्रकेव
...र ठसामने होता ओरछेगजवामेपैर
केपीछेंखड़ाहोता सातदरूणकेतरफ
चूमता ओरछेके ........ तरफचल
ता ओरयोजपशाकटपरखड़ाहोता यो
सातसेजादाहै सोफालतूसमझोहै ओरज
वऊकमहोताकीजलदीचलोतोवहदोक
दमकरेगा विनाआगेंजानेकेओरदहनेके
तरफघूमेगा ओरयोजपशाकटकेवामेप
रखड़ाहोगा ओरउसकेपैरकानामपगराव
रहोवेगा यदसामग्रीशाकटसाथहै तोआ
ठओरनोअपणीजगापरजाता नोसामग्री
शाकटपरजाता ओरआठआयेअंतरपरख
ड़ाहोता सामग्रीशाकटओरयोजपशाकटके
जवंसख्याअब्बीतरहडुरुसखड़ीहुई ओर

वि॰ खडेहो यहशब्द दिया ··· जातोलंबरएक उ
८ ठालनेदंडकोपीछेकोखीचता ओररोकनेवा
लाइकडु ········· करलेता लंबरचार अ
ग्नेचूणपेसीतोफकेपीछेसेलेजाता ओरतस्मा
अपणीकमरपरवकूसूरसेबंदकरता जिसमे
अग्नेचूणपेसीउसकेदहणेतरफहोगी ओर
उसीवक्तवामेहाथमेसूईलेजाता ओरउस
कांअगुष्ठसूईकेकडामेलगायाजाता ओरसू
ईहसरे ओरतीसरीअंगुलकेवीचलगजावे
गी ओरपकडकगसणापिचलीदोअंगुलओ
रहाथकेवीचमेअग्नेचूणपेसीकासिरपो
सबंदरहेगा दहणेहाथकेदवाणेसेयहहोता
ओरककोपार्श्वपरदवाणेसे। लंबरचार
देखताभारतल ओरवरमाउसकडेमेहै
जोतोफकेपार्श्वपरहैउसकेवास्ते लंबरदो
पकनिरक्षादमलेता ··· दहणेपेर
केसाथ ओरचूमता ओरसफाकरनेवाले
दंडकाकंद्रपकडलेता ओरफेरअपणेस्था
नपरखडाहोता ओरदंडदहणेहाथमेलेजा
तालडकानेकेवतोर अंगुष्ठओरपहलीदोअं
गुलकेवीचमेओरहसरीदोअंगुलउसकेदं
डकासफाकरनेवालासिराउपरकीतरफहो
ता ओरउसकाप्रवणजिमीनको ४५दरजेहो

तावदन और वामाहाथमनोयोगपास्थितिमेर
हता लंबरपांचवामेकीतरफभ्रमणकरता
और लंबरसातकोंजाता और उससेवतीले
लेता उसकेसाथवहआणेस्थानकोंलौटआ
वता और वतीकोंदंउपरउरूसललगाता औ
र उसकासिरकाटता और उसकोवलपमे
लगाताजोतोफकीगाडीमेंहै वहफेरदेखता
मेंदखल ... वलीऊवा आगरवहदके
साथकामकरनाहै और फेरआणेस्थानपर
जातापैरकेबाहर और संपूर्णमनोयोगमे
रहेगा आलापकाअभ्यास अवीऊकमदेताऊ
वापदकोसहूकरता और शिक्षकउसके
पीछेऊकमबोलता और ऊकमदेतासंख्या
कोवतलागा सिक्षकसे एकदफेसंपूर्ण
करो क्रियासे अपणीसंख्यादसो विलक्षनौ
करोवसो सिक्षकसे और लंवरएकसे ...
एकएकसंख्याकेवीचमेबोलनेमेशिक्षक
थोडीदेरीकवाकरता एक दो तीन चार
पांच छे सात एकएकसंख्याजवाबदेतायह
और अपनीनोकरीसफाखकावदसता लं
वरएकलगाता और ऊकमदेता लंवरदोस
फाकरता लंवरतीनभरता लंबरचारछिद
कीनोकरीपररहता लंवरपांचदागतालंव
रछेबेगजवामेपैरकेपीछेखडाहोता और

वि
२

लंबर तीनको सामग्री देता लंबर सातसे लंबर
सातयोजसशाकटपर रहता और उसके जिसमें
सामग्री रहता है लंबर दो और तीन भीतरकी
तरफ झुकाकरता लंबर दो बामेको लंबर तीन
दहणेको सिरतकसे माजन और गें करो एक दो
तीन स्पंज एक दो दंडनिकालो एक दो तीन
चूर्णकोशको भीतर मारो एक दो दंडनिका
लो एक दो पीछेको कदम लो एक दो लंबर
एकसे दागो सिरतक और लंबर एकसे भरो
सिरतकसे संयुक्तण ·· करो यह हेनियारी
केवास्ते। दोवोप्रकरणतीनमे यह हुकम
दियाजाता है प्रत्येक संयुक्तणके पीछे जब
तलक संख्यासंयुक्तणकी जोहुकमथा पूर
रान हो हुवा जब हुकम दियागया की स्पंज
सफा करो लंबर दो कदम करता भीतरक
तरफ और भरोकेशज़्मरबदसस्पंजको तो
फकको ड़ेदो दके भज देवेगा और उसके नि
कनिके बाद लंबर एकसे सफाकरो दंडती
न तोफके झुकाव पर तीन दफे मारेगा उससे
कुछ मैल निकालने को जो उसमे लग गया है
वह फेर दंड सीधा रखता और बाहरकदम ले
ता सामने होता और दंड सलामी करता
लंबर चार पैरके बाहर कदम करता पांवव
तीलोटाय देता छेद्चूर्णिकोशलो टायदेता स

नको और वह उसको रखता घोड़ा शकट के
मुंह रखमे और सम्पूर्ण सामने होता और स
थितिमे रहता वदल करनेको तियारीमे.
सिलके से वदने दसो स्थान वदली करे। लं
वर एक सफा अवाजमे वोलता तीन दोकी
जगह लेता दो चार चार एक एक सात
सात छे छे पांच पांच तीन। तव सिद्ध क
स्थान वदनेको फ़ुकम देता लंवर एक औ
र तीन एक ही कालमे चलता तीन एक छो
टा कदम सामनेको लेजाता दहने के तरफ
घूमता और तोफ की झख के पार जाता
तीन कदममे और फेर दहणे के तरफ
सामने होता तव वह लंवर दो के सामने
होता लंवर दो दहणी भुजा फेलाता और
दहणा पैर वामके पीछे रखता और फेर स्थ
नवदके सामने लावता लंवर तीन स्पंज
उससे लेजाता दहणे हाथसे लंवर दो के
दहने हाथके नीचे लंवर दोके र दहणे हा
थकी तरफ भ्रमण करता और एक कद
म उसके सामने लेजाता जिसमे वह लंवर
चारके सामने खड़ा होता और वह मूरे और
रसणा उसके वामे हाथ देता तीन दोकी ज
गामे जाता और सामने होता और चार र

वि णिपैसीउत्तारदेता औरदोकीगारदनपररखता
२ औरदोवकसमैवंदकरदेता जिसमैचूणिपैसी
दछणतरफपररहैगी चारदछणतरफचुम·
ता औरकूवरकेवामैपरखडाकरता औरस्स
मनेहोता उसीविंद्युपर जोखालीरुवापकसे
लेवरदोचारकीजगामैजाता औरखडाहो·
ता औरदछणकीतरफचूमता। लेवरप·
कदछणतरफचूमता औरखडाहोता कूव·
रपरजववहउसकेपासजाता तो सातछेके
दछणपरजाता छेपांचकेपीछेजाता जव·
छेच ······ तोसातपककदसवामैकेपास
लेता जिसमैवहउसजगामैहोगा जोछेखा
लीकिया पांचतीनकीजगामैजाता। आप्ता
पकाध्यतेसे अलगअलगहोजावे। ३स्पश
दूपरसित्तकखडाहोता औरदूसराअलगहो
ता आप्तापकाध्यतेसे दछणकेतरफचूमे
जलदीचलो। लेवरदो औरचारसंजऔरचू
णिपैसीको अपणेस्थानपररखेगा लेवर
पक उत्तोलनदंडको अपणीजगापररखता
सित्तकलेवरपककीजगामैखडाहोता कू
वरकेवामैपर जवसंपूर्णस्थितिरुवातो अ·
ठीशतोपकके पीछेखडाहोगा लेवरछे औरर·
सात औरफालतूलेवरनहीचूमते सातदोउ

ताछे के सामने और उसके बीमे की तरफ लंब
जाताछे अपणी जगाहपर हटताता और फाल
तू लंबरछे के बीमेपर खड़ा होता चार और पां
च भीतरफ झुकतेहै जब उतोलनदंड लंबहोगा
याता पांच थोड़ा पीछे रहता और चारके पीछे
होता वह दोनोंछे और सातके दहणेपर खड़ा
होता और सामने होता दो और तीन उनके
दहनेपर उसीतरह खड़ाहोता जब संपूर्णसा
मने खड़े होगये और स्थिति होगयेतो लंबर
एक उनकी जगामे दहनेपर खड़ाहोता औ
र संपूर्ण जमाहोता लंबरएक भीतरकी तर
फ सामनेहो जलदी चलो खड़े होजावो सा
मनेहो बराबर होजावो अर्थात् भीतरकी तर
फको सामने होता। जब एक एकके दंडमे पड़
वता तो वह खड़ा होजाता अपणा लंबर एक
के झुकमेसे संपूर्ण अभी खड़े होते जे सातो फ
कीक वायदके पेसतरथा और दहणे की तर
फसे बराबर होता। अलग अलग संयुक्तण
करनेके पहले आज्ञापका थ्यल एक सित्क
को ताफकी कितारके केंद्रके पीछे खड़ा करदे
ता और अस्हाली उसकी सपूर्दमे होतोहै औ
र हसराजिसकी सपूर्दमें अपणाहै वह अपणा केकें
द्रमे खड़ा होता और बराबर झुकबरके उतोल

वि· नौलनदंडके और वहउसकाऊकमफेरबोलता
४ ध्याानकरनाचाहियेसम्पूर्णवाहरकीकवायद
मेंस्पंजस्नासामग्रीशकटकेकूवरकेऊपरबंद।
होताहै उनौलनदंडकेऊपरबंदहोताहैऊपर
औरपहलपैटाहै इसवास्तेजबवाहरकीकवा
यदअभ्यासकरना लंबरएकदोऔरचारकोदि
खलानाचाहियेकीस्पंजऔरउनौलनदंड।
किसतरहसेखुलजाता औरबंदहोजाता
लउे इसकूपरस्पंजकादंडउतरजाताइसी
तरहलंबरदो औरचारभीतरमेंकटसकर
ताजैरलिखागयासंयुक्तणकेबंदकरनेमें
जवतस्माखुलगया लंबरचारदंडकाकंट
अप ... दहणेहाथमेलेजाता और

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ अथ दुर्गाऽऽक्रमण
प्ररीतिर्लिख्यते दुर्गस्याऽऽक्रमणे प्रथममेत
द्विचाराः कर्तव्याः दुर्गस्याक्रमणं कर्तुं कति मनु
ष्याः योग्याः पर्वतेऽस्मिन्विषये मनुष्यसङ्ख्या
याः नियमो नास्ति अथ च युद्धस्यानुरोधेन तु सङ्ख्या
वसंख्योपायाः नियमज्ञानेन भवति पर्वतस्थाः स
र्वाः वार्तापत्रदृष्टिलिखिता तेषां विचारणेन ज्ञा
नं स्फुटीभवितुमर्हतीति । प्रथमविचारः दुर्गस्थ
सैन्यं विनाऽस्मत्सैन्यं ममोपरि आगति न वेति
द्वितीयविचारः किंच दुर्गसामीप्याऽऽसन्न
तान्निवासिभिर्जनैः अस्माकं मित्रता क्रियते
शत्रुता वा चेद्यदि शत्रुता क्रियते तदा मम कि
यद्धानिं कर्तुं तेषां सामर्थ्यमस्तीति ॥ तृ
तीयविचारः दुर्गमध्यस्थसेना रात्रिसमये
वा कस्मिंश्चिदन्यसमये उन्मीभूत्वा मोनं कृ
त्वा योद्धुं बहिरागच्छति न वेति विचार्यम्
चतुर्थविचारः दुर्गस्यान्तःसेनायाकार्यम्

5

कुवा यह की जमीन पर और फेर कितार मे खा
डा होता कूवा और तोफ के बीच मे और आगे
वाली कितार तोफ की पीछे छे गज होगी
आलाप का खहे के फकम ठहरो सामने हो
बराबर हो आलाप का खहे से आंख सामने
जब यह हुकम मिलता तो अर्थीश का लंबर
एक अपणे सेम्यांखउ को यह फकम देता जै
सा यह ठहरो सामने हो बराबर हो और वह
आप रहने पर खड़ा होगा और फकम देता
जिसमे ...... लहोगा की तीसरा आदमी
सेम्यंखउ के रहने से तोफ के बामपेर के
सामने हो टहणाकें दीय सेम्यांखा
उकों हमेसां दिशा देने वाला सेम्यंखउ जाता
और वह है उस भूमी पर जिस पर रहस राबरा
बर होता यह दिया जाता जब सेम्यंखउ डु
लबराबर है

अपणे से मंदिर की संख्या करो लंबर ए-
क मैं संख्या करो अष्ट महिमा क्रिया से लं-
बर एक एक एक से मंदिर की एक एक दा-
म सामने करना और दहणे के तरफ चूम-
ती और रुकम देना की संख्या करो जिस पर
दहणे हाथ के आदमी पिचली कितार में-
बोलता दो और दहणे हाथ के आदमी सा-
मणे कितार पर बोलता तीन दूसरा आ-
दमी दहणे हाथ से पिचली कितार मे चार
बोलता और आदमी उसके सामने पांच बो-
लता और तीसरा आदमी दहणे से पिचली
कितार मैं छे बोलता और आदमी उसके-
सामने सात बोलता और इसी तरह जब-
सब अपणी संख्या बोल दिया तो लंबर एक
अपणी जगा पर जाता से मंदिर के दहने प-
र और सब सामने करता ॥

दूसरा प्रकरण खिडी हुई तोपका कवायद
जो हिस्सोंमें तकसीम होता है १ कियासे
२ हुकमसे शरूहते ३ मुंहमें दस्तबुरदणसे ४
बाहरकी कवायदके संघुहणसे ॥
नूतन मटहन हिस्सोंमें प्रतिदपमें शिक्षव
ना जैसा आगे लिखा है

१ कियासे यह करनेमें एक एक आदमी
अपणी संख्याका जवान देना और अपणी
विशेष नौकरी बनलायदेना और शिक्षा
कपक २ क्रियाका ईतयाम करना और
उदाहरणके वास्ते सजको आगें करो
यह हुकमके बाद ईतयामके वास्ते शिक्षित
कबोलना एक दो तीन लंबर एक हुक्मा
सां हुकम देनेवाला है ५ केवल बहुतछो
टे कि सबकी तोपपर सात आदमीसे कम
नहीं लगता जबसैन्य थिउ छे आदमीसे
कम है ऊपरवाली संख्या छोडदेना और रा
जादेनौकरी बाकीके आदमीपर लगता
सैन्य थोडे इकठे खिडा होता दोकितारमें
लंबर एक दक्षिण पार्श्वसे उसको बांटक
रना लंबर दोपिच्छ कितार केदहण

हाथके आदमी है लेंबर तीन सामलीकि
तारके टहणो हाथके आदमी हैं लेंबर चार
पीवलीकी तारके टहणो हमारे आदमी है
लेंबर इसके सामने आदमी है
और इसी तरह वह बांटी जावेगा ॥

और नाड़ीनिकालो इसकेबाद एक
दो २ हुकमकेशाहसे संपूर्णक्रियाका
बायदकीजोसंख्याकियागया प्रथमही
सामेमखी औरएकठीतरहसेकीयाजा
ता इसीतरह हुकम पुंजनअंगोंकरे
इसमेंसभहैतीसरीक्रियाकोतोफके
पासकदमकरता पुंजइसमेंसंपूर्ण·
क्रियापुंजनकीहै नाड़ीनिकालो
इसमें ढंउ निकलता औरखूनती आ·
ग्निचूर्णकोशाकोहुमेमारो इसमेंदो
नोक्रियाहै कोठेमेंमारनेकी और
नाड़ीनिकालो इसमेंनाड़ीनिक
लती और पुंजवालापीछेकदम
लेता औरबातोंमेकायद

ऋकशहसे वैसा है कि यासे जब तोफकी
कवायद कियासे और ऋकमशहसे कर
ता तो वक्त होगा यदि नूतन भट दिशारे।
खोउ तोल न दंड से सिखेता और निसानपर
लगाने की तपसील सिखेला वो जब वह
शिक्षामे और पका होजाता २ मंदमंद
संयुक्तणसे। जब नूतन भट तोफकीक
वायद कियासे और ऋकमशहसे अभ्या
सिके वह मंदमंद संयुक्तणसह करस
का ... और नौकरी वतलाना वह
अवी छोडदेता और जब ऋकम मिलती
की भरो वह संकर्ण काम करता जैसा
ती सरे प्रकरणमे लिखा है शत्रुके मा
नेका वन जुदा जुदा लदां तराल और
तोफके लगाने के तिरीक व जैसा छे
और सातके प्रकरणमे लिखा अवी स्प
ष्ट वतला ॥

केऊपररखता खबरदारीसेखड़ाहो
ता और सामनेहोता संग्रामबंदा-
कसी इसशाहूपर लेवरपाँचवतीका
उतारसजनकादेउइसीतरहफेररखो
जाता ॥ लेवर दो एकतिरछाक
दमलेता दहणेपैरसेसामनेकेत
रफजिसमैपैरवढता फेर एक ले
वाकदमबामेकेतरफपुरेकोनजी
कनवदहणेपैर बामैकेपासल्या
या उसीकालवहअघातकासि
र पुरेकेऊपरभेजदेता लेवरचार
को अपणा बामाहाथदेउकेकों
हमेरहता हाथकापीछेनीचेकेत
रफ और उसकादहणाहाथसंजं
केसिरेपर लेवर चार बामेतरफ
झूमता औरबामैपैरसे एककदम
सामनेलेता औरअपणादहणेपै
रथोडेईचेददहणेकीतरफर

9

और स्पंजनका दंड अपने दहने हाथमे ले।
ता और तस्मा लगाता बामे हाथमे ल
वरचार स्पंजनके दंडको पकड़ लेता और
उसमे जो उनकी तरफमें है उसजगामें र
खता बामे हाथसे ॥

सिंजा खो जाता दहिणे पैर के अंगूठे की न
ख और दंड की सिरि नीचे और आगे वा
ले वक्र खेड़ पारा खो जावेगी और उपर
वाला दंड का टुकड़ा नोक की गुर खपरा
खो जावेगा। नाभ्यग्नि नूणिपसील
उकाई जावेगी वमड़ा के तस्मा से अस्त
तिंत वाफि खेर पर और मदई खो जावेगी
वमड़ा मे जो नोक पर दहिणे तरफ है उ
सके वास्ते। मंदज्वनिका तिग्र
न्ता ग्रमव के नीचे खो जावेगी और
टोती नई वेउ मकान लाकू वा सिगवा
हर खो जावेगा खेड़ीकुई की
कवायद पर सामग्री शाकटे वाजे वाजे
वक्त हो जावेगा और वहइत नाअंतर
मे कूवर के पीछे रखो जावेगा जिन
नावाहर की कवायद मे खो जाता
और अबी आठ और नौसखो की नौ
करी सब वतलाया जावेगा से सब खेड़
खड़ा होता और चला जाता ॥

जा चाहिये और वदलने के क्रम के आगे
लंबर एक यह अक्षांतर है सो सिखणा चा
हिये और प्रत्येक नूतन भटन वलंबर
एक की नौकरी करता तो लहांतर और
औनसवतलाने चाहिये ताभी के पास
जाने के आगे । ५ वाहर की कवायद के
संयुक्त ताण से जब नूतन भट वाहर की क
वायद का संयुक्त ताण हुन्न करना तो जान
ना वह नजीतियार है शिक्षक को उनको
उसहिसाके कवायद में प्रत्येक रकनका
संयुक्त ताण है यो जंत्री में लिखा है इसकणमें
८ प्रथम शिक्षा तोफ और छोटि सामग्री
की बंदोवस्त तोफ की कवायद की जिमी
न पर ऐसा होगा जैसा आगे लिखते है तो
फ आपे अंतर पर खड़ी होगी उसका अं
तराल साढे सात गज है और वह पहले
शाण की गोला से अक्षांतर है बंद होजावे
गा और यो स्पष्ट कट तोफ की गाडी के रू
वरू से दश गज अंतर में रहेगा ॥

तीन एकदम लेतापीछे बांमेंपैरसे और
दहणेकोटहदणेपैरसे और तोफकेपी·
छें खड़ाहोजाता संयुक्तणंबरकरो १समा
रूपर उत्तोलनदंड १सीतरह लपेटनालव
रएक एकबांमेंपैरसे बांमेंकीतरफए
कदमलेता और दहणेपैरसे एककदम
सामको और आधाघूमताकूवरकीतर·
फ और झुकता जैसावहझुकताजब
उत्तोलनदंडउठता और चावीपलटले·
ताबांमेंहाथसे अंगुलीपवनीचेकीत·
रफ दो चाबीखुलती औरउत्तोलनदं·
डकदमापकरलेताकरनल छेकी
तरफरहता तीन उत्तोलनदंडआगें
वधता औरकूवर

आवात देनेवाला सिर अपणे वामे हाथ वा थाम
ता और पुरे की परली तरफ फेंक देता लंवर.
दो को वरद उसको पकड़ लेता दहने हाथ मे व
ह दंड को सीधा करता और पीछे कदम लेता
और खड़ा होता सामने लंबर चार अपणी जा
गा फेर लेता दहणी तरफ घूम अपणे वामे पैर से
और फेर एक कदम दहणी तरफ लेता गाउ
के पैर से लडे इस शकूपर उ तोलनदंड इसी
तरह खुल जाता है एक लंवर एक आधा
फिरता कुबर की तरफ और वामे पैर थोड़े
ईंच आगे रखता और दोनो जानुसे थोड़ा झु
कता और उ तोलनदंड का दस्ता दहने हा
थ से पकड़ लेता और करतल सामने उ
तोलनदंड घूमता पीछे की तरफ और
उसकी चाबी रखता सीधा खड़ा होगा
और सामने होता ॥

पत्राणि ७६+११=८७

दुर्गाक्रम